किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 188 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शनिवार 18 अप्रैल 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

इजरायल-लेबनान युद्धविराम का वैश्विक स्वागत, खाड़ी देशों ने उल्लंघन से बचने पर दिया जोर

समाज जागरण

नई दिल्ली।17 अप्रैल 2026: इजरायल और लेबनान के बीच जारी तनाव के बीच दस दिनों के युद्धविराम की घोषणा ने वैश्विक स्तर पर राहत की सांस दी है। इस फैसले का दुनिया भर के देशों और नेताओं ने स्वागत किया है, वहीं खाड़ी देशों ने सभी पक्षों से युद्धविराम की शर्तों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

युद्धविराम की खबर मिलते ही लेबनान में खुशी का माहौल देखने को मिला। राजधानी और अन्य शहरों में लोगों ने पटाखे जलाकर और सड़कों पर निकलकर जश्न मनाया। लंबे समय से संघर्ष झेल रहे नागरिकों के लिए यह राहत भरी खबर मानी जा रही है।

ईरान ने भी इस युद्धविराम का समर्थन किया है। सरकारी मीडिया के अनुसार, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि लेबनान में शांति बहाली की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है। हालांकि, अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि यह युद्धविराम उसके साथ हुए किसी समझौते का हिस्सा नहीं है और इस पर कुछ भ्रम की स्थिति रही है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने युद्धविराम का समर्थन करते हुए चिंता भी जताई कि यदि सैन्य कार्रवाई जारी रहती है, तो यह समझौता कमजोर पड़ सकता है। उन्होंने दोनों देशों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही, उन्होंने हिज्बुल्लाह से हथियार छोड़ने और इजरायल से लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करने की बात कही।

शांति की उम्मीद, लेकिन चुनौतियां बरकरार

विशेषज्ञों का मानना है कि यह युद्धविराम क्षेत्र में शांति की दिशा में अहम कदम है, लेकिन इसे कायम रखना बड़ी चुनौती होगी। यदि सभी पक्ष संयम और प्रतिबद्धता दिखाते हैं, तो यह समझौता स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

खाड़ी देशों ने भी संतुलित प्रतिक्रिया दी है। संयुक्त अरब अमीरात ने उम्मीद जताई कि यह युद्धविराम क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वहीं (सऊदी अरब) और (ओमान) ने सभी पक्षों से समझौते की शर्तों का पालन करने और किसी भी प्रकार के उल्लंघन से बचने पर जोर दिया।
(जॉर्डन) ने लेबनान के नेतृत्व की सराहना करते हुए राष्ट्रपति (जोसेफ औन), प्रधानमंत्री (नवाफ सलाम) और संसद अध्यक्ष (नबीह बेरी) की सकारात्मक भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।
(मिस्र) ने इजरायल से (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) के प्रस्ताव 1701 का पालन करने की अपील की, जिसमें 2006 के संघर्ष के बाद क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों को रोकने की बात कही गई थी।वहीं (न्यूजीलैंड) के विदेश मंत्री (विंस्टन पीटर्स) ने भी युद्धविराम का स्वागत करते हुए कहा कि स्थायी शांति के लिए सभी पक्षों को बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़ना होगा।

(इनपुटः आईएएनएस)

"एक घंटा दीजिए, अभी बदलकर ले आता हूं कानून" – संसद में अमित शाह

समाज जागरण

नई दिल्ली, 17 अप्रैल 2026: संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (महिला आरक्षण विधेयक) पर चर्चा के दौरान उस समय जोरदार सियासी टकराव देखने को मिला, जब केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) ने विपक्ष को सीधी चुनौती देते हुए कहा– "एक घंटा दीजिए, अभी बदलकर ले आता हूं कानून।" उनके इस बयान के बाद सदन में माहौल गरमा गया और विपक्ष रक्षात्मक नजर आया।

परिसीमन पर गरमाई बहस

बहस की शुरूआत उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में सीटों के संतुलन को लेकर हुई। अमित शाह ने आंकड़ों के जरिए समझाया कि परिसीमन के बाद सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि होने पर भी राज्यों के प्रतिनिधित्व का अनुपात लगभग समान बना रहेगा।

युद्धविराम के बीच दक्षिणी लेबनान में 10 किमी सुरक्षा क्षेत्र बनाए रखेगा इजरायल: नेतन्याहू

समाज जागरण

नई दिल्ली/अंतरराष्ट्रीय डेस्क, 17 अप्रैल 2026: इजरायल के प्रधानमंत्री (बेंजामिन नेतन्याहू)

ने स्पष्ट किया है कि हिज्बुल्लाह के साथ युद्धविराम लागू होने के बावजूद इजरायल दक्षिणी लेबनान में 10 किलोमीटर का सुरक्षा क्षेत्र बनाए रखेगा। उनका यह बयान उस समय आया जब अमेरिका के राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने दोनों देशों के बीच युद्ध-विराम की घोषणा की।
यह समझौता नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति (जोसेफ आउन) के बीच हुआ है और इसे अमेरिकी समयानुसार शाम 5 बजे से लागू किया गया है।
नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने (हिज्बुल्लाह) की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें इजरायली सेना को अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पीछे हटने के लिए कहा गया था। उन्होंने साफ कहा कि इजरायली सेना लेबनान के भीतर बनाए गए इस सुरक्षा क्षेत्र में ही तैनात रहेगी।

उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा क्षेत्र उत्तरी इजरायल के इलाकों को हमलों और टैंक रोधी हथियारों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ऐतिहासिक शांति समझौते की संभावना

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह भी कहा कि लेबनान के साथ एक ऐतिहासिक शांति समझौते का अवसर बन रहा है। उनके अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उन्हें और लेबनान के राष्ट्रपति को बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं।
नेतन्याहू ने दावा किया कि इजरायल ने लेबनान में शक्ति संतुलन अपने पक्ष में कर लिया है, जिसके चलते शांति वार्ता की संभावनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले एक महीने में लेबनान की ओर से सीधे बातचीत के संकेत मिले हैं।

दो शर्तों पर टिकी शांति वार्ता

नेतन्याहू के अनुसार, संभावित वार्ता में इजरायल की दो प्रमुख शर्तें होंगी–
पहली, हिज्बुल्लाह को पूरी तरह से हथियार छोड़ने होंगे,
और दूसरी, एक स्थायी शांति समझौता सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

ईरान पर भी सख्त रुख

ईरान के मुद्दे पर नेतन्याहू ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिया है कि समुद्री नाकेबंदी जारी रखी जाएगी और ईरान की बची हुई परमाणु क्षमता को खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने इन प्रयासों को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया।

तनाव कम करने की कोशिश

राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिनों के युद्धविराम की घोषणा की थी। यह फैसला दोनों देशों के नेताओं के साथ बातचीत के बाद लिया गया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते तनाव को अस्थायी रूप से कम करना है। यह युद्धविराम उस संघर्ष को रोकने का प्रयास है, जो तब तेज हो गया था जब इजरायल ने ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया था। हालांकि इजरायल और लेबनान के बीच औपचारिक युद्ध नहीं है, लेकिन दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से पर हिज्बुल्लाह का प्रभाव है और दोनों पक्षों के बीच लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई होती रही है। (इनपुटः आईएएनएस)

अपनी ही मां-बहनों को नहीं दे पाए उनका हक!

समाज जागरण

नई दिल्ली, 17 अप्रैल 2026: देश की संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने को लेकर लंबे समय से चली आ रही बहस एक बार फिर तेज हो गई है। सरकार द्वारा लाया गया 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' अपेक्षित बहुमत नहीं मिलने के कारण लोकसभा में पारित नहीं हो सका, जिसके बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक माहौल गर्मा गया है।

संसद में हुई वोटिंग के दौरान इस विधेयक के पक्ष में 278 वोट पड़े, जबकि 211 सांसदों ने इसका विरोध किया। हालांकि, इस महत्वपूर्ण बिल को पारित करने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत यानी 326 वोट नहीं मिल पाए, जिसके चलते यह विधेयक गिर गया।

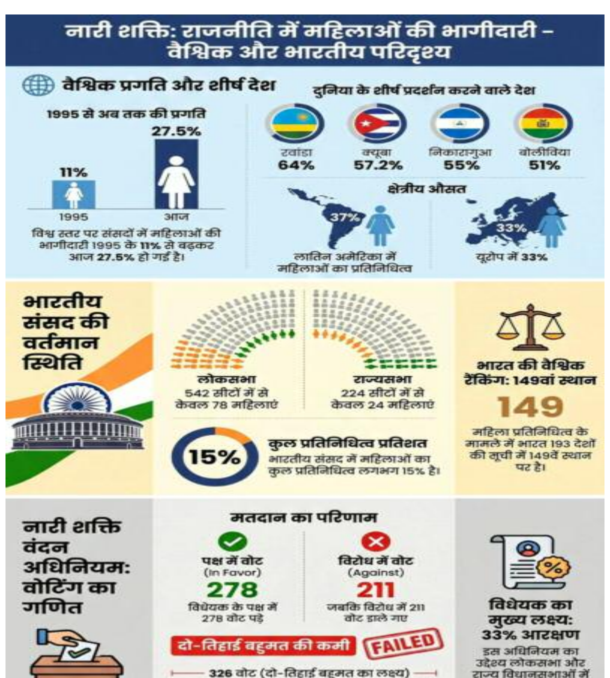

सरकार समर्थकों का आरोप है कि विपक्षी दलों के विरोध के कारण महिलाओं को उनका अधिकार मिलने से वंचित रहना पड़ा। उनका कहना है कि यह विधेयक देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता था।

महिलाओं की भागीदारी में भारत पीछे

आंकड़ों के अनुसार, भारत की संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी भी अपेक्षाकृत कम है। वर्तमान में यह आंकड़ा लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जबकि वैश्विक औसत 26 से 27 प्रतिशत के बीच माना जाता है। ऐसे में यह विधेयक महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा था।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज

इस मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिल रही है। जहां एक ओर सरकार इसे महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रयास बता रही है, वहीं विपक्ष का तर्क है कि विधेयक में कई खामियां हैं, जिन पर व्यापक चर्चा की आवश्यकता थी।

महिला सशक्तिकरण पर फिर अधूरी उम्मीद

महिला आरक्षण को लेकर वर्षों से चली आ रही मांग एक बार फिर अधूरी रह गई है। अब यह देखना अहम होगा कि भविष्य में सरकार इस दिशा में क्या कदम उठाती है और क्या सभी दल मिलकर इस महत्वपूर्ण विषय पर सहमति बना पाते हैं। (विशेष

दिल्ली के पॉश इलाके में खूनी वारदात, पिता-पुत्र की हत्या से सनसनी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल 2026 राष्ट्रीय राजधानी (नई दिल्ली) के पॉश इलाके सीआर पार्क (तारा अपार्टमेंट) में पैसों के लेनदेन और पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद ने एक दर्दनाक वारदात का रूप ले लिया। इस घटना में एक ही परिवार के दो लोगों–पिता और पुत्र–की हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

विवाद के बाद हुआ हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पड़ोसियों के बीच चल रहे विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया।

दिल्ली में तेज आंधी-तूफान के साथ मूसलाधार बारिश, येलो अलर्ट जारी; जाम में थमा पूरा एनसीआर

समाज जागरण

नई दिल्ली, 17 अप्रैल 2026: राष्ट्रीय राजधानी(नई दिल्ली) और एनसीआर में शुक्रवार को तेज आंधी-तूफान के साथ हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। अचानक बदले मौसम के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, वहीं कई प्रमुख मार्गों पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

मुख्य सड़कों पर भारी जाम

बारिश और तेज हवाओं के चलते (कालिंदी कुंज), (डीएनडी),(महामाया फ्लाईओवर) (दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे) और दिल्ली कैंट से (राजौरी गार्डन) तक लंबा जाम

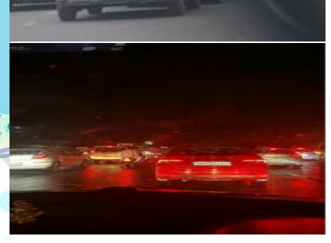

देखने को मिला।
नोएडा और दिल्ली के बीच महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग कालिंदी कुंज पर स्थिति सबसे अधिक गंभीर रही, जहां घंटों तक वाहन रेंगते नजर आए।

यात्रियों को भारी परेशानी

सोशल मीडिया पर एक यात्री ने जानकारी दी कि ट्रैफिक सिग्नल के पास जंक्शन पर कोई ट्रैफिक कर्मी मौजूद नहीं था, जिससे जाम और बढ़ गया। इस पर (दिल्ली ट्रैफिक पुलिस) ने प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि संबंधित क्षेत्र के अधिकारी को सूचना दे दी गई है। रिंग रोड पर यात्रियों ने दिल्ली कैंटोनमेंट मेट्रो स्टेशन से राजौरी गार्डन के बीच 30 से 40 मिनट की देरी की शिकायत की।

कई इलाकों में जलभराव

भारी बारिश के चलते राजधानी के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

जारी रहेगा आंधी-तूफान का असर

(भारत मौसम विज्ञान विभाग) ने दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार पश्चिम से पूर्व की ओर तेज आंधी-तूफान बढ़ रहा है और कई इलाकों में पेड़ गिरने तथा बिजली गिरने की घटनाएं सामने आ सकती हैं।
मौसम विभाग के रडार में तेज गतिविधि दर्ज की गई है, जिससे संकेत मिलता है कि अगले कुछ घंटों तक बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की संभावना बनी रहेगी।

लोगों को सतर्क रहने की सलाह

मौसम विभाग ने लोगों को घरों में सुरक्षित रहने, अनावश्यक बाहर न निकलने और खुले स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है। प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी की बढ़ीं मुश्किलें, हाई कोर्ट ने एफआईआर के दिए आदेश

समाज जागरण

नई दिल्ली/ लखनऊ, 17 अप्रैल 2026: कांग्रेस सांसद(राहुल गांधी) की कथित दोहरी (ब्रिटिश) नागरिकता से जुड़े मामले में (इलाहाबाद हाई कोर्ट) की लखनऊ पीठ ने अहम आदेश जारी करते हुए रायबरेली के कोतवाली थाना पुलिस को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस को पूरे मामले की विस्तृत जांच करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

हाई कोर्ट का अहम निर्देश

यह आदेश न्यायमूर्ति (सुभाष विद्यार्थी) की पीठ ने पारित किया। अदालत ने याचिका को स्वीकार करते हुए मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए।

याचिकाकर्ता ने फैसले को बताया ऐतिहासिक

मामले के याचिकाकर्ता (विग्नेश शिशिर) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस निर्णय को

"ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण" बताया। उन्होंने कहा कि अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार करते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है और यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा व जनहित से जुड़ा हुआ है।

दस्तावेजों को लेकर दावा

विग्नेश शिशिर ने दावा किया कि अदालत के समक्ष ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, जिनमें कथित तौर पर ब्रिटिश नागरिकता से जुड़े तथ्य शामिल हैं। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) और केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) का आभार जताया।

सीबीआई जांच की मंजूरी

याचिकाकर्ता के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार ने अदालत से मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया था, जिस पर अदालत ने जांच को (केंद्रीय जांच ब्यूरो) को ट्रांसफर करने की अनुमति दे दी है।

सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

विग्नेश शिशिर ने कहा कि इस मामले को आगे बढ़ाते समय उन्हें सुरक्षा संबंधी खतरे महसूस हो रहे हैं। उन्होंने गृह मंत्रालय से अपनी सुरक्षा बढ़ाने और (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के माध्यम से पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

समर्थकों का जताया आभार

उन्होंने देशवासियों और समर्थकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना इस मामले को आगे बढ़ाना संभव नहीं था। साथ ही उन्होंने आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए भी समर्थन की अपेक्षा जताई। (इनपुटः आईएएनएस)

योगी सरकार का बड़ा एक्शन, श्रम कानून उल्लंघन पर 203 संविदाकारों के लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 17 अप्रैल। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार श्रमिकों के हितों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में गौतमबुद्ध नगर में श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले 24 कारखानों से जुड़े 203 संविदाकारों के लाइसेंस निरस्त करने, धनराशि की वसूली करने और संबंधित एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
अपर श्रमायुक्त गौतमबुद्धनगर राकेश द्विवेदी के अनुसार, जिन संविदाकारों के श्रमिकों द्वारा हालिया आंदोलन में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं, उनमें कई संविदाकारों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। साथ ही जिन संविदाकारों ने श्रम कानूनों का पालन नहीं करते हुए श्रमिकों को उनके देय हित लाभों से वंचित रखा, उनके विरुद्ध 1 करोड़ 16 लाख 5 हजार 67 रुपये की पेनल्टी का नोटिस जारी किया गया है, जिसे श्रमिकों को भुगतान करने के निर्देश दिए गए हैं।
उन्होंने बताया कि शेष संविदाकारों की भी पहचान की जा रही है और उनके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि श्रमिकों के अधिकारों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
अपर श्रमायुक्त ने यह भी जानकारी दी कि श्रमिकों की वेतन वृद्धि को लेकर उत्पन्न असंतोष के बाद शासन स्तर पर गठित उच्च स्तरीय समिति की संस्तुति के आधार पर गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद में 74 अनुसूचित नियोजनों के श्रमिकों के वेतन में 21 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी, जिसका भुगतान मई माह की 7 से 10 तारीख के बीच किया जाएगा। नई दरें संविदा और स्थायी दोनों प्रकार के श्रमिकों पर समान रूप से लागू होंगी।

साथ ही स्पष्ट किया गया है कि कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ और ईएसआई के अतिरिक्त कोई अन्य कटौती अनुमन्य नहीं होगी।

परिसीमन 2026 से क्यों चिंतित हैं दक्षिण भारतीय राज्य ?

– महेन्द्र तिवारी

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में वर्ष 2026 एक निर्णायक मोड़ के रूप में अंकित होने जा रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 के प्रावधानों के अंतर्गत निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया

जिसे परिसीमन कहा जाता है वह अब एक राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुकी है। यह प्रक्रिया केवल भौगोलिक सीमाओं के अंकन तक सीमित नहीं है अपितु यह भारतीय संघवाद की आत्मा और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के मूल सिद्धांतों को प्रभावित करने वाली है। वर्तमान परिसीमन विधेयक 2026 ने देश के राजनीतिक मानचित्र को पुनः परिभाषित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस विधेयक के केंद्र में जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण है। पिछले कई दशकों से भारत में लोकसभा की सीटों की संख्या 543 पर स्थिर रही है जिसका आधार 1971 की जनगणना थी। उस समय की जनसंख्या और वर्तमान समय की जनसंख्या के बीच का अंतराल इतना विशाल हो चुका है कि एक सांसद के लिए अपनी विशाल जनता का प्रभावी प्रतिनिधित्व करना कठिन हो गया है। इसी समस्या के समाधान हेतु नए विधेयक में निचले सदन की सीटों की संख्या को बढ़ाकर लगभग 850 करने का प्रस्ताव है। यह विस्तार नए संसद भवन की क्षमता और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए आवश्यक माना जा रहा है।

परिसीमन की इस यात्रा को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर दृष्टि डालना अनिवार्य है। भारत में 1976 में आपातकाल के दौरान संविधान के 42वें संशोधन के माध्यम से सीटों के पुनर्वितरण पर रोक लगा दी गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य उन राज्यों को सुरक्षा प्रदान करना था जिन्होंने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया था। सरकार का मानना था कि यदि केवल जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ाई गईं तो जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्य राजनीतिक रूप से कमजोर हो जाएंगे। इस रोक को पहले वर्ष 2001 तक और फिर 84वें संशोधन द्वारा वर्ष 2026 तक के लिए बढ़ा दिया गया था। अब जबकि यह समय सीमा समाप्त हो रही है सरकार ने इस प्रक्रिया को पुनः सक्रिय करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि इसे महिला आरक्षण विधेयक के क्रियान्वयन से जोड़ दिया गया है। वर्ष 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अनुसार संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जानी हैं। हालांकि इस आरक्षण के प्रभावी होने की पूर्व शर्त परिसीमन की प्रक्रिया का पूर्ण होना है। इस प्रकार परिसीमन अब केवल जनसंख्या का गणित नहीं बल्कि लैंगिक न्याय और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का प्रवेश द्वार भी बन गया है।

विधेयक के प्रस्तुत होते ही देश में एक वैचारिक विभाजन स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्य जैसे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना इस प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। इन राज्यों का तर्क अत्यंत सुदृढ़ और तर्कसंगत है। उनका कहना है कि पिछले पांच दशकों में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। इसके परिणामस्वरूप वहां जनसंख्या वृद्धि दर उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में काफी कम रही है। यदि अब सीटों का आवंटन केवल जनसंख्या की संख्या के आधार पर होता है तो इन राज्यों की संसद में हिस्सेदारी वर्तमान की तुलना में कम हो जाएगी। उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की जनसंख्या वृद्धि दर अधिक होने के कारण उनकी सीटों में भारी वृद्धि होने की संभावना है। आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें वर्तमान 80 से बढ़कर 140 से अधिक हो सकती हैं। वहीं दक्षिणी राज्यों की सीटों में भी संख्यात्मक वृद्धि तो होगी किंतु कुल संसद में उनका प्रतिशत हिस्सा घट जाएगा। यह स्थिति दक्षिण के राज्यों को यह संदेश देती है कि उनके द्वारा किए गए विकास और जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों का उन्हें राजनीतिक पुरस्कार मिलने के स्थान पर दंड मिल रहा है।

राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह विवाद सत्ता के संतुलन से जुड़ा है। उत्तर भारत के राज्यों में वर्तमान सत्ताधारी दलों की पैठ अधिक गहरी है। विपक्ष का आरोप है कि सीटों के इस नए वितरण से उन दलों को लाभ होगा जिनका आधार उच्च जनसंख्या वाले क्षेत्रों में है। इस प्रकार परिसीमन एक निष्पक्ष प्रशासनिक प्रक्रिया के स्थान पर राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने का उपकरण बन सकता है। हालांकि केंद्र सरकार ने इन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी राज्य की वर्तमान सीटों को कम नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित ढांचे के अनुसार यदि कुल सीटें 850 तक पहुंचती हैं तो दक्षिणी राज्यों की कुल सीटें वर्तमान 129 से बढ़कर लगभग 195 हो सकती हैं। सरकार का तर्क है कि जब हर राज्य की सीटों में वृद्धि होगी तो किसी के साथ अन्याय होने का प्रश्न ही नहीं उठता। किंतु विवाद का वास्तविक बिंदु कुल संख्या नहीं बल्कि तुलनात्मक शक्ति है। यदि उत्तर भारत की शक्ति दक्षिण के मुकाबले अधिक तेजी से बढ़ती है तो नीति निर्माण और बजटीय आवंटन में उत्तर का प्रभाव अधिक प्रबल हो जाएगा।

आर्थिक मोर्चे पर भी दक्षिणी राज्यों के अपने तर्क हैं। ये राज्य देश के सकल घरेलू उत्पाद में बड़ा योगदान देते हैं और अधिक राजस्व केंद्र को प्रदान करते हैं। उनका मत है कि केवल जनसंख्या को ही प्रतिनिधित्व का आधार मानना आधुनिक शासन व्यवस्था के विरुद्ध है। कुछ क्षेत्रीय नेताओं ने सुझाव दिया है कि परिसीमन के लिए एक मिश्रित मॉडल अपनाया जाना चाहिए जिसमें जनसंख्या के साथ-साथ शिक्षा के स्तर, स्वास्थ्य संकेतकों और आर्थिक योगदान को भी कुछ महत्व दिया जाए। हालांकि संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा करना संवैधानिक रूप से अत्यंत जटिल होगा क्योंकि भारत का लोकतंत्र एक व्यक्ति एक वोट के सिद्धांत पर आधारित है। किसी भी मतदाता के वोट का मूल्य उसके क्षेत्र की आर्थिक प्रगति या शिक्षा के आधार पर कम या अधिक नहीं किया जा सकता। इस जटिलता के कारण सरकार के सामने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की चुनौती है जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों और संघीय संतुलन के बीच सामंजस्य बिठा सके।

राहुल कांग्रेस का हिंदुओं को लड़ाने, मुस्लिम तुष्टिकरण का एजेंडा

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

राहुल गांधी लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर बोल रहे थे। वे हिंदुओं को दलितों और पिछड़ों में बांटने पर जोर दे रहे थे। तभी उनके मुस्लिम सांसद मेज थपथपा कर तालियां बजा रहे थे। सवाल उठता है कि राहुल गांधी मुसलमानों के पसमांदा समाज की बात क्यों नहीं करते? पसमांदा समाज को पिछड़ों में ही गिना जाता है। समाजवादी पार्टी जैसे दल तुष्टिकरण की सियासत करते हैं, फिर भी उन्होंने पिछड़े मुसलमानों के लिए अलग आरक्षण की मांग क्यों नहीं उठाई? राहुल गांधी अपनी पार्टी की पुरानी विचारधारा से क्यों भटक रहे हैं? दक्षिण और उत्तर के बीच आरक्षण पर खाई क्यों खोदी जा रही है? इन सवालों का जवाब कांग्रेस के शासनकाल के पूर्व प्रधानमंत्रियों के आरक्षण संबंधी रुख से मिलता है।कांग्रेस का आरक्षण दौर जवाहरलाल नेहरू से शुरू होता है। नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने। वे समाजवाद के पुजारी थे। लेकिन आरक्षण पर उनका रुख सख्त था। 1950 के संविधान में उन्होंने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण दिया। पिछड़ों के लिए कुछ नहीं। नेहरू का मानना था कि जाति आधारित आरक्षण से देश का विकास रुकेगा। वे मेरिट को सर्वोपरि मानते थे। 1961 में वे संसद में बोले, आरक्षण से प्रतिभाओं का दमन होगा। उनका सपना था आर्थिक आधार पर विकास। जाति को वे पुरानी बेड़ी मानते थे। नेहरू के समय मुस्लिम पसमांदा या दक्षिण के पिछड़ों की कोई बात नहीं हुई। उनका फोकस सामान्य कल्याण पर था। लेकिन यही नींव बाद में विवाद का कारण बनी।

नेहरू के बाद लाल बहादुर शास्त्री आए। 1964 से 1966 तक उनका छोटा कार्यकाल था। शास्त्री जी गरीबी हटाओ के प्रणेता थे। आरक्षण पर वे नेहरू के रास्ते पर चले। अनुसूचित जातियों का आरक्षण जारी रखा। लेकिन पिछड़ों या मुस्लिम पसमांदाओं के लिए कोई नया कदम नहीं। शास्त्री का जोर खेती और आत्मनिर्भरता पर था। वे कहते थे, जय जवान जय किसान। जातिगत बंटवारे से वे दूर रहे। उनका मानना था कि एकता ही देश की ताकत है। दक्षिण भारत में तब मंडल जैसे आंदोलन की बुनियाद पड़ रही थी। लेकिन शास्त्री ने उसे दबाया। कांग्रेस की पुरानी विचारधारा यही थी, सीमित आरक्षण, व्यापक विकास।इंदिरा गांधी ने इस विचारधारा को मोड़ दिया। 1966 से 1977 और फिर 1980 से 1984 तक वे प्रधानमंत्री रहीं। इंदिरा ने राजनीतिक लाभ के लिए आरक्षण का विस्तार किया। 1970 के दशक में गुजरात और बिहार में आरक्षण आंदोलन भड़के। इंदिरा ने पिछड़े वर्गों को आकर्षित करने की कोशिश की। लेकिन ठोस कदम कम ही उठाए। मुस्लिम पसमांदा समाज को उन्होंने अल्पसंख्यक कल्याण के नाम पर लुभाया। अलग आरक्षण की बात नहीं की। इंदिरा का फोकस आपातकाल और गरीबी हटाओ पर था। उन्होंने संविधान में दलितों का आरक्षण 10 वर्ष बढ़ाया। लेकिन दक्षिण के मंडल आयोग को नजरअंदाज किया। कर्नाटक में वहां की सरकार ने 1975 में पिछड़ों को आरक्षण दिया। इंदिरा ने केंद्र से समर्थन नहीं दिया। इससे उत्तर-दक्षिण में दरार की शुरूआत हुई। इंदिरा की सियासत तुष्टिकरण वाली थी, लेकिन जाति आधारित नहीं।

राजीव गांधी ने 1984 से 1989 तक सत्ता संभाली। वे आधुनिक चेहरा थे। लेकिन मंडल आयोग ने उन्हें चुनौती दी। 1990 में वीपी सिंह ने मंडल को लागू किया। राजीव ने इसका विरोध किया। वे संसद में बोले, यह जातिवाद को बढ़ावा देगा। राजीव का मानना था कि आरक्षण से युवाओं का भविष्य बर्बाद होगा। उन्होंने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का विरोध किया। मुस्लिम पसमांदा पर चुप्पी साधे रहे। राजीव ने कंप्यूटर क्रांति और पंचायती राज लाए। उनका जोर विकास पर था। दक्षिण में तमिलनाडु ने 69 प्रतिशत आरक्षण कर लिया था। राजीव ने केंद्र से इसे सीमित करने की कोशिश की। इससे दक्षिणी राज्य नाराज हुए। कांग्रेस की पुरानी विचारधारा यहीं टूटने लगी। राजीव तुष्टिकरण से दूर रहे। पीवी नरसिम्हा राव ने 1991 से 1996 तक शासन किया। वे आर्थिक उदारीकरण के जनक थे। मंडल आयोग को लागू करने का श्रेय उन्हें मिला। लेकिन मजबूरी में। वीपी सिंह के बाद सरकार संभाली तो ओबीसी आरक्षण जारी रखा। राव ने मुस्लिम पसमांदा के लिए कुछ नहीं किया। उनका फोकस अर्थव्यवस्था पर था। बाबरी विध्वंस के बाद उन्होंने मुसलमानों को सांत्वना दी, लेकिन आरक्षण नहीं। दक्षिण के तमिलनाडु और कर्नाटक ने उच्च आरक्षण बनाए रखा। राव ने सुप्रीम कोर्ट के 50 प्रतिशत की सीमा का सम्मान किया। लेकिन उत्तर में मंडल ने हिंदुओं को बांटा। राव की कांग्रेस ने तुष्टिकरण का रास्ता अपनाया। पिछड़े मुसलमान उपेक्षित रहे।

मंडल के बाद कांग्रेस कमजोर हुई। फिर सोनिया गांधी का दौर आया। 2004 से 2014 तक यूपीए शासन चला। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने। वे अर्थशास्त्री थे। आरक्षण पर उनका रुख नरम था। 2006 में ओबीसी आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी दिलाई। लेकिन मुस्लिम पसमांदा को साइडलाइन किया। सच्चर समिति बनी, जिसमें मुसलमानों की पिछड़गी बताई गई। लेकिन पसमांदा के लिए अलग कोटा नहीं। यूपीए ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय बनाया। तुष्टिकरण चरम पर पहुंचा। दक्षिण में आरक्षण पहले से ऊंचा था। उत्तर में राहुल गांधी ने दलित-ओबीसी कार्ड खेला। लेकिन पुरानी नेहरूवादी विचारधारा भूल गई। मनमोहन ने कहा, आरक्षण विकास का साधन है। लेकिन हिंदू विभाजन पर जोर दिया। मुस्लिम पसमांदा की अनदेखी जारी रही। अब राहुल गांधी का समय है। वे लोकसभा में हिंदुओं को दलित-पिछड़े में बांटते हैं। मुस्लिम सांसद तालियां बजाते हैं। लेकिन पसमांदा समाज क्यों भूला? पसमांदा मुसलमान जुलाहा, अंसारी जैसे समुदाय हैं। वे ओबीसी सूची में हैं। लेकिन अलग पहचान की मांग करते हैं। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम ओबीसी को 8 प्रतिशत कोटा दिया। लेकिन केंद्र में चुप। राहुल की सियासत तुष्टिकरण वाली है। वे कहते हैं, आरक्षण न्याय है। लेकिन नेहरू की मेरिट वाली सोच भूल गए। इंदिरा-राजीव ने भी जाति बंटवारे से परहेज किया। अब राहुल दक्षिण की तर्ज पर उत्तर को बांट रहे हैं। तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण है। उत्तर में 27 प्रतिशत ओबीसी। राहुल दक्षिण मॉडल चाहते हैं। इससे उत्तर-दक्षिण खाई गहरी हो रही है।

कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों की श्रृंखला देखें। नेहरू-शास्त्री ने सीमित आरक्षण रखा। इंदिरा ने राजनीतिक लाभ लिया। राजीव ने विरोध किया। राव ने मजबूरी में लागू किया। मनमोहन ने विस्तार किया। राहुल अब हिंदू-केंद्रित बंटवारा कर रहे हैं। मुस्लिम पसमांदा उपेक्षित क्यों? क्योंकि तुष्टिकरण ऊपरी मुसलमानों तक सीमित है। समाजवादी पार्टी भी यही करती है। मुलायम-अखिलेश ने पसमांदा को लुभाया, लेकिन केंद्र में चुप। भाजपा ने पसमांदा को ओबीसी में शामिल किया। लेकिन कांग्रेस चुप। राहुल की पुरानी विचारधारा से दूरी साफ है। नेहरू का समाजवाद जाति-रहित था। अब जाति-केंद्रित हो गया। दक्षिण-उत्तर खाई का कारण यही है। दक्षिण ने मंडल से पहले ही आरक्षण बढ़ा लिया। कर्नाटक, तमिलनाडु ने स्थानीय पिछड़ों को प्रमुखता दी। उत्तर में मंडल 1990 में आया। अब राहुल दक्षिण मॉडल थोपना चाहते हैं। महिला आरक्षण में भी वे जाति जोड़ते हैं। सवाल वही है पसमांदा क्यों भूले? क्योंकि सियासत ऊपरी वर्गों पर टिकी है। कांग्रेस सरकारों ने कभी मुस्लिम पिछड़ों के लिए अलग कोटा नहीं मांगा। सच्चर समिति की सिफारिशें दब गईं। राहुल का प्रवचन हिंदू विभाजन पर केंद्रित है। मुस्लिम तालियां इसलिए बजाते हैं क्योंकि उन्हें लगता है, हिंदू बंटेंगे तो उनका वोट सुरक्षित। लेकिन पसमांदा समाज सड़कों पर है। वे कहते हैं, हमें भी न्याय दो। इस कहानी से सीख मिलती है। कांग्रेस की पुरानी विचारधारा विकास-केंद्रित थी। अब वोट-केंद्रित हो गई। राहुल गांधी नेहरू के रास्ते से भटक गए। समाजवादी दल भी पसमांदा को सियासत का मोहरा बनाते हैं। असली सवाल है क्या आरक्षण एकता का हथियार बनेगा या विभाजन का? पूर्व प्रधानमंत्रियों के रुख से साफ है कि शुरूआत एकता से हुई, लेकिन सियासत ने बंटवारा किया। दक्षिण-उत्तर की खाई इसी का नतीजा है। राहुल अगर पुरानी राह अपनाएं तो शायद समाधान निकले। लेकिन फिलहाल तालियां तो बज रही हैं, न्याय अधर में लटका है।

(व्यंग्य आलेख)

टेढ़े आंगन में खट्टे अंगूर तो होंगे ही।

महान साहित्यकार जमुना लाल जी ने साहित्य में में एक नया शास्त्र को प्रतिपादित कर दिया बहाना-शास्त्र। इसमें विद्वान वही लोग हैं, जो न मंच पर टिक पाए, न पाठकों के दिल में बस पाए, लेकिन आत्मविश्वास ऐसा कि खुद साहित्य के भगवान हों।

इनका पहला सूत्र अगर हम सफल नहीं हो सके तो सफलता को ही संदेही घोषित कर दो। जिसने खुद कभी किसी को चाय ऑफर नहीं की हो पर दूसरों के यहां दावत उडाने को तैयार रहते हैं। जमुनालाल जी का परफॉर्मेंस भी इसी तरह का है जो मंच पर सफल नहीं हो पाए पर वो नाक-भौं सिकोड़कर फरमाते हैं कि अब मंच प्रबुद्ध साहित्यकारों के लिए नहीं रहा है और जो मंच पर चढ़े लेकिन टिक नहीं पाए वे कहते श्रोता भी अब समझदार नहीं रह गए हैं, जो दो मिनट में हूट हो गए, वे निष्कर्ष निकालते हमारी रचना है ही इतनी उच्च स्तरीय है कि जनता समझ ही नहीं पाती है।

अब यह नई बात सामने आई है कि तालियाँ मिल जाएँ तो आप हिट हैं, और अगर लोग चुप रह जाएँ तो आपका साहित्य गंभीर हैं,यानि असफलता को भी अब साहित्यिक सम्मान में बदल देने की अद्भुत कला में माहीर हो गए है।

कभी-कभी तो लगता है कि वे साहित्य नहीं, अपनी असफलताओं का महाकाव्य लिख रहे है हर पंक्ति में समाज का दर्द कम खुद का दुखड़ा ज्यादा होता है। जमुना लाल जी का एक प्रिय वाक्य है हम भीड़ के लिए नहीं लिखते असल में भीड़ भी इनके लिए नहीं रुकती ही नही और जो दो-चार लोग रुक भी जाएँ वे भी मोबाइल बाज ही होतें हैं,लेकिन ये सज्जन इसे भी मौन प्रशंसा मान लेते देखो मेरे वक्तव्य के दौरान पूरा सभागार मौन था पर हकीकत यह थी कि सब मोबाइल में

लगे हुए थे। अगर आपकी कविता में दम नहीं है, तो आंगन टेढ़ा होना ही था, मंच और श्रोताओं को दोष दे दीजिए।अगर आपकी प्रस्तुति में जान नहीं है, तो कह दीजिए दर्शक हल्के स्तर के थे । अगर लोग समझ नहीं पा रहे, तो दर्शक महान अज्ञानी और जो लोकप्रिय हैं उन्हें हल्का स्तरहीन हैं कहना नया फैशन हो गया है।

जो मंचों पर जोरदार चल रहा है वह निश्चित तौर पर ड्रामेबाज,जुमलेबाज होगा।

जैसा खुद नहीं कर पाए, वह स्तरहींन ।

यह वही मानसिकता है, जिसमें आदमी परीक्षा में फेल हो जाए तो कहे पेपर सिलेबस से बाहर का बता देते हैं।

नौकरी न मिले तो कहो सिस्टम में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है यह अलग बात है कि उसके बाद भी लोगों को हजारों नौकरियां मिल रही है। कविता न चल पाए तो यह कहकर पीछा छुड़ाइए कि साहित्य में वो बात नही रही है। कुछ लोग तो इतने महान बन चुके हैं कि उन्होंने अपनी अक्षमता को ही विचारधारा बना लिया है।हम अलग हैं, हम हटकर है कह कर गला नहीं सुखाते,असल में वे बस त्रिशंकु बने लटके हुए हैं। इनके लेखन में एक खास बात है,जहां उनके शब्द तो होते वहां संवेदना छुट्टी पर होती है,विचार तो होते हैं पर पाठक गायब होते हैं,वहां सबसे ज्यादा मौजूद होता लेखक का अहंकार। वह अहंकार भी बड़ा मजेदार,खुद को पढ़ने वाला कोई नहीं, लेकिन शिकायत पूरी दुनिया से है कि हमें समझा नहीं गया। हमारा यह सिद्धांत है कि हमारा कोई सिद्धांत नहीं है, अवसरवाद सिर चढ़कर बोलने लगता है। जैसे कोई दुकान खोले बिना ही कह दे ग्राहक का मिजाज बहुत खराब हो गया हैं। साहित्य में नई प्रवृत्ति बेलगाम घोड़े जैसी हो गई है,जो समझ में आ जाए, वह साधारण,जो समझ में न आए, वही महान है।अब अगर पाठक आपकी रचना पढ़कर मुस्कुरा दे तो आप असफल,अगर वह सिर पकड़ ले तो आप महान लेखक घोषित!

यानि साहित्य का आनंद अब ,तिलस्म बन गया है। सच तो यह है कि मंच भी वही श्रोता भी वही हैं, और शब्द भी वही,बस कुछ लोगों की ईमानदारी और मेहनत कहीं रास्ते में छूट गई है।

जो आँगन में उतरकर खेल नहीं सकते, उनके लिए आँगन को टेढ़ा ही होगा।

और जो पेड़ पर चढ़कर फल तोड़ने की हिम्मत नहीं रखते,वे अंगूरों को खट्टा ही बताएँगे।बाकी साहित्य तो चुपचाप अपना काम करता रहा है,करता रहेगा

कुछ लोग उसे जी रहे हैं,और कुछ लोग उसमें मीन मेख निकल रहे हैं।

संजीव ठाकुर, लेखक,चिंतक व्यंगकार, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

नारी शक्ति वंदन

नारी, केवल छाया नहीं तू खुद में उजियारा है,
याचक बनकर चली थी, आज वही सहारा है।

तेरे कदमों की आहट से राहें खुद बन जाती हैं,
जो दीवारें रोकें तुझको वे भी झुकती जाती हैं।

घर-आंगन की मुस्कान तू 'सपनों' की उड़ान है,
तेरे साहस के आगे तो हर मुश्किल आसान है।

अब चुप नहीं रहना ये तेरी आवाज पुकार बने,
हर मंच, हर संसद में अब तेरा ही विस्तार बने।

याचक से नायिका बन ये सफर तेरा सच होगा,
नारी शक्ति वंदन से ये हर ख्वाब साकार होगा।
(संदर्भ - नारी शक्ति वंदन अधिनियम)

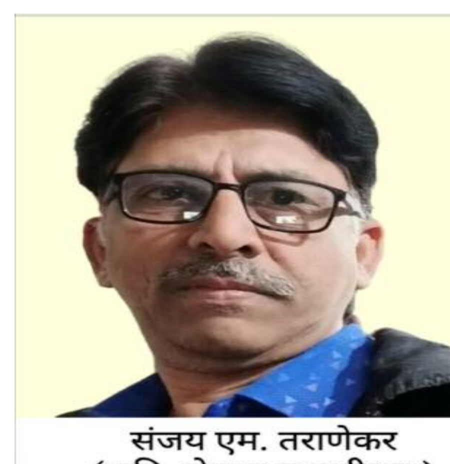

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

लव जिहादः एक गहरी साजिश या हमारी सांस्कृतिक उपेक्षा ?

आज के दौर में समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों पर 'लव जिहाद' एक निरंतर चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रश्न यह उठता है कि इस सोच की उत्पत्ति आखिर हुई कैसे? प्रेम के मार्ग से सब कुछ संभव है—यह धारणा रातों-रात पैदा नहीं हुई। सत्य तो यह है कि यह कोई तात्कालिक घटना नहीं, बल्कि वर्षों से नियोजित एक सुविचारित योजना है, जिसे हम समय रहते समझ नहीं पाए।

इस योजना का सूत्रपात फिल्मों के माध्यम से हुआ। यदि हम अतीत पर दृष्टि डालें, तो एक वह समय था जब हिंदी फिल्म जगत में हिंदू कलाकारों का वर्चस्व था। उस काल में सामाजिक और सांस्कृतिक स्थितियाँ भिन्न थीं। किंतु, जैसे ही सिनेमा जगत में एक विशेष समुदाय के कलाकारों—शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान और सैफ अली खान—का युग आया, दर्शकों की मानसिकता बदलने लगी।

इन कलाकारों को परदे पर अत्यंत 'चॉकलेटी' और रोमांटिक प्रेमी के रूप में प्रस्तुत किया गया। इसके विपरीत, अजय देवगन और अक्षय कुमार जैसे कलाकारों की छवि केवल मारधाड़ और 'एक्शन हीरो' तक सीमित कर दी गई। परिणाम स्वरूप, युवा मन में यह धारणा घर कर गई कि वे कलाकार अधिक संवेदनशील और प्रेम करने वाले हैं। फिल्मों के इसी काल्पनिक चित्रण का सहारा लेकर वास्तविक जीवन में भी 'प्रेम' को एक जाल की तरह बिछाया गया, जिसमें युवतियां सरलता से उलझती चली गईं।

इस समस्या की जड़ें केवल बाहरी आक्रमण में नहीं, बल्कि हमारे अपने सांस्कृतिक कटाव में भी हैं। आज से २५-३० वर्ष पूर्व, हिंदू परिवारों में रामायण, महाभारत और शिव-पार्वती जैसे पौराणिक धारावाहिकों को देखने और उन पर चर्चा करने की परंपरा थी। बुजुर्गों के अनुभवों और धर्म चर्चा से बच्चों के मन में अपने मूल्यों के प्रति एक रक्षा कवच बना रहता था। लेकिन आधुनिकता की दौड़ में आज के हिंदू बच्चे अपने धर्म और संस्कृति के बारे में सुनना भी पसंद नहीं करते। जब उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, तो वे इसे 'पुराने विचार थोपना' मानकर अपनों को ही भला-बुरा कहना शुरू कर देते हैं। धर्म का ज्ञान न होने के कारण, अन्य मतों के लोग उन्हें आसानी से भ्रमित कर लेते हैं। यहाँ तक कि धर्म परिवर्तन करने वाले लोग भी अपनी ही मूल संस्कृति के विरुद्ध दुष्प्रचार करने लगते हैं।

वर्तमान सामाजिक परिवेश और मीडिया की भूमिका

आज सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो और बाजारों में यह अंतर स्पष्ट दिखता है। जहाँ अन्य समुदायों के बच्चे अपने धार्मिक प्रतीकों और ग्रंथों के प्रति समर्पित रहते हैं, वहीं हमारे युवा 'अत्यधिक उदारवाद' के भ्रम में वास्तविकता से आँखें मूँदे हुए हैं। समाचारों और सोशल मीडिया पर निरंतर चेतावनियाँ दी जा रही हैं, किंतु एक बड़ा वर्ग तब तक सचेत नहीं होता जब तक वह स्वयं संकट में न फँस जाए।

'पीके' जैसी फिल्मों का उदाहरण हमारे सामने है, जहाँ हिंदू आस्थाओं का उपहास उड़ाया जाता है और पड़ोसी देशों या अन्य समुदायों के प्रेम को महिमामंडित किया जाता है। विडंबना यह है कि आज डिजिटल मंच और सर्च इंजन भी इन संवेदनशील विषयों को 'काल्पनिक' या 'मनगढ़ंत' बताकर प्रस्तुत करते हैं, जो सत्य की खोज करने वालों को और अधिक भ्रमित करता है।

वर्तमान में जिस प्रकार की घटनाएँ समाज के सामने आ रही हैं, वे चिंता का विषय हैं। हाल ही में टीसीएस (ळउर) जैसे बड़े संस्थानों से जुड़े मामलों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है, फिर भी यह देखने में आ रहा है कि युवा वर्ग अभी भी पूरी तरह जागरूक नहीं हो रहा है। आज का युवा अक्सर वास्तविकता से दूर एक काल्पनिक दुनिया में जी रहा है, जहाँ वह ठोस तथ्यों के बजाय भावनाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

"नारी शक्ति वंदन अभियान" के तहत प्रेस वार्ता आयोजित, महिला सशक्तिकरण पर जोर

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 17 अप्रैल 2026 "सशक्त नारी, सशक्त भारत" के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए "नारी शक्ति वंदन अभियान" के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की प्रभावी एवं प्रतिष्ठित महिलाओं ने भाग लेते हुए "नारी शक्ति वंदन" विषय पर अपने विचार और अनुभव साझा किए।

प्रेस वार्ता को 1980 बैच की सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी निवेदिता पी. हरन, आइबीए एसोसिएशन की वाइस प्रेसिडेंट डॉ. खुशबू सिंह, अधिवक्ता कविता नागर, लोकल कंप्लायंस कमेटी की सदस्य माला भंडारी तथा वेदिका फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. सपना ने संबोधित किया। वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण, उनके अधिकारों और समाज में बढ़ती भागीदारी पर विस्तार से प्रकाश डाला।

महिला आरक्षण को बताया ऐतिहासिक कदम

वक्ताओं ने "नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023" को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उप-आरक्षण भी शामिल है।

यह प्रावधान आगामी जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया के बाद लागू किया जाएगा, जिससे महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

लोकतंत्र को मिलेगा नया आयाम

वक्ताओं ने कहा कि इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में समान भागीदारी देना है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनेगी तथा नीति निर्माण में महिलाओं की भूमिका और प्रभाव बढ़ेगा।

अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस अवसर पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वी.एस., ओएसडी अर्चना द्विवेदी, गुंजा सिंह तथा दादरी के उपजिलाधिकारी अनुज नेहरा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नारी सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति

कार्यक्रम में यह विश्वास व्यक्त किया गया कि "नारी शक्ति वंदन अभियान" और "नारी वंदन अधिनियम, 2023" के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाकर देश के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा। यह पहल "सशक्त नारी, सशक्त भारत" के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

जनपद में न्यूनतम वेतन वृद्धि के अनुपालन हेतु उद्यमी संगठनों की सराहनीय पहल

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 17 अप्रैल 2026: उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी दिशा-निदेशों एवं श्रमिकों के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन वृद्धि के अनुपालन की प्रक्रिया जनपद की औद्योगिक इकाइयों में प्रारंभ हो गई है।

उद्यमी संगठनों की सक्रिय भूमिका

जनपद के विभिन्न उद्यमी संगठन इस प्रक्रिया को शत-प्रतिशत लागू कराने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संगठन औद्योगिक इकाइयों से लगातार अपील कर रहे हैं कि वे शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन वृद्धि का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें।

डिजिटल माध्यम से जागरूकता अभियान

उद्यमी संगठनों द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से संदेश, ऑडियो और वीडियो साझा कर उद्योगों को जागरूक किया जा रहा है। इन संदेशों के जरिए शासन की गाइडलाइंस और वेतन वृद्धि के अनुपालन को लेकर लगातार अपील की जा रही है। उद्यमी संगठनों का यह प्रयास जनपद में औद्योगिक सौहार्द, शांति और आपसी सहयोग बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसे औद्योगिक क्षेत्र में सकारात्मक और सराहनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

शांति भंग की आशंका में एक व्यक्ति पुलिस हिरासत में

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 17 अप्रैल 2026: जनपद के थाना जारचा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिसाहड़ा में आमदा फसाद और विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस ने एक व्यक्ति को शांति भंग की आशंका में हिरासत में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बिसाहड़ा निवासी मुकेश उर्फ विष्णु (उम्र लगभग 46 वर्ष), पुत्र ओमप्रकाश का गांव के ही निवासी सौरभ पुत्र धीरज से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बताया गया कि दोनों के बीच बहस के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और झगड़े की संभावना बढ़ गई। स्थिति को देखते हुए मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी द्वारा उत्तेजित होकर झगड़े पर आमादा होने की स्थिति बनी रही। शांति व्यवस्था भंग होने और संज्ञेय अपराध की संभावना को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने मुकेश उर्फ विष्णु को संज्ञेय अपराध को रोकने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170/126/135 के तहत कारण गिरफ्तारी बताते हुए हिरासत में लिया। यह कार्रवाई दोपहर लगभग 03:30 बजे की गई।

उपनिरीक्षक राजीव सिंह द्वारा मामले में आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरती जा रही है।

बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर, 21-22 अप्रैल को लगेगा रोजगार मेला

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 17 अप्रैल 2026: जिला सेवायोजन कार्यालय, गौतमबुद्धनगर द्वारा बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया जा रहा है। आगामी 21 एवं 22 अप्रैल 2026 को रोजगार मेले का आयोजन हरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा।

सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा मेला

जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री ने जानकारी दी कि यह रोजगार मेला दोनों दिन प्रातः 09:30 बजे से आयोजित होगा। इसमें विभिन्न कंपनियां रोजगार संगम पोर्टल के माध्यम से प्रतिभाग करेंगी और योग्य अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा।

स्नातक और स्नातकोत्तर युवाओं को अवसर

इस रोजगार मेले में स्नातक एवं स्नातकोत्तर सभी वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए रिक्तियां उपलब्ध कराई गई हैं। 18 से 35 वर्ष की आयु के योग्य अभ्यर्थी इस मेले में भाग ले सकते हैं।

ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे पहले रोजगार संगम पोर्टल (https://rojgarsangam.up.gov.in) पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण अवश्य करें। इसके बाद निर्धारित समय पर मेले में उपस्थित होकर कंपनियों के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं।

सहायता केंद्र की व्यवस्था

पंजीकरण से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए जिला सेवायोजन कार्यालय, आर.आई. सेंटर, झुंडपुरा, सेक्टर-11 नोएडा में संपर्क किया जा सकता है।

युवाओं के लिए बड़ा अवसर

यह रोजगार मेला जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे उन्हें निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों में नौकरी पाने का मौका मिलेगा। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

एमएसपी खरीद में फार्मर आईडी अनिवार्य, चकबंदी ग्रामों को मिली राहत

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 17 अप्रैल 2026: शासन के निर्देशों के अनुपालन में अब न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर होने वाली कृषि खरीद प्रक्रिया में किसान पहचान पत्र (फार्मर आईडी) को अनिवार्य कर दिया गया है। यह व्यवस्था खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा गेहूं, धान सहित सभी प्रकार की सरकारी खरीद पर तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

फार्मर आईडी सत्यापन के बाद ही होगी खरीद

जिला खाद्य विपणन अधिकारी अजित प्रताप सिंह ने बताया कि केवल उन्हीं किसानों से सरकारी क्रय केंद्रों पर खरीद की जाएगी, जिनके पास वैध फार्मर आईडी होगी। खरीद से पहले प्रत्येक किसान की पहचान का सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कृषि एवं राजस्व विभाग द्वारा एग्रीस्टैक योजना के तहत किसानों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए फार्मर आईडी तैयार की जा रही है, जिससे पारदर्शिता और सटीक लाभ वितरण सुनिश्चित हो सके।

चकबंदी और सर्वे ग्रामों के लिए विशेष छूट

अधिकारियों ने बताया कि जिन ग्रामों में चकबंदी या सर्वे की प्रक्रिया चल रही है, वहां किसानों की फार्मर आईडी अभी पूर्ण रूप से अपडेट नहीं हो सकी है। ऐसी स्थिति को देखते हुए सरकार ने राहत देते हुए इन ग्रामों के किसानों को पूर्व प्रक्रिया के आधार पर कृषि उत्पाद बेचने की अनुमति प्रदान की है।

यह छूट केवल संबंधित ग्राम की भूमि सीमा तक ही लागू होगी।

क्रय केंद्रों पर सहयोग के लिए विशेष व्यवस्था

किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनपद के सभी गेहूं क्रय केंद्रों पर फार्मर रजिस्ट्री बनाने और सहायता प्रदान करने के लिए कर्मचारियों एवं पर्यवेक्षण अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

किसानों की सुविधा और पारदर्शिता पर जोर

अधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और किसान हितैषी बनाना है, जिससे वास्तविक किसानों को समय पर लाभ मिल सके। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

शैक्षणिक ज्ञान और औद्योगिक अपेक्षाओं के बीच अंतर कम करने की जरूरत: प्रो. अनिरुद्ध

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ फामेर्सी और इंस्टिट्यूशन्स इन्नोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में भविष्य के फार्मास्युटिकल प्रोफेशनल्स में एम्प्लॉयबिलिटी उन्नयन और इन्नोवेशन पर गेस्ट लेक्चर में वीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स, भोपाल के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड प्रो. अनिरुद्ध पारे ने फार्मास्युटिकल उद्योग में रोजगार कौशल, नवाचार एवम् उद्यमिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश

वीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स, भोपाल के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड प्रो. अनिरुद्ध पारे ने फार्मास्युटिकल उद्योग में रोजगार कौशल, नवाचार एवम् उद्यमिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए शैक्षणिक ज्ञान और औद्योगिक अपेक्षाओं के बीच अंतर को कम करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। प्रो. पारे ने एलओका- ए-अवेयरनेस, एल- लर्निंग, ओ- ऑब्जरवेशन, सी- कम्युनिकेशन और ए- एडैप्टेबिलिटी फ्रेमवर्क पर विस्तृत चर्चा रही। इसमें अवेयरनेस के तहत उद्योग की वर्तमान प्रवृत्तियों की समझ, लर्निंग के अंतर्गत सतत कौशल उन्नयन, ऑब्जर्वेशन के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान अर्जन,

कम्युनिकेशन के जरिए प्रभावी संवाद और एडैप्टेबिलिटी के जरिए बदलते औद्योगिक परिवेश के अनुरूप स्वयं को ढालने पर बल दिया गया। प्रो. पारे तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ फामेर्सी और इंस्टिट्यूशन्स इन्नोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में भविष्य के फार्मास्युटिकल प्रोफेशनल्स में एम्प्लॉयबिलिटी उन्नयन और इन्नोवेशन को बढ़ावा देना पर आयोजित गेस्ट लेक्चर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। लेक्चर का उद्देश्य फामेर्सी छात्रों में नवाचार आधारित सीखने और करियर तत्परता को बढ़ावा देना रहा।

गेस्ट लेक्चर के दौरान फामेर्सी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशु मित्तल, उप प्राचार्य प्रो मयूर पोरवाल, रिसर्च कोऑर्डिनेटर प्रो. फूल चन्द्र, आईआईसी कोऑर्डिनेटर डॉ. आशीष सिंघई आदि के संग-संग फामेर्सी के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

"नेपाल का जनादेश बदलाव, सुशासन और जवाबदेही की नई राह

नेपाल में बदलाव की बयार: सुशासन, शिक्षा सुधार और वीआईपी संस्कृति पर प्रहार —

दिल्ली में आएगी पूर्व सांसद बिंदाबासिनी कंसाकार की बड़ी बयान"

विशेष लेखः रविंद आर्य

नेपाल।। काठमांडू : नेपाल में फाल्गुन 21 को हुए आम चुनाव ने देश की राजनीति को एक नई दिशा दी है। जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब उन्हें केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि वास्तविक बदलाव, पारदर्शिता, सुशासन और जवाबदेह नेतृत्व चाहिए। इसी ऐतिहासिक जनादेश के बीच नेपाल की पूर्व सांसद और सामाजिक कार्यकर्ता एसिड पीड़त बिंदाबासिनी कंसाकार इन दिनों दिल्ली में आने की योजना हैं (पहुंचने वाली हैं), जहां वे नेपाल की ताजा राजनीतिक स्थिति पर तमाम मीडिया से बातचीत (बाइट) करेंगी।

बिंदाबासिनी कंसाकार का राजनीती सफर

बिंदाबासिनी कंसाकार नेपाल की जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व सांसद रही हैं। वे राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय राजनीति से जुड़ी रही हैं और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रा.स्व.पा.) की वर्त्तमान मे केंद्रीय समिति की सदस्य भी हैं।

उनका निवास नेपाल के हेटौडा बाजार क्षेत्र में है। सोशल सर्विस के क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव रहा है और वे पिछले दो दशकों से अधिक समय से अपना व्यवसाय भी संचालित कर रही हैं।

उनके प्रोफाइल के अनुसार:

* सोशल मीडिया प्लेटफार्म फॉलोअर्स के साथ वे एक प्रभावशाली सार्वजनिक व्यक्तित्व हैं।
* समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहती हैं।
* वह जब संसद में थी जलन के सेक्टर मे बेहतर करते हुए, विधयेक रजिस्टर कर चुकी है।
* प्राइवेट बर्न बिल एसिड और बर्न केस सम्बंधित मानव शरीर जलन नियन्त्रण तथा सजाय विधेयक, 2081 एजेंड़ा मे रहा है।
* वे पूर्व में मेंबर्स ऑफ पार्लियामेंट नेपाल रह चुकी हैं।
* रा.स्व.पा. की केंद्रीय समिति से लगातार जुड़ी रही हैं।

नेपाल में बदलाव की नई तस्वीर

इस बार के चुनावों के बाद नेपाल में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं, जिन्हें जनता के दबाव और नए नेतृत्व की प्राथमिकताओं का परिणाम माना जा रहा है।

शिक्षा प्रणाली में सुधार:

नेपाल में शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यावहारिक बनाने की दिशा में प्रयास तेज हुए हैं। सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने, निजी शिक्षा के अनियंत्रित प्रभाव को संतुलित करने और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में नीतिगत बदलाव किए जा रहे हैं।.

वीआईपी संस्कृति पर प्रहार:

नए राजनीतिक माहौल में सबसे बड़ा बदलाव वीआईपी कल्चर को लेकर देखने को मिला है। मंत्रियों और बड़े नेताओं के लिए विशेष ट्रैफिक व्यवस्था, लाल बत्ती संस्कृति और आम जनता को होने वाली असुविधाओं को कम करने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं।

अब कई जगहों पर यह देखा गया है कि मंत्री और अधिकारी आम नागरिकों की तरह ही ट्रैफिक नियमों का पालन कर रहे हैं—जो जनता के बीच एक सकारात्मक संदेश दे रहा है।

जवाबदेही और पारदर्शिता पर जोर:

सरकार और जनप्रतिनिधियों पर अब पहले से अधिक निगरानी और जवाबदेही का दबाव है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख और प्रशासनिक सुधारों की दिशा में पहल की जा रही है।

महिला नेतृत्व और जनप्रतिनिधित्व बिंदाबासिनी कंसाकार उन महिला नेताओं में से हैं जिन्होंने संघर्ष के बीच राजनीति में अपनी पहचान बनाई और सांसद के रूप में जनता की आवाज उठाई। वे महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय और पारदर्शी शासन की मुखर समर्थक रही हैं।

दिल्ली में बयान का देने महत्व

दिल्ली में कंसाकार का प्रस्तावित बयान केवल नेपाल की आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत-नेपाल संबंधों और क्षेत्रीय स्थिरता के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वे यहां नेपाल में हो रहे बदलाव, नई सरकार की प्राथमिकताओं और जनता की अपेक्षाओं पर विस्तार से अपनी बात रखेंगी।

"नया नेपाल कहता है—वीआईपी नहीं, जनता ही असली ताकत!"

नेपाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि अब पुरानी राजनीति और विशेषाधिकारों का दौर खत्म होना चाहिए। सुशासन, शिक्षा सुधार, और वीआईपी संस्कृति पर लगाम जैसे कदम इस बदलाव की दिशा को मजबूत कर रहे हैं।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या यह परिवर्तन स्थायी रूप ले पाता है और क्या जनप्रतिनिधि जनता के इस विश्वास पर खरे उतर पाते हैं।

"जनता का जनादेश—अब विशेषाधिकार नहीं, जवाबदेही ही असली पहचान!"

आईएमएस नोएडा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर पॉडकास्ट एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण

नोएडा, 17 अप्रैल 2026: आईएमएस नोएडा के एक्सटेंशन एवं आउटरीच सेल के तत्वावधान में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष पॉडकास्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका, उनके सशक्तिकरण तथा सामाजिक योगदान पर विस्तृत चर्चा की गई।

महिला सशक्तिकरण पर हुआ विमर्श

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने महिला सम्मान, समान अधिकार और सशक्त समाज निर्माण का संकल्प लिया। सत्र में महिलाओं की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी बढ़ाने के महत्व पर भी जोर दिया गया।

विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रखे विचार

एक्सटेंशन एवं आउटरीच सेल की प्रमुख वर्षा छबारिया ने बताया कि कार्यक्रम में निठारी गांव की पूर्व प्रधान विमलेश शर्मा, नीरजा फुटपाथ शाला की संस्थापिका नीरजा सक्सेना, बहलोलपुर गांव की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कुमारी तथा पूनम कुमारी ने अपने विचार साझा किए।

विमलेश शर्मा ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, जो उन्हें निर्णय प्रक्रिया में अधिक भागीदारी प्रदान करेगा। इससे महिलाओं की राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में भूमिका और मजबूत होगी।

नीरजा सक्सेना ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं, बशर्ते उन्हें समान अवसर और उचित मंच मिले। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज और राष्ट्र की प्रगति की मजबूत आधारशिला हैं।

वहीं आशा कुमारी और पूनम कुमारी ने कहा कि यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आगे बढ़ने और नेतृत्व की दिशा में प्रेरित करेगा।

शपथ के साथ कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने महिलाओं के सम्मान, समान अधिकार और समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी को सुदृढ़ करने की शपथ ली।

मिशन कर्मयोगी में बड़े राज्यों में यूपी को दूसरा पुरस्कार

प्रशासनिक दक्षता में यूपी को बड़ी उपलब्धि

केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों व यूटी के बीच असाधारण प्रदर्शन किया यूपी ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से तैयार हुआ कर्मयोगी कार्यबल

समाज जागरण

नई दिल्ली/लखनऊ, 17 अप्रैल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश को सभी केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच असाधारण प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इसके अलावा प्रदेश ने मिशन कर्मयोगी के तहत साधना सप्ताह के दौरान 5 लाख से अधिक कर्मचारियों वाले प्रदेशों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में दूसरा पुरस्कार हासिल किया है।

नई दिल्ली में एक प्रतिष्ठित समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन) डॉ. जितेंद्र सिंह ने उत्तर प्रदेश के इस शानदार प्रदर्शन के लिए एम. देवराज, प्रमुख सचिव (नियुक्ति एवं कार्मिक) उत्तर प्रदेश को सम्मानित किया। यह उपलब्धि सशक्त, कुशल और भविष्य के लिए तैयार उत्तर प्रदेश के निर्माण में मिशन कर्मयोगी की ठोस भूमिका का प्रमाण है। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस विजन को भी दर्शाती है, जिसके तहत राज्य में नागरिक-केंद्रित, भविष्य के लिए तैयार और डिजिटली सशक्त कर्मयोगी कार्यबल तैयार किया गया है।

उत्तर प्रदेश को मिली इस सफलता के पैमाने भी ऐतिहासिक हैं। iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर 21.5 लाख से अधिक कर्मचारियों को जोड़ा गया। इसके साथ ही राज्य में रिकॉर्ड 1.25 करोड़ कोर्स पूरे किए गए, जो सभी केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक हैं। कौशल विकास के क्षेत्र में भी योगी सरकार के खाते में जबरदस्त उपलब्धि दर्ज की गई। राज्य ने 10 लाख एआई दक्ष बैज और 16,000 कर्मयोगी उत्कर्ष बैज अर्जित किए, जो यूपी में भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को दर्शाते हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश ने क्षमता निर्माण में वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर फ्रंटलाइन कर्मचारियों (समूह सी एवं डी) तक, शासन में हर स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कालाबाजारी पर बड़ा एक्शन, राज्यभर में 29 हजार से अधिक छापे

समाज जागरण

लखनऊ, 17 अप्रैल। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए कालाबाजारी पर कड़ा शिकंजा कस दिया है। मुख्य सचिव स्तर से जारी निर्देशों के बाद पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर प्रवर्तन कार्रवाई की गई, जिसके तहत 12 मार्च से अब तक 29,607 छापे और निरीक्षण किए गए। इस दौरान एलपीजी वितरण से जुड़े 39 मामलों समेत कुल 220 से अधिक एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि 22 लोगों को मौके से गिरफ्तार कर 261 के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई की गई है।

सरकार के अनुसार प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। राज्य के 12,888 पेट्रोल पंपों के माध्यम से लगातार उपभोक्ताओं को ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। 12 से 16 अप्रैल के बीच प्रतिदिन हजारों किलोलीटर पेट्रोल और डीजल की बिक्री दर्ज की गई, जबकि वर्तमान में प्रदेश में लगभग 82,000 किलोलीटर पेट्रोल और 1.05 लाख किलोलीटर डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। सरकार ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक भंडारण (पैनिक बाइंग) से बचें।

एलपीजी की आपूर्ति को लेकर भी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में बताई गई है। प्रदेश के 4,107 गैस वितरकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को बुकिंग के अनुसार रिफिल सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। साथ ही वाणिज्यिक एलपीजी के लिए केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों जैसे होटल, ढाबा, उद्योग और सामुदायिक रसोई को प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध आवंटन किया जा रहा है।

योगी सरकार ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार को भी तेजी दी है, ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन उपलब्ध कराए जा सकें। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद विभिन्न विभागों से 117 से अधिक अनुमतियां जारी की जा चुकी हैं। 14 मार्च 2026 के बाद से अब तक 51,548 नए पीएनजी कनेक्शन जारी किए गए हैं, जिससे कुल संख्या बढ़कर 16.09 लाख से अधिक हो गई है।

सप्लाई व्यवस्था की निगरानी के लिए खाद्य आयुक्त कार्यालय में 247 कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है,

बाबा साहेब के विचारों से गूंजा असमोली ब्लॉक सभागार, 'सम्मान अभियान' में जुटे जनप्रतिनिधि

दैनिक समाज जागरण

संभल। असमोली विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर के सम्मान में सम्मान अभियान के अंतर्गत एक गरिमामयी विधानसभा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष हारेंद्र सिंह उर्फ रिंकू भैया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने बाबा साहेब के संघर्षपूर्ण जीवन, उनके सामाजिक योगदान एवं भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन सामाजिक भेदभाव, छुआछूत और असमानता के खिलाफ संघर्ष करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए समर्पित किया। संगोष्ठी में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने संविधान निर्माण के समय थे। उनका संदेश–शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो–आज के समाज के लिए मार्गदर्शक है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक समतामूलक, सशक्त और जागरूक भारत का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक हरिओम शर्मा, जिला उपाध्यक्ष योगेन्द्र त्यागी, जिला मंत्री देवचन्द्र सैनी, ब्लॉक प्रमुख संतोष देवी, जिला पंचायत सदस्य नकुल सिंह औलख, मण्डल अध्यक्ष असमोली रोहित पंवार, मण्डल अध्यक्ष एचोडा कम्बोह रोबीन सिंह, मण्डल अध्यक्ष पंवासा गंगाराम सैनी, मण्डल अध्यक्ष कैला देवी जुगल किशोर यादव एवं ग्राम प्रधान डोली सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाते हुए समाज में समानता, भाईचारा और संवैधानिक मूल्यों को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

गुमसानी में बाबा साहब अंबेडकर की 135वीं जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

दैनिक समाज जागरण

संभल। असमोली थाना क्षेत्र के गांव गुमसानी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जयंती के दो दिन बाद भव्य शोभायात्रा निकालकर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम की शुरूआत अरिल नदी के पास स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद फीता काटकर शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा अंबेडकर पार्क से शुरू होकर जाटवों की बस्ती, मुस्लिम बस्ती, ठाकुरों की बस्ती और अन्य मोहल्लों से गुजरते हुए गुमसानी अड्डे तक पहुंची और पुनः अंबेडकर पार्क पर आकर संपन्न हुई।

शोभायात्रा के दौरान आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। सैकड़ों ग्रामीण और क्षेत्रवासी इसमें शामिल हुए। पूरे मार्ग में लोग नाचते-गाते हुए बाबा साहब अमर रहें और जय भीम के नारे लगाते नजर आए। जगह-जगह बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान के निमार्ता के रूप में जाना जाता है। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। अपने जीवन में उन्होंने सामाजिक और आर्थिक भेदभाव का सामना किया, लेकिन संघर्षों के बावजूद उन्होंने समाज के वंचित वर्गों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए।

गुमसानी की इस शोभायात्रा में हिंदू-मुस्लिम एकता की झलक भी देखने को मिली, जहां सभी समुदायों के लोग एक साथ शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए गांव में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा।

इस अवसर पर एई सुरेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह उर्फ नीटू (पूर्व प्रधान), ठाकुर वीरपाल सिंह, राजीव सिंह, मुकेश सिंह, रंजीत सिंह, लाल नरेश सिंह, दिनेश कुमार, हर्षित प्रधान, ऋषिराज सिंह, मास्टर विजेंद्र सिंह, राजीव गौतम, पवन सिंह, अजय अंबेडकर, जयप्रकाश, मानक चंद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत असमोली ब्लॉक में समन्वय बैठक आयोजित

दैनिक समाज जागरण

संभल। असमोली ब्लॉक क्षेत्र में 18 अप्रैल 2026 (शनिवार) को ब्लॉक संस्थान केंद्र सैदपुर इम्मा में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की संयुक्त समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी पोप सिंह ने की। इस दौरान शत-प्रतिशत नामांकन एवं ट्रांजिशन (उत्तीर्ण छात्रों का अगली कक्षाओं में प्रवेश) के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने कक्षा 5, 8 और 10 के पास आउट विद्यार्थियों का क्रमशः कक्षा 6, 9 और 11 में 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्राथमिक जिला समन्वयक समग्र शिक्षा (माध्यमिक) वेद प्रकाश यादव ने बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी पोप सिंह ने विद्यालयों से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। इस अवसर पर असमोली ब्लॉक के एआरपी, समस्त परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, राजकीय एवं सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य, स्ववित्त पोषित विद्यालयों के प्रतिनिधि तथा बीआरसी स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वन विभाग की टीम द्वारा लगाया गया था जाल उसमें फंसा गुलदार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नगीना। थाना क्षेत्र के ग्राम सैदपुरी माहीचंद में आज उस समय हड़कंप मच गया, जब काफी समय से क्षेत्र में घूम रहे गुलदार को वन विभाग द्वारा लगाए गए जाल में पकड़ लिया गया। ग्रामीण लंबे समय से गुलदार की आवाजाही से परेशान थे और खेतों तथा आबादी वाले इलाके में उसके दिखाई देने से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ था। ग्रामीणों द्वारा लगातार वन विभाग को सूचना दी जा रही थी, जिसके बाद विभाग की टीम ने गांव के आसपास जाल लगाया था। आज आखिरकार गुलदार उसी जाल में फंस गया। गुलदार के फंसते ही गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई और सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई।

वन विभाग की टीम ने सावधानीपूर्वक गुलदार को अपने कब्जे में लिया और सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कार्रवाई शुरू की। गुलदार के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और प्रशासन का आभार जताया।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से गुलदार के डर से लोग शाम होते ही घरों में कैद हो जाते थे और बच्चों को अकेले बाहर नहीं जाने दिया जा रहा था। आज गुलदार पकड़े जाने से गांव में फिर से सामान्य माहौल लौटने की उम्मीद जगी है।

मुबारकपुर बंद में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, 35 फीट ऊंची मीनार हाइड्रा से ध्वस्त

दैनिक समाज जागरण

संभल। असमोली थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर बंद में प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मस्जिद की ऊंची मीनार समेत अन्य निमार्णों को ध्वस्त कर दिया। शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई में दो बुलडोजर और दो हाइड्रा मशीनों का उपयोग किया गया। प्रशासन की निगरानी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव में वर्षों पूर्व खेल के मैदान और खाद के गड्ढों की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मदरसा, मस्जिद, पांच दुकानें और कुछ मकान बना लिए गए थे। इस संबंध में फरवरी माह में जिलाधिकारी से शिकायत की गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने जांच कर जमीन की पैमाइश कराई।

तहसीलदार धीरेंद्र सिंह द्वारा 28 मार्च को अवैध निर्माण हटाने के नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद 30 मार्च से मजदूरों के माध्यम से निर्माण हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई, जबकि 31 मार्च से स्थानीय लोगों ने भी स्वेच्छा से कुछ निर्माण हटाना शुरू कर दिया था। हालांकि, मस्जिद की लगभग 35 फीट ऊंची मीनार को गिराने में तकनीकी दिक्कतें आने के कारण कार्य कुछ समय के लिए बाधित रहा।

ग्रामीणों की मांग पर प्रशासन ने भारी मशीनरी की व्यवस्था कराई। पूर्व में बुलडोजर ऑपरेटर ने मीनार की ऊंचाई और संभावित खतरे को देखते हुए कार्य करने से इंकार कर दिया था। इसके बाद विशेष रूप से हाइड्रा मशीनें मंगाई गईं, जिनकी सहायता से मीनार को सुरक्षित रूप से ध्वस्त किया गया।

कार्रवाई के दौरान एक समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब बुलडोजर का एक हिस्सा ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन से टकरा गया और मशीन में करंट आ गया। हालांकि ऑपरेटर ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत कूदकर अपनी जान बचा ली। इसके बाद बिजली विभाग को सूचित कर लाइन कटवाई गई।

तहसीलदार धीरेंद्र सिंह ने बताया कि बिजली विभाग को पहले ही लाइन काटने के निर्देश दिए गए थे, बावजूद इसके लाइन चालू रहने की शिकायत उच्चाधिकारियों से की जाएगी।

इस अभियान के तहत मस्जिद, मदरसा, दुकानों और दो मकानों के आगे बने हिस्सों को ध्वस्त कर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया।

कार्रवाई के दौरान जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया, पुलिस अधीक्षक कृष्ण बिश्नोई, एसडीएम निधि पटेल, तहसीलदार धीरेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार बबलू कुमार सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीमें मौके पर मौजूद रहीं। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

रविंद्र कुमार ने 423 मत पाकर बने राशन डीलर।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। ग्राम पंचायत मोढ़ा में आज राशन विक्रेता के चयन हेतु ग्रामसभा की खुली बैठक बुलाई गई जिसमें रवीद्र कुमार पप्पू राशन विक्रेता बने '
ग्राम पंचायत मोढ़ा की रिक्त चली आ रही राशन दुकान के चयन हेतु ग्रामसभा की खुली बैठक प्रधान श्रीमती मिथलेश यादव की अध्यक्षता में बुलाई गई

थी जिसमें परिवेक्षक सहायक विकास अधिकारी सुभाष चंद्र , ग्राम पंचायत अधिकारी गौरव कुमार एवं रामसेवक यादव रहे जिन्होने सर्वप्रथम आवेदन लेकर जाँच कर मतदान की प्रक्रिया शुरू कराई जिसमें कौशलेन्द्र पुत्र डॉ. हरी सिंह को 322 मत मिले और रवीन्द्र कुमार पप्पू को 423 मत मिले इस प्रकार 101 मत से रवीन्द्र कुमार पप्पू राशन विक्रेता निर्वाचित हुये '
ग्राम प्रधान श्रीमती मिथलेश यादव एवं प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने पुलिस , प्रशासन सहित सभी का सहयोग एवं शांतिप्रिय चुनाव संम्पन्न करने के लिये धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया '

हीमोफीलिया मैं नॉर्मल से ज्यादा रक्तस्राव होता है तो तुरंत चिकित्सक का परामर्श लें - प्राचार्य

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। विश्व हीमोफीलिया दिवस के अवसर पर डॉ. योगेश कुमार गोयल, प्रधानाचार्य, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के नेतृत्व में जनपद फिरोजाबाद के हीमोफीलिया रोगियों को चिन्हित करने के लिए एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में डॉ० मनोज कुमार, विभागाध्यक्ष मेडिसिन द्वारा हीमोफीलिया मरीजों को परामर्शित किया गया और प्राप्त किए गए डेटा को संरक्षित किया गया।इस विशेष कैंप के पश्चात 100 शैय्या चिकित्सालय में हीमोफीलिया जन जागरूकता अभियान के तहत एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न वक्ताओं द्वारा अपने-अपने विचार साझा किए गए।डॉ मनोज कुमार विभाग अध्यक्ष मेडिसिन द्वारा बताया गया की हिमोफिलिया एक अनुवांशिक बीमारी है जो की मुख्यतः पुरुषों में होती है और महिलाएं इसकी वाहक होती है। उनके द्वारा यह भी बताया गया की हिमोफिलिया में नॉर्मल से ज्यादा रक्त स्राव होने की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

डॉ० एल०के० गुप्ता, विभागाध्यक्ष बाल रोग द्वारा बाल रोगियों में हीमोफीलिया के लक्षणों को रोकने एवं पहचान के बारे में बताते हुए कहा गया कि हीमोफीलिया से ग्रसित पिता गभार्धान के दौरान भ्रूण की जांच करा सकते हैं जो कि हीमोफीलिया मरीजों के लिए वैद्य है। भ्रूण की जांच करके हीमोफीलिया रोग का पता लगाया जा सकता है एवं माता पिता की मंशा अनुसार गर्भपात कराया जा सकता है।

डॉ नौशाद हुसैन पैथोलॉजी विभाग द्वारा हीमोफीलिया की डायग्नोसिस के लिए विभिन्न जांचों के बारे में बताया गया उनके द्वारा यह भी अवगत कराया गया के हीमोफीलिया के उपचार के लिए वर्तमान में जीन थेरेपी जीन पर रिसर्च की जा रही है जिससे कि आने वाली पीढ़ी में इस रोग को फैलने से रोका जा सके।

मां दक्षिण काली मंदिर का छठा स्थापना दिवस आस्था के साथ मनाया गया, जागरण व भंडारे का आयोजन

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो - शमीम सिद्दीकी

नगीना। जनपद बिजनौर के नगीना क्षेत्र स्थित श्री सिद्धपीठ मां दक्षिण काली मंदिर का छठा स्थापना दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य जागरण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

ग्राम हरगांव, चादन कताई मिल के निकट स्थित मंदिर परिसर में बृहस्पतिवार रात करीब 9 बजे से मां भगवती का विशाल जागरण शुरू हुआ। पूरी रात श्रद्धालु माता के भजनों पर झूमते-नाचते रहे और पूरा क्षेत्र ह्लजय मां कालीह्व के जयकारों से भक्तिमय बना रहा।

शुक्रवार को प्रातः आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद दोपहर 12 बजे हवन-पूजन संपन्न होने के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर के महंत धीरज जी ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष जागरण और भंडारे का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना जीवन मां काली की सेवा में समर्पित कर दिया है और मंदिर में आने वाले चढ़ावे एवं दान राशि का उपयोग मंदिर के सौंदर्यीकरण में किया जाता है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहेंगे।

इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में हरिद्वार से आए पंडित आशु मेहंत, माता काली के सेवादार राजेंद्र सैनी, टीटू सैनी, संजय चंद्रा उर्फ बालजी, प्रहलाद कुशवाह, टिक्कू महाराज, राजकुमार सेठी, बलराज सैनी, सहन सैनी, मनोज वाल्मीकि, लवली चौहान, डॉ. मंजू चौहान, गौरव अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालुओं का सराहनीय सहयोग रहा।

छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं को दिया संदेश।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा आदेशित कार्यक्रम के तहत नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय में महाविद्यालय की

प्राचार्य प्रोफेसर रेनू वर्मा के कुशल निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना की वॉलिंटियर्स ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से 33% महिलाओं के आरक्षण की सूचना समाज के मध्य प्रेषित की। नुक्कड़ नाटक की थीम महिलाओं के सशक्तिकरण महिलाओं की राजनीति एवं अन्य क्षेत्रों में उनकी अग्रगण्य भूमिका के संदर्भ में सूचनाओं को संप्रेषित करने का उद्देश्य रहा। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर माधवी सिंह के द्वारा किया गया।
इस नुक्कड़ नाटक के संप्रेषण में आठ छात्राओं की टीम ने प्रतिभाग किया।

22 लोगों ने किया रक्तदान फिरोजाबाद जॉयंट्स ग्रुप ऑफ

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। सशक्त नारी द्वारा एसएन अस्पताल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया
ग्रुप की अध्यक्षा निधि जैन ने बताया कि 22 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया ' इस रक्तदान शिविर में न केवल ग्रुप के सदस्यों ने बल्कि उनके बच्चों ने भी बढ़चढ़कर रक्तदान किया
प्रशासनिक निर्देशिका मेघा जैन ने बताया शिविर में निधि जैन , मेघा जैन अनुजिंदल ,वर्तिका जैन, निक्की नरुला ,जूही अग्रवाल, सोनिया गुप्ता, शरद गुप्ता, क्षितिज गुप्ता, गौरी अग्रवाल, शिवाली जैन, कुशाग्र जैन, हेमंत गर्ग, प्रखर मित्तल, वर्षा अग्रवाल, रेखा मित्तल, प्रियंका मित्तल, बबीता मित्तल, शिवांग गोयल वेदांश दुबे आदि ने रक्तदान कर महादान किया ।
अस्पताल के सीएमओ डॉ नवीन जैन एवं डॉ गरिमा ने सशक्त नारी के रक्तदान शिविर की बहुत ही प्रशंसा की और कहा रक्तदान एक महान कार्य है जिससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया ।

रक्तदान करने वाले सभी सदस्यों को केला, फ्रूटी और अनार दिया गया। डॉक्टर द्वारा रक्तदानकताओं को सर्टिफिकेट और ब्लड डोनर मग दिया गया
फेडरेशन उपाध्यक्ष श्रीमती सोम्या चौहान, यूनिट निदेशक प्राची अग्रवाल, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अनुबंसल कल्पना राजौरिया, फेडरेशन ऑफिसर वर्तिका जैन एवं ग्रुप के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

असमोली पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, मढ़न क्षेत्र में संदिग्धों की तलाशी से मचा हड़कंप

दैनिक समाज जागरण

संभल। असमोली थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। शुक्रवार देर शाम करीब 7:30 बजे मढ़न चौकी क्षेत्र में शुरू हुए इस अभियान से इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस टीम ने मढ़न अड्डा गुमसानी सहित प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतते हुए व्यापक चेकिंग की। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन तलाशी ली गई। साथ ही बाजारों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया गया, जिससे आमजन में सुरक्षा का एहसास बढ़ा।

अचानक शुरू हुए इस अभियान से क्षेत्र में हलचल का माहौल रहा। पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की गई।

प्रभारी निरीक्षक थाना असमोली मोहित चौधरी ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

राज्यसभा के उपसभापति के रूप में श्री हरिवंश के चुनाव पर 17-04-2026 को राज्यसभा अध्यक्ष के दिए अभिनंदन भाषण का पाठ

समाज जागरण

राज्यसभा अध्यक्ष : राज्यसभा के उपसभापति चुने जाने पर श्रीमान हरिवंश जी को हार्दिक बधाई। आज उनका निर्विरोध चुनाव महज एक औपचारिक परिणाम नहीं है; यह सभी दलों के बीच और सदन के सभी वर्गों के बीच उनके प्रति व्याप्त गहरे विश्वास, भरोसे और सम्मान की प्रबल पुष्टि है।

श्री हरिवंश जी का तीसरी बार इस उच्च संवैधानिक पद पर पुनः निर्वाचित होना अपने आप में एक दुर्लभ उपलब्धि है। यह न केवल निरंतरता को दशार्ता है, बल्कि निष्पक्षता, संयम और संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से परिपूर्ण कर्तव्यों के निर्वाह में उनकी स्थिरता को भी प्रदर्शित करता है। वर्षों से, उपसभापति के रूप में उनका नेतृत्व संयम, संतुलन और एक शांत अधिकार से परिपूर्ण रहा है, जो बिना किसी अपेक्षा के सम्मान अर्जित करता है।

मैं इस सदन की सामूहिक बुद्धिमत्ता के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं, जिसने उन्हें निर्विरोध निर्वाचित किया। हमारे जैसे जीवंत लोकतंत्र में, प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है और वास्तव में आवश्यक भी है। मतभेद हमारी चचाओं को समृद्ध करते हैं। फिर भी, ऐसे क्षण, जब सदन एक स्वर में बोलता है, संसद की गरिमा, मयार्दा और संस्थागत शक्ति को बनाए रखने के लिए सभी सदस्यों की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

माननीय सदस्यों को मालूम है कि सार्वजनिक जीवन के समृद्ध और विविध अनुभव से संपन्न श्री हरिवंश जी इस प्रतिष्ठित पद पर आसीन हैं। गहन वाद-विवाद और कभी-कभार होने वाली तीखी बहस के मौकों पर भी उनका सदा विनम्र स्वभाव और उनकी विशिष्ट मुस्कान सदन की कार्यवाही को स्थिरता प्रदान करती है। राज्यसभा जैसे गतिशील, विविध और सशक्त सदन की अध्यक्षता करना कोई आसान काम नहीं है; फिर भी, उन्होंने उल्लेखनीय संयम, धैर्य और निष्पक्षता के साथ इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। चूंकि इस सदन में कई नवनिर्वाचित सदस्य हैं, मुझे विश्वास है कि वे संसदीय कामकाज से जुड़ी बारीकियों, परंपराओं और जिम्मेदारियों को समझने में उन्हें एक मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्रोत पाएंगे।

मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस उच्च पद को विशिष्टता से सुशोभित करना जारी रखेंगे और इस प्रतिष्ठित सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा के अनुरूप उसी उत्साह, समर्पण, निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण पर दिया जोर

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शुक्रवार को नगर पालिका में भाजपा द्वारा आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष तेजेन्द्र निर्वाल ने कहा कि सशक्त नारी, सशक्त भारत एक आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत की नींव है। उन्होंने महिला आरक्षण और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी योजनाओं की सराहना की, जो महिलाओं को समाज के हर क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए प्रेरित कर रही हैं। जिलाध्यक्ष डॉ. रामजीलाल कश्यप ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जश्न, लोकतंत्र का नया उदय है। उन्होंने कहा कि दशकों के संघर्ष के बाद, लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की

भागीदारी से देश की बेटियाँ अब भविष्य की नींव रखेंगी। नारी शक्ति के नेतृत्व में भारत नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा। मुख्य वक्ता एमएलसी विरेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के योगदान को आत्मनिर्भर भारत की पहचान बताया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना और उन्हें समाज में समान अवसर देना है। कार्यक्रम का संचालन चेयरमैन अरविन्द संगल ने करते हुए कहा कि नारी भगवान की वह कृति है, जिसमें हर सुख-दुख, हर बाधा को पार करने की क्षमता होती है। इस अवसर पर विधानसभा संयोजक मीनू संगल, अभय तोमर, अनिल कुमार, बबिता चौहान, मीरा चावला, ममता जयन्त, वीना अग्रवाल, शशी अरोरा, स्नेहलता गर्ग, पूनम शर्मा, मुनेश देवी मौजूद रहे।

आजाद अधिकार सेना के पदाधिकारियों ने सीएम के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) आजाद अधिकार सेना के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को शामली तहसील में प्रदर्शन कर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। जिसमें उन्होने नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों की जायज मांगों का स्थाई समाधान और दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग की। उन्होने महिला श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने की भी मांग की।

शुक्रवार को दिए ज्ञापन में उन्होने कहा कि नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत हजारों मजदूर और विशेष रूप से महिला मजदूरों को परेशानियां हो रही है। उन्होने कहा कि किसी भी प्रकार की हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नही हो सकता है। मजदूरों की मूल समस्याऐं बढती महंगाई, किराया, पारिवारिक दायित्व, लंबे कार्य, अतिरिक्त घंटे, शोषण वास्तिक जायज मांग है। उन्होने मांग की कि न्यूनतम मासिक वेतन, कम से कम 20 हजार किया जाये। हरियाणा के समान वेतन लागू किया जाये। ओवर टाईम भुगतान तथा 8 से 9 घंट से अधिक कार्य पर अतिरिक्त मुआवजा दिया जाये। कार्य समय 8 से 9 घंटे निर्धारित हो। साप्ताहिक अवकाश व त्यौहारों की छुटिटयों दी जाये। ईपीएफ, ईएसआई बोनस एवं ग्रेच्युटी का समयबद्ध भुगतान हो। वेतन बैंक खाते से दिया जाये। ठेकेदार प्रथा पर नियंत्रण लगाया जाये तथा मूलभूत सुविधाऐं उपलब्ध कराई जाये। इस अवसर पर विनोद कुमार, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

भाकियू प्रधान के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) भारतीय किसान यूनियन प्रधान के पदाधिकारियों की एक बैठक शहर के बुढाना रोड स्थित एक कैंपस में आयोजित की गई। जिसमें कस्बा बनत के आर्यपुरी निवासी रूपन चौधरी एडवोकेट को सदस्य

पद पर मनोनीत किया गया।

शुक्रवार को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी चौधरी सन्नी निर्वाल ने कहा कि भाकियू प्रधान हमेशा से किसानों की लडाई लडता आ रहा है। आज किसान और मजदूर दोनों पररेशान है। जिनकी आवाज उठाना सभी का कर्तव्य है। इस दौरान उन्होने कस्बा बनत निवासी रूपन चौधरी को विधि प्रकोष्ठ का सदस्य मनोनीत किया गया। इस अवसर पर संजय निर्वाल, अमरिन्द सिंह, रवि गर्ग, प्रताप सिंह राठौर, वसील आदि मौजूद रहे।

युवक की हत्या के विरोध में लगाया जाम मुकदमा दर्ज, डीएम से मुलाकात

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) गत 26 मार्च को शहर के मुजफ्फरनगर हाईवे पर तलवा माजरा के युवक की हत्या के विरोध में लगाए गए जाम के बाद 13 नामजद और दर्जनों अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज करने पर ग्रामीणों ने डीएम से मुलाकात की। उन्होने नौकरी पेशा युवकों की एफआईआर से नाम बाहर निकालने और मुकदमा खारिज कराने की मांग की है।

गत 26 मार्च को क्षेत्र के गांव तलवा माजरा निवासी छात्र अभि की गोली मारकर हत्या करने के विरोध में परिजनों ने गुरूवार को मुजफ्फरनगर हाईवे पर जाम लगा दिया था। गुस्साऐं परिजनों ने जमकर हंगामा करते हुए पुलिस पर कार्यवाही न करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया था। हाईवे पर घंटों जाम रहने से हाईवे पूरी तरह से बंद रहा था और मजबूरन पुलिस को वनवे चलाना पडा था। जिसके बाद पुलिस ने घटना में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर दिया था और हाईवे पर लगाए गए जाम में शामिल 13 लोगों को नामजद करते हुए दर्जनों अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। बाबरी थाने में जाम लगाने का मुकदमा दर्ज होने पर अब ग्रामीणों को आशंका है कि पुलिस कुछ लोगों पर एनएसए की कार्यवाही कर सकती है। जिससे परेशान होकर शुक्रवार को दर्जनों ग्रामीण गठवाला खाप के चौधरी बाबा राजेन्द्र मलिक के नेतृत्व में डीएम अरविन्द कुमार चौहान से मिले। उन्होने मामले में जांच कर नौकरी पेशा युवकों के नाम मुकदमे से निकालने की मांग की। इस अवसर पर गठवाला खाप चौधरी बाबा राजेन्द्र मलिक, धर्मेन्द्र मलिक, प्रधान विनोद, नरेन्द्र कुमार, धीरज मुखिया, महक सिंह, आदि मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को बनाएगा सशक्त, डा. ऋतु जैन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में शुक्रवार को विकास भवन में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और इस कानून को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. ऋतु जैन ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के लागू होने से महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे उनकी भागीदारी और निर्णय लेने की क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। इसे महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाएगा।बीना अग्रवाल ने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने भी इस ऐतिहासिक कानून का समर्थन किया और कहा कि यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें समाज के हर क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करेगा। महिलाओं ने इस कदम को न केवल उनके लिए, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए भी एक निर्णायक कदम बताया। कार्यक्रम में दर्जनों महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस निर्णय का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी यामिनी रंजन, सूचना अधिकारी दीपक कुमार, डा. रेखा गर्ग, डा. रूसी फातिमा, डा. साईस्ता प्रवीन, वन स्टॉप प्रभारी गजाला त्यागी, मधु आदि मौजूद रहे।

गोगवान का तालाब बदहाली का शिकार, ग्रामीण परेशान

समाज जागरण

कैराना। गांव गोगवान में स्थित तालाब बदहाली का शिकार है। तालाब में गंदगी के साथ घास-फूंस जमा होने से दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। इससे ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों ने तालाब की साफ-सफाई कराने के साथ ही चारों ओर बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग की है।

कैराना ब्लॉक के गांव गोगवान में स्थित तालाब की हालत बेहद खराब हो चुकी है। तालाब में कूड़ा-करकट के साथ-साथ घास-फूस उगी हुई है। आसपास गंदगी का अंबार लगा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के बराबर में स्थित तालाब की कोई बाउंड्री वॉल भी नहीं है, जिस कारण गिरने का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। पिछले दिनों एक भैंस और गोवंश तालाब में गिर गए थे, जिनकी बामुश्किल जान बचाई थी। ऐसे में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में तालाब की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है, जिससे आसपास जलभराव और गंदगी की समस्या विकराल रूप ले लेती है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा शिकायत भी की गई, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने तालाब की साफ-सफाई कराने और चारों ओर बाउंड्री वॉल का निर्माण कराने की मांग की है।

हाईवे पर दो हादसे: तेज रफ्तार से बचने में तीन घायल, एक अन्य युवक भी गिरकर चोटिल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर शुक्रवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में मां-बेटा और पौत्र समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक अन्य युवक भी बाइक फिसलने से चोटिल हो गया। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से तीन को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बागपत जनपद के रमाला थाना क्षेत्र के गांव असारा निवासी फारूक अपनी मां मुनिजा और नौ वर्षीय पुत्र अर्श के साथ बाइक से शामली दवाई लेने जा रहे थे। जैसे ही वह किंवाना मोड़ के पास पहुंचे, सामने से तेज गति से आ रही एक अन्य बाइक को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया। इससे तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस टीम ने घायलों को कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर तीनों को जिला अस्पताल शामली रेफर कर दिया गया।दूसरी और हादसे में कैराना क्षेत्र के गांव भूरा निवासी शुभम बागपत से बाइक द्वारा लौट रहा था। एलम के पास अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ने से वह गिरकर घायल हो गया। उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने सड़क पर चलने वाले लोगों से सावधानी से वाहन चलाने व हेलमेट लगाकर चलने की अपील की है।

हनी ट्रैप, प्रकरण पूर्व विधायक ने परिजनों से मिलकर दिया मदद का आश्वासन

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर में हनी ट्रैप गैंग के जाल में फंसकर एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शुक्रवार को पूर्व विधायक व सपा नेता राजेश्वर बंसल पीड़ित परिवार से मिलने उनके आवास पहुंचे और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। गांव मलकपुर निवासी इस्लाम के 27 वर्षीय पुत्र बिलाल ने विगत 14 अप्रैल को जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। बताया गया है कि आत्महत्या से पहले बिलाल ने दो वीडियो बनाए थे, जिनमें उसने खुद को फर्जी एप और हनी ट्रैप के जाल में फंसा बताया। वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराते हुए मां से माफी मांगी और अपने

बच्चों का ख्याल रखने की अपील भी की।

घटना के बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में बिलाल को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। युवक की मौत के बाद से परिवार में शोक की लहर है।शव दफनाने के बाद परिजनों ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी पुलिस साइबर टीम की मदद से आरोपियों की तलाश में झुकी हुई है।शुक्रवार को पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि वह जल्द ही सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने का प्रयास करेंगे। उनके साथ जावेद जंग, पूर्व प्रधान वकील जंग सहित आदि ग्रामीण भी मौजूद रहे।

डीएम ने दिए सड़क हादसों पर सख्ती के निर्देश

15 दिन में ठीक होंगे क्षतिग्रस्त मार्ग, बधैव बाईपास सर्विस रोड निर्माण में तेजी लाने के आदेश

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)जिलाधिकारी श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े एजेंडा बिंदुओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जिन स्थानों पर अधिक सड़क

दुर्घटनाएं होती हैं, वहां विशेष रूप से चिन्हांकन कर सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। इस संबंध में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा। साथ ही मेरठ-करनाल हाईवे स्थित बधैव बाईपास पर सर्विस रोड के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा कराने के निर्देश एनएचएआई अधिकारियों को दिए।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एनएचएआई द्वारा निर्माण कार्यों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मार्गों को अगले 15 दिनों के भीतर ठीक कराने के निर्देश भी दिए।

वहीं, पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्रों के व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाने के निर्देश दिए, ताकि यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके।बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राजकुमार, सहायक अभियंता दीपेंद्र जायसवाल, यातायात विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल जा रहे 12 वर्षीय छात्र पर पागल कुत्ते का हमला, गंभीर घायल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली में शुक्रवार को स्कूल जा रहे 12 वर्षीय छात्र पर पागल कुत्ते ने हमला कर दिया। हमले में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे तत्काल कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।गांव इस्लामपुर घसौली निवासी जयवीर का 12 वर्षीय पुत्र अक्षत गाव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पांच का छात्र है। बताया गया कि शुक्रवार सुबह वह घर से स्कूल जा रहा था।

इसी दौरान रास्ते में अचानक एक पागल कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। कुत्ते के काटने से वह घायल हो गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि छात्र को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया गया है। हालत को देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर किया गया है। पागल कुत्ते के हमले से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आवारा कुत्ते पर नियंत्रण की मांग की है। ग्राम प्रधान उमर नवाज ने बताया कि पागल कुत्ते के गांव में घूमने की सूचना ब्लॉक अधिकारियों को दे दी गई है। जल्द ही टीम बुलाकर कुत्ते को पकड़वाया जाएगा।

मिशन शक्ति बनी सहारा, कैराना पुलिस ने पेश की मानवता की मिसाल

बेसहारा बहनों को राशन व दवाइयों की मदद, पुलिस टीम ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

समाज जागरण
कैराना।(फुरकान जंग)

आर्थिक तंगी और पारिवारिक संकट से जूझ रही दो नाबालिग बहनों के लिए कैराना पुलिस सहारा बनकर सामने आई। मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत पुलिस टीम ने तत्काल मदद पहुंचाते हुए राशन और दवाइयों की व्यवस्था कराई, जिससे पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली।मोहल्ला बड़ी आल, आलकलां निवासी भावना और स्वीटी (उम्र करीब 14 वर्ष) थाना कैराना पहुंचीं और अपनी पारिवारिक स्थिति से पुलिस को अवगत कराया। बालिकाओं ने बताया कि उनके पिता का पहले ही निधन हो चुका है, जबकि उनकी मां रूमन फालिज (पैरालिसिस) से पीड़ित हैं। परिवार में पांच बहनें हैं और आय का कोई स्थायी साधन नहीं होने के कारण घर की स्थिति बेहद

दयनीय हो गई है।

मामले मे कोतवाली प्रभारी समयपाल अत्री व मिशन शक्ति टीम ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए बालिकाओं को थाने में बैठाकर उनकी समस्या सुनी। इसके बाद टीम ने तत्काल कैराना बाजार से राशन सामग्री उपलब्ध कराई और उनकी मां के इलाज के लिए दवाइयों हेतु आर्थिक सहायता भी प्रदान की।इस सराहनीय कार्य में उपनिरीक्षक चंद्रशेखर, महिला उपनिरीक्षक शिल्पी चौधरी समेत मिशन शक्ति टीम के अन्य सदस्यों की अहम भूमिका रही। पुलिस टीम ने बालिकाओं को भविष्य में भी हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। पुलिस की इस पहल ने साबित किया है कि मिशन शक्ति अभियान केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद महिलाओं और बालिकाओं को सामाजिक व आर्थिक सहयोग देकर उन्हें सशक्त बनाने का भी सशक्त माध्यम बन रहा है।

चोरी के मामले में दिल्ली पुलिस की दबिश

समाज जागरण

कैराना। दिल्ली पुलिस ने चोरी के मामले में आरोपी की तलाश में दबिश दी।

शुक्रवार को दिल्ली के थाना करोल बाग में तैनात उपनिरीक्षक अमरीश त्यागी ने अपनी टीम के साथ कोतवाली में आमद दर्ज कराई। बताया गया है कि करोल बाग थाने में चोरी का मामला ऑनलाइन दर्ज हुआ था। जांच के दौरान आरोपी का संबंध कैराना से सामने आया। इसके बाद स्थानीय पुलिस को साथ लेकर कई जगहों पर दबिश दी गई, लेकिन आरोपी नहीं मिला और टीम वापस लौट गई।

नशे के खिलाफ, ऑपरेशन सवेरा की बड़ी कामयाबी

झिंझाना पुलिस ने दो अंतर्राज्यीय तस्करों को दबोचा, 2.986 किलो डोडा पोस्त बरामद

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन सवेरा के तहत थाना झिंझाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 2 किलो 986 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 24 हजार रुपये आंकी गई है।उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देशन, में थाना झिंझाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कसाना की टीम ने यह सफलता हासिल की।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कैलाश पुत्र अनिल कुमार निवासी कृष्णा मार्केट, रजपुरा (पटियाला, पंजाब) और जोनी पुत्र सुरेंद्रपाल सिंह निवासी गन्नौर (पटियाला, पंजाब) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों से बरामद मादक पदार्थ के संबंध में उनके नेटवर्क के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की गहन जांच की जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।कार्रवाई में उपनिरीक्षक अजयपाल सिंह, हेड कांस्टेबल योगेंद्र कुमार और हेड कांस्टेबल विकास कुमार की अहम भूमिका रही।

फायरिंग कांड खुलासा: दूसरे पक्ष को फंसाने की साजिश नाकाम

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)झिंझाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना में पुलिस जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने दूसरे पक्ष को फंसाने की साजिश को नाकाम करते हुए मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश कर रही हैं।पुलिस के अनुसार, विगत 27 सितंबर 2025 को गांव ओदरी निवासी सरवर ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अब्बास, शहजाद, नौशाद सहित अन्य ने उसके मामा वासिद पर जानलेवा हमला कर गोली मार दी। इस आधार पर थाना झिंझाना में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए। सीसीटीवी फुटेज और जांच में सामने आया कि फायरिंग की घटना विपक्षी पक्ष ने नहीं, बल्कि खुद वादी सरवर और उसके साथियों ने मिलकर अंजाम दिया था। बताया गया कि चुनावी रंजिश के चलते यह साजिश रची गई थी, क्योंकि सरवर का भाई और विपक्षी अब्बास दोनों ही ग्राम प्रधान पद के प्रत्याशी हैं।जांच में यह भी सामने आया कि फायरिंग के दौरान अरशद उर्फ काला द्वारा चलाई गई गोली उसके ही साथी वाजिद उर्फ काला के हाथ में लग गई थी। इसके बाद विपक्षियों को फंसाने के उद्देश्य से झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया।शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देश पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी वासिद पुत्र इलियास निवासी ख्वाजपुरा को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है।

पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही सभी को गिरफ्तार करने के लिए तलाश कर रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक योगेंद्र अधाना, हेड कांस्टेबल अशोक कुमार और अमित कुमार शामिल रहे।

गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस के सिंगिंग अवॉर्ड शो में पहुंची कई जानी-मानी हस्तियां

समाज जागरण

बागपत। गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस द्वारा नई दिल्ली के राजेन्द्र भवन में एक भव्य करोके सिंगिंग अवॉर्ड शो का आयोजन किया गया। इसमें बागपत समेत दिल्ली एनसीआर से भी काफी लोग पहुंचे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई गायन प्रतिभाओं को मंच देना और उन्हें सम्मानित करना था। इस प्रोग्राम के मुख्य अतिथि योगेश मालिक, युनूश नसीब और चीफ पैट्रन के रूप में

आमिर राजा की उपस्थिति रही।इस दौरान सुनील पराशर सीनियर जर्नलिस्ट, रवि राठी, धर्मेंद्र तोमर, सीमा डोगरा व सुषमा रानी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दिल्ली-एनसीआर से आए दर्जनों प्रतिभागियों ने करोके ट्रैक के गीतों को अपनी आवाज दी। योगेश मलिक, युनूश नसीब, सिकंदर राजा हसन, बहार आलम, एस नासिर, डॉ सुभाष, राजू शील, ट-ीकाराम, अशोक कुमार लेहरी, राकेश कुमार, अजहर फिरदौसी, मोहन धवन, राज प्रिंस और इनका साथ समर खान, तबस्सुम अंसारी, दीप्ति चौधरी, यास्मीन खान, पायल कक्कर व गरिमा सिंह ने दिया। सोलो, डुएट और ग्रुप परफॉर्मेंस ने दर्शकों को बांधे रखा। इस शो की एंकरिंग पायल कक्कर ने की। उस्ताद जुनैद खान के गीत पर सब झूम उठे। कार्यक्रम में फिल्म जगत के अनुभवी कलाकार सुरेन्द्र बावरा, विकास वशिष्ट, तारिक, जीत प्रताप सिंह, संदीप दमानिआ मौजूद रहे, उन्होंने हर प्रस्तुति को सुर, ताल, लय और भाव के आधार पर परखा। सभी को ट्रॉफी और उपहार देकर सम्मानित किया गया। प्रोग्राम का मुख्य केंद्र अयाज परफ्यूम रहा। आये हुए सभी लोगो को अयाज परफ्यूम का गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस के संस्थापक शफीक उर रहमान ने मंच से कहा कि करोके आज के समय में गायकों के लिए सबसे बेहतरीन रियाज का जरिया है। हमारा मकसद छुपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाना है, ताकि वे आगे चलकर म्यूजिक इंडस्ट्री में अपना नाम रोशन कर सकें।

फायर सर्विस-एयरफोर्स की संयुक्त मॉक ड्रिल:आपात स्थिति से निपटने के लिए दक्षता का प्रदर्शन

समाज जागरण

बागपत। शुक्रवार को अग्निशमन विभाग ने एक महत्वपूर्ण मॉक ड्रिल का आयोजन किया। यह अभ्यास फायर सर्विस बागपत और एयर फोर्स फायर स्टेशन चाँदीनगर (खेकड़ा) के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ। अग्निशमन सप्ताह के अंतर्गत आयोजित यह मॉक ड्रिल दोपहर करीब 12:30 बजे शुरू हुई। इसमें आग लगने की एक काल्पनिक स्थिति तैयार की गई, जिस पर अग्निशमन कर्मियों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया। कर्मचारियों ने आधुनिक उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करते हुए कुशलता से आग पर काबू पाने का प्रदर्शन किया। इस दौरान टीमवर्क, समयबद्धता और आपसी समन्वय पर विशेष ध्यान दिया गया, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बागपत के निर्देशन में आयोजित इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाना और किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना था। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभ्यासों से आमजन में भी सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है। भविष्य में भी ऐसी मॉक ड्रिल का आयोजन जारी रहेगा, ताकि विभाग किसी भी आकस्मिक घटना से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहे।

बिटौड़ों में लगी आग, दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

समाज जागरण

बागपत। सिसाना गांव में बिटौड़ों में अचानक आग लग गई। ग्रामीणों के अनुसार, यह आग पास पड़ी कूड़ी से शुरू हुई और तेजी से फैलते हुए बिटौड़ों तक पहुंच गई। इससे गांव में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों ने घंटों की मेहनत से आग को आसपास के घरों और खेतों तक फैलने से रोका, जिससे एक बड़ा नुकसान टल गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन बिटौड़ों में रखा चारा और अन्य सामान जलकर राख हो गया, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि दमकल समय पर नहीं पहुंचती, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अमरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि गांव के पास कूड़े में लगी आग के कारण बिटौड़ों में आग फैली। प्रशासन ने लोगों से सूखी कूड़ी और ज्वलनशील पदार्थों के प्रति सावधानी बरतने की अपील की है।

मथुरा पुलिस ने दी दबिश

समाज जागरण

कैराना। शराब तस्करी के मामले में फरार ट्रक मालिक की तलाश में मथुरा पुलिस ने नगर में दबिश दी, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी।

शुक्रवार को जनपद मथुरा के थाना माट से उपनिरीक्षक आकाश चौहान अपनी टीम के साथ कोतवाली पहुंचे और आमद दर्ज कराई। बताया गया कि वर्ष 2025 में उनके क्षेत्र में ट्रक में शराब तस्करी पकड़ी गई थी। जांच में ट्रक का नंबर कांधला निवासी युवक के नाम पर दर्ज मिला। पूछताछ में उसने ट्रक पहले ही कैराना निवासी युवक को बेचने की बात कही। इसी आधार पर मथुरा पुलिस ने नगर में दबिश दी, लेकिन आरोपी नहीं मिला और टीम को वापस लौटना पड़ा।

मां–बेटी से मारपीट में मुकदमा

समाज जागरण

कैराना। घर में घुसकर मां–बेटी के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

गांव तितरवाड़ा निवासी फरमाना ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मकान की दीवार का निर्माण कार्य चल रहा था। आरोप है कि गांव के ही नसीम उर्फ बिल्ला, समद उर्फ काला, वसीम उर्फ मुनीम और सलीम उसके घर में घुस आए, जिन्होंने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से उसके तथा उसकी बेटी आयशा के साथ मारपीट की, जिस कारण वे घायल हो गईं। आरोपियों ने दीवार भी गिरा दी। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे, तो आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यूपीएमएसआरए ने 26,000 न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर पीएम को भेजा ज्ञापन

बड़ौत तहसील में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, 8 घंटे कार्य दिवस और ठेका प्रथा खत्म करने की भी मांग

समाज जागरण

बड़ौत। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश उत्त-राखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन (यूपीएमएसआरए) ने मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये प्रति माह करने सहित श्रमिक हितों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष प्रदीप पुरी के नेतृत्व में एसोसिएशन के सदस्य शुक्रवार को बड़ौत तहसील पहुंचे और एसडीएम भावना सिंह को ज्ञापन दिया। एसोसिएशन ने मांग की कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए मे-डिकल रिप्रेजेंटेटिव्स का न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये प्रतिमाह किया जाए। ज्ञापन में 8 घंटे कार्य दिवस, डबल ओवरटाइम, कार्यस्थल सुरक्षा, दैनिक भत्ते में वृद्धि और ठेका प्रथा समाप्त कर नियमितीकरण की मांग की गई। साथ ही चार श्रम संहिताओं को निरस्त कर बिक्री संवर्धन कर्मचारी अधिनियम 1976 को लागू रखने की मांग भी रखी गई। एसोसिएशन ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम व एनसीटी में मजदूरों पर दमन बंद करने, गिरफ्तार मजदूरों की रिहाई और त्रिपक्षीय वार्ता की मांग भी की। जिलाध्यक्ष प्रदीप पुरी ने कहा कि महंगाई के दौर में वर्तमान वेतन पर्याप्त नहीं है। मे-डिकल रिप्रेजेंटेटिव्स स्वास्थ्य सेव-ाओं को घर-घर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके हितों की रक्षा जरूरी है। इस दौरान कोषाध्यक्ष राजीव शर्मा, सूर्यदत्त शर्मा, संदीप जैन, विपिन शर्मा, पवन सहित जिला पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

रटौल चैयरमैन ने गौशाला का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

- गर्मी में गोवंशों के लिए ठंडा पानी, हरा चारा और कूलर की व्यवस्था के आदेश

- गोवंशों का ख्याल रखा जाए: हाजी मुंतजिर

रटौल गौशाला का निरीक्षण करते चैयरमेन

समाज जागरण

चांदीनगर। गर्मी के मौसम को देखते हुए रटौल में बनी अस्थायी गौशाला का रटौल चैयरमैन ने निरीक्षण किया और वहां मौजूद कर्मचारियों को गोवंशों को दिन में दो बार ठंडा पानी व हरा चारा देने के निर्देश दिए। रटौल में किसान भवन में गोवंशों के लिए एक अस्थायी गौशाला बनाई गई है, जिसमें पशुओं की देखभाल के लिए कर्मचारी नियुक्त हैं। वहीं पशुओं के लिए हरे चारे और पानी का भी प्रबंध है। शुक्रवार को नगर चैयरमैन हाजी मुंतजिर ने गौशाला का निरीक्षण कर गर्मी के मौसम में पशुओं के रख-रखाव को देखा। उन्होंने कहा कि गर्मी शुरू हो चुकी है, गोवंशों के लिए कूलर लगवाए जाएं और उनका पूरा ख्याल रखा जाए। इसके अलावा उन्होंने गौशाला में आने वाले डॉक्टर के बारे में भी पूछा कि पशुओं को समय से दवाइयां दी जाती हैं या नहीं। कर्मचारियों ने बताया कि डॉक्टर समय-समय पर आकर पशुओं की जांच करते हैं। इस मौके पर उनके साथ सचिन, महबूब, मंसूर आदि लोग मौजूद रहे।

काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन पर सवाल, बीजेपी नेत्री ने जताई आपत्ति

- "भगवान के दर्शन सभी को समान आधार पर होने चाहिए": प्रतिभा चौहान

- भीड़ प्रबंधन और बुजुर्ग-महिलाओं के लिए सुविधाओं की कमी पर जताई चिंता

समाज जागरण

बागपत। बागपत की बेटी और दिल्ली में भाजपा की वरिष्ठ नेत्री प्रतिभा चौहान ने काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर सनातन के प्रमुख केंद्र हैं, यहां वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं होना चाहिए। प्रतिभा चौहान ने बताया कि वह नई दिल्ली से सपरिवार दर्शन करने के लिए वाराणसी गई थीं। वहां की वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं को मुख्य रूप से भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा जांच और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बहुत सारे विकास कार्य हुए हैं। 2021 में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के बाद व्यवस्थाओं में काफी सुधार हुआ है, फिर भी बड़ी संख्या में आने वाले भक्तों के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं है। प्रतिभा चौहान ने आरोप लगाया कि मंदिर में खुलेआम पैसे लेकर वीआईपी लोगों को दर्शन करवाए जाते हैं, वहीं हजा-रों की तादाद में लोग लंबे समय से लाइन में खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के साथ मंदिर के अधिकारियों, बाउंसरों और पुलिसकर्मियों द्वारा अभद्र व्यवहार और धक्का-मुक्की की शिकायतें कई बार दर्ज कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में बड़ी संख्या में बुजुर्ग श्रद्धालु आते हैं, उनके लिए भी मंदिर में कोई प्रावधान नहीं है। इसके अलावा नवजात बच्चे वाली महिलाओं को भी लंबी-लंबी लाइनों में लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है। ऐसी महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर जल्दी दर्शन करवाने चाहिए।

19 अप्रैल को लगेगा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर, मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा

एडीके जैन अस्पताल करेगा आयोजन, नि:शुल्क दवा और चश्मा वितरण भी होगा

समाज जागरण

बड़ौत। तहसील क्षेत्र के बड़ावद गांव में डॉक्टर चंद्र किरण शर्मा के घेर में नहर पुल के पास शिव मंदिर के निकट नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर एडीके जैन अस्पताल द्वारा 19 अप्रैल रविवार को सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर दो बजे तक लगाया जाएगा। शिविर में आंखों की जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दवाइयां और चश्मों का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। साथ ही आने-जाने वाले मरीजों के लिए सभी सुविधाओं की व्यवस्था नि:शुल्क की गई है। यह जानकारी वरिष्ठ समाजसेवी मास्टर प्रहलाद सिंह आर्य, जिला पंचायत सदस्य बागपत सुनील कुमार आर्य और राष्ट्रीय लोकदल के बड़ौत विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अमित चिकारा ने दी। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी मास्टर प्रहलाद सिंह आर्य ने कहा कि समय-समय पर क्षेत्र में आंखों के नि:शुल्क कैंप लगाए जाते हैं। इनका उद्देश्य गरीबों की सेवा करना और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना है। उन्होंने बताया कि यह नि:शुल्क कैंप एवन बैटरी, एवन मार्बल्स और चिकारा रेडिमेड के सहयोग से लगाया जा रहा है।

भाजपा की 'नारी शक्ति पद यात्रा' का भव्य आयोजन, हजारों महिलाओं ने दिखाई ताकत

वात्सायन मैरिज होम से सोनीपत बस स्टैंड तक गूंजे महिला सशक्तिकरण के नारे, मातृशक्ति का दिखा अद्भुत जोश

समाज जागरण

बागपत। भारतीय जनता पार्टी जिला बागपत के तत्वावधान में 'नारी शक्ति पद यात्रा' का भव्य आयोजन किया गया। शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली इस पद यात्रा में हजारों महिलाओं ने हिस्सा लेकर नारी शक्ति और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। पद यात्रा का शुभारंभ वात्सायन मैरिज होम बागपत से हुआ। इसके बाद यात्रा राष्ट्रवंदना चौक, होली चौक, शौकत मार्केट, गांधी मार्केट और बड़ा बाजार होते हुए सोनीपत बस स्टैंड पर पहुंची, जहां भव्य समापन हुआ। पूरे रास्ते 'भारत माता की जय' और महिला सशक्तिकरण के नारों से वातावरण गूंजता रहा। स्थानीय लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस ऐतिहासिक पद यात्रा में मातृशक्ति का उत्साह, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति का जो संगम देखने को मिला, वह वास्तव में अद्भुत और प्रेरणादायक रहा। हाथों में तिरंगा और पार्टी के झंडे लिए महिलाएं पूरे जोश के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही थीं। यात्रा का उद्देश्य केंद्र और प्रदेश सरकार की महिला कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और नारी शक्ति को संगठित करना था। पद यात्रा की अगुवाई जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा ने की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से लेकर 'लखपति दीदी' और 'उज्ज्वला योजना' तक, हर योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। आज की यह पद यात्रा उसी नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है। यात्रा में देवतुल्य कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में बहनें शामिल रहीं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी यात्रा के साथ मौजूद रहा।

बागपत का विकास कराना ही पहली प्राथमिकता, शिक्षा पर रहेगा जोर: रवि बैसला

- रटौल में कार्यकताओं की बैठक में सपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

- "संविधान बचाने और देश हित के लिए सपा सरकार जरूरी": सपा नेता

रटौल बाजार में जनसंपर्क करते रवि बैसला

समाज जागरण

चांदीनगर। रटौल में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं की एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यकताओं को पार्टी के हित में कार्य करने और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस मौके पर बोलते हुए सपा नेता रवि बैसला ने कहा कि बागपत का विकास कराना ही उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बागपत शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा हुआ है। बागपत के बच्चे तैयारी करने दिल्ली व अन्य स्थानों पर जाते हैं, कॉलेजों की कमी है। इस कमी को दूर करने के लिए समाजवादी पार्टी को बागपत में लाना ही होगा। डॉक्टर बाबू खान के आवास पर आयोजित बैठक में रवि बैसला ने कहा कि आगामी चुनाव 2027 में हमे सबको मिलकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि संविधान को बचाने और देश हित के लिए समाजवादी पार्टी का यूपी में आना तय है, जनता विरोधी पार्टियों को नकार चुकी है। बैठक के बाद रवि बैसला मनोज के आवास पर पहुंचे जहां उन्होंने अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इसके अलावा रटौल बाजार में दुकानदारों की समस्या को सुना और लोगों को समाजवादी पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया।बैठक में नू-रहसन सिद्दीकी, आवेश, नवाब अली, राहुल, नरेंद्र, मनोज, डॉक्टर मुस्तफा आदि मौजूद रहे।

टयौढी के विकास मलनिया बने मॉडलिंग की दुनिया में उभरता सितारा

गैलगो फैशन वीक में दिखाया जलवा, बॉलीवुड हस्तियों से हो चुके हैं सम्मानित

समाज जागरण

बागपत। टयौढी गाँव के युवा मॉडल विकास मलनिया आज मॉडलिंग की दुनिया में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अपनी कड़ी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने फैशन इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया है, जिससे न केवल उनका परिवार बल्कि पूरा बागपत जिला गौरवान्वित महसूस कर रहा है। हाल ही में आयोजित गैलगो फैशन वीक 2026 में विकास मलनिया ने अपने शानदार रैंप वॉक से सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान उनकी ड्रेस को प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर रुद्र द्वारा डिजाइन किया गया, जिसने उनके व्यक्तित्व को और भी आकर्षक बना दिया। विकास मलनिया की उपलब्धियों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें बॉलीवुड की कई जानी-मानी हस्तियों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इनमें गुलशन ग्रोवर, अमीषा पटेल, महिमा चौधरी, जया प्रदा और जरीन खान जैसे प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं। साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था, लेकिन विकास ने अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखा। आज वे युवाओं के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरे हैं, खासकर उन युवाओं के लिए जो छोटे गांवों से बड़े सपने देखते है। इस अवसर पर विकास मलनिया ने कहा कि वे भविष्य में भी कड़ी मेहनत जारी रखेंगे और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फैशन प्लेटफॉर्म्स पर अपने जिले और देश का नाम रोशन करने का प्रयास करेंगे।

बाबा नागेश्वर नाथ धाम में स्थापित किया गया शेषनाग

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर
दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के करीमुद्दीनपुर रेलवे स्टेशन के पास ऊंचाडीह स्थित बाबा नागेश्वर नाथ महादेव के मंदिर में बैसाख शिवरात्रि कृष्ण पक्ष के दिन शिवलिंग के ऊपर लगे नाग देव को लगवाने का कार्य किया गया।विगत महीने शिव लिंग पर लगे नागदेव को चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया था जिसके उपलक्ष्य में ये नाग देव दुबारा शिवलिंग पर युवा समाजसेवी रवि राय निवासी लट्ठूडीह ने स्थापित कराया पारिवारिक छूतक के चलते उनके हाथों से ये कार्य ना होने की वजह से राज कुमार पाण्डेय राजू बाबा पुजारी मां कष्टहरणी धाम करीमुद्दीन पुर के द्वारा नागदेव को शिवलिंग पर लगाया गया।

शांति अधिनियम, 2025 पर कार्यशाला: सार्वजनिक-निजी भागीदारी से भारत 100 गीगावाट का परमाणु ऊर्जा के लक्ष्य को पूरा करेगा

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने विद्युत मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) और एनटीपीसी लिमिटेड के सहयोग से आज स्कोप कन्वेंशन सेंटर में एक उच्च-स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में शांति अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो भारत की परमाणु क्षमता को 100 गीगावॉट तक बढ़ाने, दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और नेट जीरो लक्ष्यों को पूरा करने के उद्देश्य से बनाया गया एक महत्वपूर्ण विधेयक है।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन की रस्म के साथ हुआ, जिसके बाद वरिष्ठ नेताओं ने भाषण दिए और नए विधायी ढांचे की रणनीतिक आवश्यकता को रेखांकित किया।

परमाणु ऊर्जा विभाग की सदस्य (वित्त) सुश्री सीमा जैन ने वित्तीय तैयारियों की आवश्यकता, सुदृढ़ जोखिम-साझाकरण तंत्रों के विकास और बड़े पैमाने पर परमाणु तैनाती को समर्थन देने हेतु संस्थागत ढांचों के विकास पर बल दिया। उन्होंने परमाणु क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए वैश्विक तकनीकी स-झेदारियों को बढ़ावा देने और नवोन्मेषी एवं वित्तपोषण तंत्रों के विकास के महत्व पर भी बल दिया।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अध्यक्ष श्री घनश्याम प्रसाद ने कहा कि भारत की बढ़ती स्वच्छ

ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए चौबीसों घंटे विश्वसनीय ऊर्जा उपलब्ध कराने और साथ ही अंतरराष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा आवश्यक है। उन्होंने आगे स्रोतों के विविधीकरण और दीर्घकालिक खरीद व्यवस्था स्थापित करके परमाणु ईंधन की सुरक्षित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री गुरदीप सिंह ने समग्र ऊर्जा मिश्रण में परमाणु ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डाला और नए परमाणु संयंत्रों के समय पर निर्माण को सक्षम बनाने के लिए भूमि पहचान और स्थल अध्ययन जैसी प्रारंभिक गतिविधियों में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला में साझेदारी की आवश्यकता पर भी बल दिया। शांति अधिनियम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसने निजी भागीदारी के लिए इस क्षेत्र को खोल दिया है, जिससे उद्योगों को परमाणु ऊर्जा को एक व्यवहार्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के रूप में विचार करने की अनुमति मिली है। उन्होंने कहा कि नियमों और दिशा-निर्देशों का शीघ्र निर्माण तेजी से प्रगति को सुगम बनाएगा और दीर्घकालिक ईंधन उपलब्धता सुनिश्चित करने, सुरक्षा बनाए रखने और व्यापक ऊर्जा सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करने के महत्व पर बल दिया।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के सदस्य (ईएंडसी) श्री प्रवीण गुप्ता ने सत्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत के महत्वाकांक्षी परमाणु ऊर्जा लक्ष्यों को साकार करने के लिए सरकार, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र सहित विभिन्न हितधारकों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम बारे आमजन को किया जागरूक

समाज जागरण

सिरसा/कालांवाली 17 अप्रैल (सुरेश जोरासिया) सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में जन-जन को जागरूक करने के उद्देश्य से आगामी 28 अप्रैल 2026 तक विशेष प्रचार

अभियान चलाया जा रहा है। इस प्रचार अभियान के दौरान विभागीय भजन पार्टी कलाकारों द्वारा लोक गीतों के माध्यम से नागरिकों को इस अधिनियम की जानकारी दी जा रही है।

लीडर भजन पार्टी के कलाकार लाला राम और जुगती राम ने जिला के गांव गोरीवाला व मटदादू में कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं को गीतों के माध्यम से सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे ग्रामीणों ने जानकारी को आसानी से समझा।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें लाडली योजना, आपकी बेटी हमारी बेटी योजना, दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, वन स्टॉप सेंटर योजना (सखी केंद्र), बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, पोषण अभियान तथा सुकन्या समृद्धि योजना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान को बढ़ावा देना है, ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी मजबूत भूमिका निभा सकें।

फगवाड़ा-नवांशहर-दोआबा-राहों-जैजों दोआबा रेलखंड पर ट्रेन सेवा आज से बहाल

(पंजाब फिरोजपुर कैंट रघुनंदन पराशर जैतो/समाज जागरण चीफ ब्यूरो)

जैतो,17 अप्रैल : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा शुक्रवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए

फिरोजपुर मंडल ने फगवाड़ा-नवांशहर-दोआबा-राहों-जैजों दोआबा रेलखंड पर ट्रेन सेवा पुनः बहाल करने का निर्णय लिया है। 18 अप्रैल 2026 से ट्रेन संख्या 74954 और 74951 संशोधित समय-सारिणी के अनुसार चलेगी। यह ट्रेन सप्ताह में पांच दिन (गुरुवार और रविवार को छोड़कर) संचालित की जाएगी। जिसकी समय-सारिणी इस प्रकार है:ट्रेन संख्या 74954 फगवाड़ा से प्रातः 10:20 बजे प्रस्थान कर दोपहर 13:20 बजे जैजों दोआबा पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 74951 जैजों दोआबा से दोपहर 13:45 बजे चलकर सायं 17:00 बजे फगवाड़ा पहुंचेगी। मार्ग में ये रेलगाड़ियां कुलथम अब्दुला शाह, भम्भेवा, मालुपोता, बंगा, खटकड़ झंडा जी, करिहा, नवां शहर दोआबा, राहों, नवां शहर दोआबा, गढ़शंकर, सतनौर बडेसरों, सैला खुर्द और महिंगरवाल दोआबा स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

101 वर्षीय पार्वती देवी को राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

स्वतंत्रता सेनानी की पत्नी को सलामी, नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

बाढ़डा। गांव कादमा में स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय भगवान सिंह की धर्मपत्नी 101 वर्षीय पार्वती देवी को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान सलामी टीम ने उन्हें सम्मानपूर्वक अंतिम सलामी दी, जिसके बाद रामबाग में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार स्वर्गीय भगवान सिंह का करीब 35 वर्ष पूर्व एक हादसे में निधन हो गया था। पार्वती देवी के चार पुत्र थे, जिनमें से एक पुत्र का पहले ही देहांत हो चुका है। वर्तमान में परिवार में विशंभर, बलवीर, सुरेन्द्र, सुरेश सहित तीन पुत्रियां हैं। अंतिम संस्कार के दौरान बड़े पुत्र विशंभर ने मुखाग्नि दी। इस अवसर पर चरखी दादरी से पहुंची सलामी टीम ने उन्हें श्रद्धापूर्वक अंतिम सलामी दी। पंचायती विभाग के अधिकारी दीपक शर्मा ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा जिला पार्षद अशोक, प्रतिनिधि महेश सरपंच, विरेंद्र बडराई सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंतिम विदाई के समय क्षेत्र के अनेक ग्रामीणों ने नम आंखों से पार्वती देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके लंबे जीवन व सेवा को याद किया।

थ्रेसर की चपेट में आने से मजदूर की दर्दनाक मौत

गेहूं निकालते समय हादसा, खेत में मचा हड़कंप

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल। शहरयारपुर-देवराला रोड स्थित खेतों में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में बिहार निवासी एक मजदूर की थ्रेसर की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद खेत में अफरा-तफरी मच गई और अन्य मजदूर सहम गए।

जानकारी के अनुसार करीब 2:40 बजे गांव शहरयारपुर के पास खेतों में गेहूं निकालने का कार्य चल रहा था। गांव ओबरा निवासी संजय पुत्र दयानंद के खेत में बिहार से आए मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान टेपरू मंडल पुत्र सिवानंद मंडल, निवासी पोठिया, जिला अररिया (बिहार) अचानक थ्रेसर की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना अचानक हुआ कि मजदूर को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौजूद मजदूरों ने तुरंत मशीन बंद की और आसपास के लोगों को सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण काम के दौरान संतुलन बिगड़ना बताया जा रहा है।

पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है और उनके बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दुखद घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। साथ ही ग्रामीणों ने खेतों में काम करते समय सुरक्षा उपाय अपनाने की जरूरत पर जोर दिया है।

विश्व धरोहर दिवस 2026 के अवसर पर फिरोजपुर मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

पंजाब जैतो रघुनंदन पराशर/समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब

जैतो,17 अप्रैल : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा शुक्रवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार 18 अप्रैल 2026 को मनाए जाने वाले विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में फिरोजपुर मंडल द्वारा 17 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम ह्लसंघर्षों एवं आपदाओं के संदर्भ में जीवित धरोहर के लिए आपातकालीन प्रतिक्रियाह्व निर्धारित की गई है।इस अवसर पर, मंडल के विभिन्न धरोहर स्थलों पर सप्ताह भर कार्यक्रम आयोजित कर रेलवे की समृद्ध विरासत को संजोने एवं आमजन को इसके प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इन आयोजनों के तहत, अमृतसर स्टेशन की हेरिटेज गैलरी आम जनता के लिए खोली जाएगी, जहां लोग रेलवे के इतिहास की झलक देख सकेंगे। लुधियाना, अमृतसर और फिरोजपुर कैंट स्टेशनों पर हेरिटेज आधारित संगोष्ठियां आयोजित होंगी। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, फिरोजपुर में निबंध लेखन प्रतियोगिता होगी, जिसमें प्रतिभागी धरोहर संरक्षण विषय पर अपने विचार रखेंगे। फिरोजपुर, लुधियाना और अमृतसर स्टेशनों पर स्थित हेरिटेज स्थलों और गैलरी को विशेष रोशनी से सजाया जाएगा, जिससे उनकी ऐतिहासिक सुंदरता और भी निखरकर सामने आएगी।

पहले दिन, फिरोजपुर रेलवे स्टेशन पर स्थित हेरिटेज लोको, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय फिरोजपुर में स्थित हेरिटेज कोच एवं हेरिटेज रोलर एवं लुधियाना रेलवे स्टेशन पर स्थित हेरिटेज रोलर का मरम्मत और सौंदर्यीकरण किया गया, ताकि ये धरोहर सुरक्षित रहें और युवा पीढ़ी भी इन धरोहरों को बेहतर तरीके से देख व समझ सकें।

केंद्र के लेटर ने पंजाब में आप सरकार की पोल खोल दी

मंडियों में फोटो खिंचवाने वाले विधायक का सच सामने आ गया है: ब्रह्मपुरा

पंजाब तरनतारन रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब

तरनतारन ,17 अप्रैल : शिरोमणि अकाली दल के वाइस प्रेसिडेंट, पूर्व विधायक और खडूर साहिब हलके के इंचार्ज रविंदर सिंह ब्रह्मपुरा ने आज राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार पर बड़ा पॉलिटिकल हमला बोलते हुए जरूरी सरकारी डॉक्यूमेंट्स का ज़िक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की फसलें मंडियों में सड़ रही हैं और सत्ताधारी पार्टी के विधायक बिना कोई पक्का इंतजाम किए फोटो सेशन करवाकर सिर्फ. किसानों के जख्मों पर नमक छिड़क रहे हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत यह है कि पंजाब सरकार ने गेहूं खरीद में छूट लेने के लिए पेपरवर्क बहुत देर से शुरू किया है। फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और केंद्र सरकार के लेटर अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए श्री ब्रह्मपुरा ने कहा कि कागजों से साफ है कि पंजाब सरकार ने 9 अप्रैल को लेटर जारी किया, एफसीआई पंजाब ने 16 अप्रैल को आगे लिखा और केंद्र से फाइनल अप्रूवल 17 अप्रैल को मिला। उन्होंने सवाल किया कि जब 17 अप्रैल तक खरीद के लिए कोई पक्की अप्रूवल नहीं थी, तो सत्ताधारी टछअ मंडियों में जाकर किसानों को क्या भरोसा दे रहे थे? उन्होंने कहा कि कागजी कार्रवाई में उलझी सरकार की इसी नाकाबिलियत के कारण खडूर साहिब समेत पूरे पंजाब की मंडियों में किसान परेशान हैं। पिछले दिनों लोकल हलके के विधायक को भी मंडियों में जो कड़ा विरोध झेलना पड़ा, वह सरकार की इसी नाकामी का नतीजा है, क्योंकि बिना अप्रूवल लिए विधायक सिर्फ झूठी तारीफ पाने के लिए मंडियों में घूम रहे थे। एक और बड़ा खुलासा करते हुए, श्री ब्रह्मपुरा ने आज 17 अप्रैल को भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मंजूरी पत्र की जानकारी भी शेयर की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गेहूं की खरीद में

छूट को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत चमक कम होने पर 70 प्रतिशत और सिकुड़े हुए दाने पर 15 प्रतिशत की छूट दी गई है, लेकिन इस पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि इस छूट के कारण होने वाले किसी भी वित्तीय नुकसान या ऑपरेशनल खर्च के लिए पंजाब सरकार पूरी तरह से ज़िम्मेदार होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र के इस पत्र ने पंजाब सरकार को आईना दिखाया है और उसकी जवाबदेही तय की है। श्री ब्रह्मपुरा ने आगे कहा कि अब जब कागजों पर पूरी स्थिति साफ हो गई है, तो आप सरकार अपनी ज़िम्मेदारी से भाग नहीं सकती। शिरोमणि अकाली दल साफ तौर पर मांग करता है कि पंजाब सरकार तुरंत अपने सरकारी खजाने से पैसे का इंतजाम करे और किसानों का गेहूं बिना किसी वैल्यू कट के तुरंत खरीदा जाए। उन्होंने सरकार को अल्टीमेटम दिया कि अगर किसान के खाते से एक भी रुपया काटा गया या मंडियों में किसानों की परेशानी जारी रही तो शिरोमणि अकाली दल किसानों के हक के लिए कड़ा संघर्ष करेगा और आने वाले दिनों में सत्ताधारी नेताओं को गांवों में पूरी तरह से घेर लिया जाएगा।

महिला शक्ति को समर्पित महिला आरक्षण बिल एक ऐतिहासिक कदम: डॉ.कुलराज सिंह

रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब

बठिंडा,17 अप्रैल (रघुनंदन पराशर): भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में महिलाओं के लिए महिला आरक्षण बिल पास करने पर बठिंडा के सीनियर भाजपा नेता डॉ. कुलजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करके अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि इस बिल के पास होने से अब लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे देश का लोकतंत्र मजबूत होगा। उन्होंने इस महिला आरक्षण बिल को देश की महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि केंद्र सरकार का यह फैसला देश में महिलाओं को राजनीतिक रूप से शक्तिशाली बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को ऊंचा स्थान दिया गया है और यह बिल उस परंपरा को आगे बढ़ाने का काम करेगा। जिससे आने वाले समय में महिलाएं राजनीति में और बड़ी भूमिका निभाएंगी और समाज के विकास में अहम योगदान देंगी। महिला सशक्तिकरण को समर्पित इस बिल का स्वागत करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इससे भारत तरक्की के नए स्टैंडर्ड तय करेगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'साधना सप्ताह-2026' में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले मंत्रालयों और राज्यों को सम्मानित किया

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार) एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने साधना सप्ताह-2026 समारोह में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले मंत्रालयों, विभागों और राज्यों को सम्मानित किया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पुरस्कार प्रणाली को व्यक्तिगत प्रोफाइलिंग से हटाकर प्रमुख कार्यक्रमों से जुड़े प्रदर्शन और जिला स्तर पर जटिल चुनौतियों के समाधान पर केंद्रित किया गया है, जो शासन में परिणाम-आधारित मूल्यांकन की ओर एक बदलाव का संकेत है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भागीदारी की व्यापकता पर कहा कि सप्ताह भर चलने वाली इस पहल में 31.8 करोड़ से अधिक लोगों ने पाठ्यक्रम पूरे किए, जिसमें लगभग 47 लाख सरकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। इनमें से 33 लाख से अधिक लोगों ने निर्धारित चार घंटे का प्रशिक्षण पूरा किया। यह गतिविधि पिछले राष्ट्रीय शिक्षा सप्ताह की तुलना में लगभग आठ गुना अधिक थी, जो इसकी व्यापकता और सरकारी क्षेत्र में निरंतर सीखने की दिशा में आए बदलाव को दशार्ती है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने "साधना सप्ताह" को "जन-प्रेरित आंदोलन" बताते हुए कहा कि इस पहल ने एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा दिया है जहां विभिन्न स्तरों के अधिकारी मजबूरी के बजाय पेशेवर प्रतिबद्धता के कारण सीखने में संलग्न हैं, जो सिविल सेवाओं के अंदर पेशेवर गौरव और आत्म-सुधार की दिशा में एक व्यापक बदलाव में योगदान दे रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह पहल उल्लेखनीय रूप से समावेशी रही है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ ग्रुप सी और डी के कर्मचारियों और फ्रंटलाइन कार्यकताओं की भी मजबूत भागीदारी रही है। इससे इस विचार को बल मिलता है कि क्षमता-निर्माण में पदानुक्रम की सीमाओं को पार करना आवश्यक है और इससे सेवा वितरण और जन विश्वास को सीधे तौर पर मजबूती मिलनी चाहिए।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भूमिका पर भी जोर दिया और विशेष रूप से जमीनी स्तर पर भागीदारी बढ़ाने में उनके नेतृत्व और सक्रिय भागीदारी का उल्लेख किया, जहां बेहतर कौशल का प्रभाव नागरिक-उन्मुख सेवाओं में तुरंत दिखाई देता है।

उन्होंने संस्थागत तंत्रों का जिक्र करते हुए क्षमता निर्माण आयोग के योगदान पर प्रकाश डाला, जो एक अपेक्षाकृत नई पहल है जिसने व्यापक पहुंच और सहयोग को सक्षम बनाया है, जिसमें निजी क्षेत्र के साथ जुड़ाव भी शामिल है, जिससे पूरे सिस्टम में क्षमता-निर्माण प्रयासों को बढ़ाने में मदद मिली है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार प्रशिक्षण के दायरे को विज्ञान प्रशासकों और शिक्षाविदों सहित नए क्षेत्रों तक विस्तारित कर रही है, और सांसदों और मंत्रियों के लिए भी इसी तरह के प्रशिक्षण प्रयासों पर विचार किया जा रहा है, जो शासन की बदलती मांगों के लिए संस्थानों को तैयार करने के व्यापक दृष्टिकोण को दशार्ता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल उपकरणों को भविष्य के लिए तैयार शासन के प्रमुख साधन बताया। सरकारी कर्मचारी बदलते परिवेश के साथ तालमेल बिठाने के लिए उभरती हुई दक्षताओं को तेजी से अपना रहे हैं। उन्होंने आगाह किया कि प्रौद्योगिकी को मानवीय विवेक का पूरक होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सत्यनिष्ठा सार्वजनिक सेवा का मूलमंत्र है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने सरकार के शिक्षण मंच के "प्राचीन" शुरूआत से लेकर व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले इंटरफेस में विकसित होने की ओर भी इशारा किया, जो विभागों में बड़े पैमाने पर भागीदारी और निरंतर जुड़ाव का समर्थन करता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंत्रालयों, राज्यों, प्रशिक्षण संस्थानों और इकोसिस्टम के भागीदारों सहित पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की मान्यता व्यापक मिशन कर्मयोगी ढांचे के लिए मानदंड स्थापित करती है और शासन के अभिन्न अंग के रूप में निरंतर सीखने की भावना को आगे बढ़ाने की आवश्यकता को सुदृढ़ करती है। ये घटनाक्रम क्षमता-निर्माण को एक सतत प्रक्रिया के रूप में संस्थागत रूप देने के लिए केंद्र के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करते हैं, जिसमें सीखने के परिणामों को शासन प्रदर्शन से जोड़ा जाता है और साथ ही उभरती तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियों के लिए सिविल सेवाओं को तैयार किया जाता है।

मानव एकता दिवस: सेवा और आध्यात्मिक समरसता का पावन अवसर, संत निरंकारी मिशन

(पंजाब जैतो रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो ,17 अप्रैल : जब मानव हृदय में प्रेम की मधुर धारा अविरल प्रवाहित होती है और आत्मा एकत्व के दिव्य स्पंदन से आलोकित होती है, तभी मानवता का वास्तविक और पावन स्वरूप प्रकट होता है। यह वही स्थिति है जहाँ समस्त भेदभाव स्वतः विलीन हो जाते हैं और करुणा, समरसता तथा सार्वभौमिक भाईचारे का भाव जीवन्त हो उठता है। इसी दिव्य आध्यात्मिक चेतना को साकार करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में ह्यमानव एकता दिवसह्ण 24 अप्रैल 2026 को श्रद्धा, समर्पण और प्रेममय वातावरण में आयोजित किया जाएगा, जो संपूर्ण मानव जाति को एकत्व, सेवा और सद्भाव का अमूल्य संदेश प्रदान करेगा।

संत निरंकारी मिशन जोन फिरोजपुर के जोनल इंचार्ज श्री एन एस गिल ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया के मानव एकता दिवस को समर्पित संत निरंकारी सतसंग भवन सादिक (फरीदकोट)में 10.00से 2.00 बजे तक विशाल खूनदान कैम्प लगाया जा रहा है जिसमे सादिक ओर उसके आस पास की ब्रांचो की संगत अपना भरपूर योगदान देगी।संत निरंकारी सतसंग भवन कोटकपूरा के संयोजक सुरिंदर अरोड़ा और जैतो ब्रांच के मुखी अशोक धीर ने जानकारी देते हुए बताया के मानव एकता दिवस का पवितर दिहारा सत्संग रूप में

संयोजक स्तर पर संत निरंकारी सत्संग भवन कोटकपूरा में 24 अप्रैल शाम 5. 00 से 7.30 बजे तक मनाया जायेगा जिस में कोटकपूरा, जैतो, बरगाडी, मडाक , सिखावाला, पंजगराई की संगते शामिल होंगी।सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरोवर के सम्मुख ग्राउंड नं. 2 में एक भव्य एवं दिव्य सत्संग का आयोजन किया जाएगा, जहाँ श्रद्धालु भक्त प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिकता के अद्वितीय संगम का अनुभव करेंगे। यह पावन अवसर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति का उत्सव होगा, जो प्रत्येक हृदय को ईश्वरीय एकत्व के अनुभव से जोड़ते हुए आंतरिक शांति और संतोष की अनुभूति कराएगा।इसके साथ ही देश-विदेश की विभिन्न शाखाओं में भी श्रद्धालु भक्त एकत्रित होकर इस दिव्य सत्संग को गहन आत्मिक भाव से साकार करेंगे। इस पावन संगम के माध्यम से हर हृदय प्रेम, शांति और भाईचारे के प्रकाश से आलोकित होगा तथा मानवता की एकसूत्रता का संदेश विश्वभर में प्रसारित होगा।

यह पावन दिवस बाबा गुरबचन सिंह जी एवं चाचा प्रताप सिंह जी की दिव्य स्मृति को समर्पित है, जिनका सम्पूर्ण जीवन त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की अद्वितीय मिसाल रहा है। उन्होंने अपने आचरण और विचारों के माध्यम से मानवता को प्रेम, विनम्रता और परोपकार का सच्चा मार्ग दिखाया। उनके दिव्य आदर्श आज भी प्रत्येक हृदय में सेवा, भक्ति और एकत्व की ज्योति प्रज्वलित करते हैं, और मानव मात्र को यह प्रेरणा देते हैं कि सच्ची साधना केवल शब्दों में नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, करुणा और आपसी भाईचारे के भाव में निहित हैं।

दिल्ली के मुख्य आयोजन स्थल पर प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान शिविर गहन श्रद्धा, समर्पण और सेवा-भाव के साथ आयोजित किया जाएगा। इस पावन सेवा यज्ञ में विभिन्न अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सक एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की समर्पित टीम अपनी विशेषज्ञता और करुणा के साथ सेवा प्रदान करेगी, जिससे यह प्रयास मानवता के प्रति संवेदनशीलता का सजीव उदाहरण बनेगा।

संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा के अनुसार, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों में हजारों श्रद्धालु निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा हेतु अपना अमूल्य योगदान अर्पित करेंगे। यह सेवा न केवल जरूरतमंदों के जीवन में नई आशा का संचार करती है, बल्कि दान करने वाले के हृदय में भी आत्मिक संतोष, शांति और कृतार्थता का दिव्य अनुभव उत्पन्न करती है।उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मिशन रक्तदान के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है जहां 4 दशकों से रक्तदान का सफल आयोजन किया जा रहा है। मिशन का स्वयं का ब्लड बैंक मुंबई में निरंतर परोपकार और सेवा-भाव के साथ अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। विगत वर्षों में आयोजित हजारों रक्तदान शिविरों के माध्यम से अनगिनत जीवनों को नया संबल और जीवनदान प्राप्त हुआ है।निःसंदेह, यह पुण्य प्रयास सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की दिव्य शिक्षाओं का सजीव एवं प्रेरणादायी प्रतिबिंब है, जो मानव हृदय में प्रेम, एकत्व और सह-अस्तित्व की पावन ज्योति प्रज्वलित करता है। उनकी करुणामयी प्रेरणा प्रत्येक व्यक्ति को यह अनुभूति कराती है कि सच्चा जीवन वही है, जो सेवा, विनम्रता और आपसी सद्भाव के मार्ग पर अग्रसर होगा।

सौर तंतुओं में एक साथ होने वाले दोलनों से उनके गुणधर्मों के बारे में नए सुराग मिले

खगोलविदों द्वारा किए गए एक नए अध्ययन ने सौर तंतुओं के दोलनों का विश्लेषण करके उनके छिपे हुए भौतिक गुणधर्मों का अनुमान लगाने की एक शक्तिशाली विधि का पता लगाया है, जिससे सूर्य की चुंबकीय संरचना के बारे में गहरी जानकारी मिलती है।

सूर्य के वायुमंडल में निलंबित ठंडे प्लाज्मा के विशाल बादल, जिन्हें सौर तंतु कहा जाता है, चुंबकीय क्षेत्रों द्वारा स्थिर रहते हैं। चुंबकीय क्षेत्र की शक्ति, आकार और आंतरिक संरचना जैसे उनके गुणों को समझना सौर विस्फोटों तथा अंतरिक्ष मौसम के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है, जो पृथ्वी पर उपग्रहों, संचार प्रणालियों और बिजली ग्रिडों को प्रभावित कर सकते हैं।

यद्यपि, इन गुणधर्मों को प्रत्यक्ष रूप से मापना अत्यंत चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। वैज्ञानिक इसके बजाय सौर तंतुओं में होने वाले दोलनों की व्याख्या करने वाली प्रोमिनेंस सीस्मोलॉजी नामक एक तकनीक पर निर्भर करते हैं, ताकि उनकी आंतरिक स्थितियों का अनुमान लगाया जा सके, ठीक उसी तरह जैसे भूकंपों का उपयोग पृथ्वी के आंतरिक भाग के अध्ययन के लिए किया जाता है। आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज (एआरआईईएस) के शोधकताओं ने दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और स्पेन के इंस्टीट्यूट डी एस्ट्रोफिसिका डी कैनारियास के सहयोगियों के साथ मिलकर इस दृष्टिकोण को एक कदम आगे बढ़ाया है।

उपासना बावेजा, वैभव पंत, इनीगो अरेगुई और एम. सलीम खान की टीम ने उन दुर्लभ मामलों का अध्ययन किया जहां सौर तंतुओं में एक साथ देशांतरीय और अनुप्रस्थ दोलन प्रदर्शित होते हैं। ये दोहरे दोलन तंतु के भौतिक मापदंडों को सटीक रूप से निर्धारित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं।

बेयसियन विश्लेषण नामक उन्नत सांख्यिकीय विधियों का उपयोग करते हुए, टीम ने इन तंतुओं के प्रमुख गुणों का अनुमान लगाने के लिए अवलोकन डेटा को सैद्धांतिक मॉडल के साथ संयोजित किया।

सौर तंतुओं के दोलनों के बायेसियन विश्लेषण से प्राप्त सीमांत संभाव्यता वितरण। पैनल [ए] चुंबकीय क्षेत्र की प्रबलता का प्रायिकता वितरण दशार्ता है, जबकि पैनल [बी] फ्लक्स ट्यूब की लंबाई का संभाव्यता वितरण दशार्ता है। वक्र विभिन्न पूर्व मान्यताओं, एकसमान (डेश डौटेड), गाऊसी (डौटेड) और गामा (डैश्ड) के अनुरूप हैं, जो अनुमानित भौतिक मापदंडों पर पूर्व ज्ञान के प्रभाव को दशार्ते हैं।

उनके विश्लेषण से पता चला कि प्लाज्मा घनत्व की सीमित जानकारी के साथ भी तंतुओं को धारण करने वाले चुंबकीय क्षेत्र की संभावित सीमा का मजबूती से अनुमान लगाया जा सकता है।

कांग्रेस ने महापुरुषों को कभी नही दिया हक का सम्मान : पंकज तेकाम

समाज जागरण

अनूपपुर। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज तेकाम अनूपपुर जिले के प्रवास पर पहुंचे। जगह-जगह कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। 16 अप्रैल को अनूपपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के पिछड़ने का सबसे बड़ा कारण देश-प्रदेश में कांग्रेस की सरकारें रहीं। कांग्रेस ने हमारे बच्चों को पढ़ाई-रोजगार से वंचित रखा और महापुरुषों को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। एक परिवार के नाम पर पूरे देश में प्रतिमाएं लगवाईं, लेकिन आजादी की लड़ाई में बलिदान देने वाले जनजातीय महापुरुषों को भुला दिया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमोल सिंह मार्को सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जगह-जगह भव्य स्वागत

प्रदेश अध्यक्ष का बदरा, फुनगा, कोतमा, बिजुरी सहित अन्य स्थानों पर जोरदार स्वागत हुआ। बदरा में मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू, सरपंच सूर्यभान सिंह ने अभिनंदन किया।

संगठन सशक्तिकरण पर जोर

श्री तेकाम ने कहा कि यह उनका अनूपपुर का पहला प्रवास है। कार्यकताओं से संगठन की स्थिति व सरकार की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा, जनजातीय क्षेत्र में संगठन को मजबूत बनाएंगे और योजनाओं का लाभ समय पर दिलवाएंगे।

कांग्रेस पर प्रहार

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 60-70 वर्षों में जनजातीय महापुरुषों की तस्वीरें क्यों नहीं लगाई गईं? नाखून कटवाने वालों की प्रतिमाएं लगाकर परिवारवाद को बढ़ावा दिया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने दी।

जनजातीय मोर्चे का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न

भाजपा सरकार जनजाति समाज के चहुमुखी विकास के लिए किये अनेको काम:पंकज टेकाम

समाज जागरण

उमरिया। भारतीय जनता पार्टी के भरौली स्थित कार्यालय में अनुसूचित जनजाति मोर्चा का जिला सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह टेकाम ने शिरकत की कार्यक्रम के अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष कैलाश सिंह, भाजपा उपाध्यक्ष धनुषधारी सिंह, महामंत्री राधेलाल कोल, भाजपा पूर्व कार्य समिति सदस्य ज्ञानवती सिंह,राजेंद्र कोल, लक्ष्मण सिंह मंचासीन रहे।जनजाति मोर्चा जिला सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष कैलाश सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि उमरिया जिले की धरती पर वह माननीय प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम और उनके साथ चल रहे प्रदेश पदाधिकारी सहित जिले के पदाधिकारी और कार्यक्रम में सम्मिलित होने आए जिले के जनजाति भाइयों-बहनों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने जनजाति मोर्चे के कार्यकताओं को कहा कि प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम हमारे पड़ोसी जिले के रहने वाले हैं वह एक संघर्षशील व्यक्तित्व हैं। उनके नेतृत्व में उमरिया जिला ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में जनजाति समाज को ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। आज ज्यादा से ज्यादा जनजाति समाज भाजपा संगठन से जुड़ा हुआ है यही वजह है कि लगातार जनजाति बाहुल्य सीटों में हमारे पार्टी के लोग चुनाव जीतकर आ रहे हैं। आने वाले समय में जनजाति समाज के लगभग सभी लोग भाजपा के विचारधारा से जुड़कर देश और प्रदेश के विकास में सहभागी बनेंगे। उन्होंने सभी जनजाति भाइयों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह टेकाम ने कहा कि उनका उमरिया जिले में यह दूसरा दौरा है पिछले बार वह अल्प समय के लिए उमरिया पहुंचे थे। लेकिन इस बार उनका दौरा कार्यक्रम वृहद रूप से रहा है। जिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारा संगठन कार्यकर्ता आधारित संगठन है जिसमें कार्यकताओं की भागीदारी ही प्रमुख है। उन्होंने कहा कि हमारे जनजाति मोर्चे के कार्यकर्ता भाजपा के विचारों को आम जनता के बीच लेकर जाएं और उन्हें हमारे संगठन के विचारों से अवगत कराए। एक भाजपा ही ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिन्होंने हमारे जनजाति समाज के महापुरुषों भगवान बिरसा मुंडा, रघुनाथ शाह, शंकर शाह सहित हमारे तमाम महापुरुषों को याद कर उन्हें सम्मान देने का काम किया है। इसके अलावा जनजाति समाज के उत्थान और उन्हें संवारने का काम भाजपा सरकार ने किया है। आज हमारा समाज अन्य वर्गों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में हम प्रयास करेंगे कि किसी ग्रामीण क्षेत्र में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ जनजाति समाज के लोगो के साथ बैठकर भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और प्रदेश सरकार के द्वारा जनजाति समाज के उत्थान और विकास के लिए किए गए कार्यों और योजनाओं पर चर्चा कर जानकारी प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम का सफल संचालन जिला मंत्री शैलेन्द्र सिंह ने किया और आभार प्रदर्शन राजेन्द्र कोल ने किया।इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी,सुमित गौतम, अमित सिंह,महामंत्री दीपक छतवानी, जिला मंत्री पूजा बैगा,विष्णु भारती, नगर मंडल अध्यक्ष नीतू चंदिया मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह रघुवंशी ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र द्विवेदी, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप प्रजापति, नगरपालिका चंदिया अध्यक्ष पुरषोत्तम कोल, शुशील गौतम, नितिन बसानी, आशिक बर्मन, अमन बर्मन सहित बड़ी संख्या में जनजाति मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिला वाल विकास विभाग में वाटर फिल्टर (केन्ट आर ओ) के नाम पर हो गया खेला

- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की भराशाही रवैये से लग रहा पलीता
- बीस लीटर पानी टंकी से चल रहा आर ओ सवालों के घेरे में

समाज जागरण

उमरिया --- उमरिया जिले के महिला वाल विकास विभाग के सक्षम आंगनवाड़ियों जिनकी संख्या प्रथम चरण में तकरीबन 116 हैं इन सक्षम आंगनवाड़ियों में आने वाले बच्चों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मध्यप्रदेश सरकार के व्दारा आज से लगभग 6 माह पूर्व वाटर फिल्टर (केन्ट आर ओ) लगवाये जाने हेतु आवश्यक आदेश और धन राशि उपलब्ध करायी गयी थी, जिससे आंगनवाड़ियों में बच्चों को शुद्ध पीने का पानी मिले सकें , और बच्चों को जल जनित बीमारियों से बचाते हुए कुपोषित जैसे गंभीर संकट से बचाया जा सकें। इसके पीछे सरकार की मंशा थी कि जब बच्चे स्वास्थ्य होगें तो उनके मानसिक और शारीरिक विकास में आ रही बाधाओं से सहजता से निपटा जा सकेंगा, लेकिन यह संभव नहीं हो सका ।इन वाटर फिल्टर (आर ओ) का संचालन आज तक किसी भी आंगनबाड़ी केन्द्र मे सुचारू रूप से संचालन नहीं किया जा सका। वाटर फील्टर (आर ओ) के संचालन के लिए जिले में स्थापित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पी एच ई) को इन आंगनबाडियो में नल कनेक्शन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गई थी ,यद्यपि सभी आंगनबाड़ी केन्दो में वैसे भी पी एच ई को नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के शासन के मापदंडो में पहले से ही शामिल हैं , लेकिन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की भरेशाही और खाऊ प्रवृत्ति ने तो नल जल योजना का ही बंटाधार कर के रख दिया है, तो यह तो उसका एक अंश ही है।लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कार्य शैली के कारण मध्यप्रदेश सरकार की यह योजना पहले से ही दम घोंट कर रख दी है तो सक्षम आंगनवाड़ियों में शुद्ध जल उपलब्ध कराने की उत्तम व्यवस्था कैसे साकार हो सकती है। फलतः सक्षम आंगनवाड़ियों में जल उपलब्ध कराने की योजना आज भी खटाई में पडती दिखाई दे रही है। बताया जाता है कि अधिकांश आंगनबाड़ी केन्दो में आज भी नल कनेक्शन सुविधा मुहैया नहीं करायी गयी है , जिससे शासन की महती योजना का काम अधर में लटका हुआ है इसी तरह जिन आंगनबाड़ी केन्दो में गाहे बगाहे नल कनेक्शन उपलब्ध है तो वहां पर भी बच्चों को शुद्ध जल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। बताया जाता है कि बच्चों को शुद्ध जल उपलब्ध कराने में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ ही महिला बाल विकास विभाग की खुद की करतूतें भी बच्चों के शुद्ध जल उपलब्ध कराने में बाधा बनी हुई है।जिन सक्षम आंगनबाड़ियो में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने नल कनेक्शन उपलब्ध करा भी दिया है वहाँ पर महिला बाल विकास विभाग पानी की टंकी की व्यवस्था ही नहीं कर पायी है , जहाँ पर पानी टंकी है तो उसमें कनेक्शन नहीं है । इस प्रकार से देखा जाये तो कहीं पर भी नौनिहालों को शुद्ध जल पीने के लिए नहीं उपलब्ध कराया जा रहा है।मध्यप्रदेश शासन द्वारा बच्चों के लिए चलायी गयी यह महत्वपूर्ण जल प्रदाय योजना भी अन्य योजनाओं के समान महिला बाल विकास विभाग के कतिपय अधिकारियों के कमायी का एक हिस्सा बनकर रह गया है। मध्यप्रदेश सरकार आंगनबाड़ियो को बेहतर और सक्षम बनाने के लिए नित नयी सामग्रियों और धन राशि उपलब्ध करा कर योजनाओं को लागू करने का बीड़ा उठायी है लेकिन सही तरह से जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन न होने के कारण इसका वास्तविक कोई लाभ बच्चों को नहीं मिल पा रहा है ।

महिला वाल विकास अधिकारी एवं परियोजना अधिकारियों की निरंकुशता एवं भष्ट कार्य नीति का इससे अधिक कोई प्रमाण नहीं हो सकता की अधिकारी पैसा हजम करें और सुपरवाइजर एवं आंगनवाड़ी कार्यकताओं के ऊपर दबाव बना कर योजना के बेहतर क्रियांवित कराने के निर्देश दिए जाये, कि किसी भी प्रकार से बिजली कनेक्शन करवाए एवं आर ओ का उपयोग करे। ध्यान देने योग्य है कि महिला वाल विकास विभाग के अधिकारियों को इतना भी ज्ञान नहीं है कि आर ओ कुशल संचालन के लिए पानी की टंकी का होना अनिवार्य है, जिससे 20 लीटर शुद्ध पानी के लिए कम से कम 100 लीटर पानी टंकी होने पर ही 20 लीटर पानी उपलब्ध हो सकता है ,जिसके लिए पानी टंकी की अनिवार्य होती है।शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को मुगालते में रखने के लिए लिए आंगनबाड़ी केन्दो में महज 20 लीटर स्टील की टंकी जो आंगनबाड़ी केन्दो में पहले से उपलब्ध है उसी से आर ओ का कनेक्शन कर उसे संचालित बता कर जिले स्तर के महिला बाल विकास अधिकारी अपने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को ऊल्लू बना कर अपनी पीठ थपथपा रही है, जो कि असलियत से कोसों दूर है।

पार्टनरशिप के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप, 7 साल से भुगतान के लिए भटक रहा पीड़ित

दैनिक समाज जागरण अनूपपुर प्रतिनिधि

अनूपपुर। व्यापार में साझेदारी के नाम पर धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है, जिसमें जैतहरी निवासी एक व्यवसायी पिछले सात वर्षों से अपने बकाया भुगतान के लिए अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर है।

पीड़ित आकाश जैन, जो जैतहरी में ह्लजैन किराया भंडारह्व के नाम से टेंट सामग्री किराये पर देने का कार्य करते हैं, ने शिकायत में बताया कि वर्ष 2019 में अनूपपुर के टेंट व्यवसायी राधेश शिवहरे ने उनसे संपर्क कर लोकसभा चुनाव के बड़े कार्य में साझेदारी का प्रस्ताव दिया था। शिवहरे ने करीब एक करोड़ रुपये के कार्य में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी देने का वादा किया और आवश्यकतानुसार टेंट सामग्री उपलब्ध कराने को कहा।

विश्वास में आकर आकाश जैन ने 23 मार्च 2019 से अपने गोदाम से लगातार सामग्री उपलब्ध कराना शुरू कर दिया। पीड़ित के अनुसार, बाद में शिवहरे ने मात्र 70 हजार रुपये नगद देकर पूरा भुगतान करने का आश्वासन दिया, लेकिन इसके बाद उन्हें कोई राशि नहीं दी गई।

आकाश जैन का आरोप है कि लगातार भुगतान की मांग करने पर उन्हें टालमटोल किया गया और बाद में धमकियां भी दी गईं। उन्होंने कई बार जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से मौखिक शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

पीड़ित ने बताया कि जनसुनवाई में शिकायत के बाद अपर कलेक्टर द्वारा भी भुगतान कराने के निर्देश दिए गए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अब तक उनका बकाया नहीं मिला। बाद में सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी से पता चला कि संबंधित चुनावी कार्यों का भुगतान हो चुका है।

अब पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लगभग 8 लाख रुपये का बकाया दिलाने की मांग की है। फिलहाल मामले में कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है, जिससे पीड़ित परिवार न्याय की आस में दर-दर भटकने को मजबूर है।

बकहो में रेत माफिया का 'डबल शिफ्ट' खेल, प्रशासन पस्त ! खनिज और पुलिस विभाग मौन ?

समाज जागरण विजय तिवारी

शहडोल/बकहो:-जिले में खनिज संपदा की सरेआम लूट मची है लेकिन राजस्व एवं खनिज अम्ल द्वारा समुचित कार्यवाही नहीं की जा रही है और पुलिस प्रशासन भी बालू माफियाओं को संरक्षण दे रही है ।बकहो के साबो रेत घाट पर कानून के इकबाल को चुनौती देते हुए रेता माफिया रात 3 बजे से सुबह 8 बजे तक तांडव मचा रहा है। हैरानी की बात यह है कि जब गश्त और सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, ठीक उसी वक्त सैकड़ों की तादाद में रेत से लदे ट्रैक्टर सड़कों पर दौड़ रहे होते हैं।

दोपहर में भी जारी है 'लूट' का खेल:-

माफियाओं का दुस्साहस यहीं नहीं थमता। एक तरफ रात के अंधेरे में साबो घाट को खोदा जा रहा है, तो

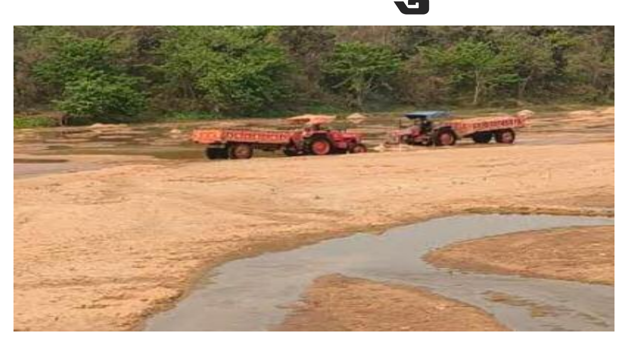

दूसरी तरफ एक अन्य रेत कारोबारी दोपहर की कड़ी धूप में 2 से 2:30 बजे के बीच बेखौफ होकर अवैध उत्खनन को अंजाम दे रहा है। ऐसा लगता है जैसे माफियाओं ने प्रशासन की समय सारणी (Time Table) को समझ लिया है और अफसरों की नाक के नीचे से पीली मिट्टी को सोने के भाव बेच रहे हैं।

इन सवालों का जवाब कब मिलेगा? पुलिस की गश्त कहाँ है? क्या 5 घंटे तक चलने वाले इस खेल की भनक स्थानीय थाने को नहीं है?

खनिज विभाग की खामोशी का राज क्या है? क्या केवल कागजी कार्रवाई के लिए विभाग बैठा है?

राजस्व विभाग की टीमें कहाँ सो रही हैं? दिन के उजाले में हो रहे उत्खनन पर पटवारी और तहसीलदार मौन क्यों हैं? *अब समय कागजी खानापूर्ति का नहीं, बल्कि 'बुलडोजर' वाली कार्रवाई का है। क्षेत्र की जनता मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से मांग कर रही है कि इन माफियाओं के वाहनों को राजसात किया जाए और इनके पीछे बैठे सफेदपोशों को बेनकाब किया जाए। शहडोल जिले के अंतर्गत अमलाई क्षेत्र में कबाड़ माफिया एवं रेत माफिया पुलिसिया संरक्षण में अपना कारोबार फैला रहे हैं। कुछ महीनो पूर्व जब स्थानीय थाने में भूपेंद्र मणि पांडे ने कारभार संभाला तो ऐसा लगा कि अब अवैध कारोबार पर कुछ हद तक अंकुश लग जाएगा लेकिन अब तो अवैध कारोबार पहले से भी आसानी तरीके से संचालित किए जा रहे हैं। रेत खदान का ठेका चालू न होने के कारण अमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत अनेक घाट एवं नदी नालों से वेधड़क ट्रैक्टरों को माध्यम से रेत का अवैध खनन एवं परिवहन किया जा रहा है।

आशुतोष का सुयश, 12वीं में 79.9% अंक हासिल कर बढ़ाया मान

दैनिक समाज जागरण

अमलाई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलाई कालरी के कक्षा 12वीं के छात्र आशुतोष तिवारी ने हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा (विज्ञान संकाय) में 79.9 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय एवं परिवार का नाम गौरवान्वित किया है।

आशुतोष तिवारी, इंदिरा नगर निवासी संतराम तिवारी के पौत्र, भाजपा नेता सतीश तिवारी के भतीजे एवं पत्रकार विजय तिवारी के सुपुत्र हैं।

छात्र की इस सफलता पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय की प्राचार्य जरमिन इक्का, सत्य कुमार त्रिपाठी, लाल बहादुर नापित सहित अन्य शिक्षकों ने बधाई देते हुए छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

तरईगांव में नवीन आदिम जाति सेवा सहकारी समिति का वर्चुअली शुभारम्भ

समाज जागरण विजय तिवारी

पेंड्रा ।जीपीएम जिले के अंतर्गत तरईगांव में नवीन आदिम जाति सेवा सहकारी समिति पंजीयन क्रमांक 10 का वर्चुअल शुभारम्भकिया गया।

उक्त कार्यक्रम जिला पंचायत सदस्य पवन पैकरा के मुख्य आतिथ्य एवं आरपी कोरी की अध्यक्षता तथा पूर्व ईफको सदस्य नई दिल्ली द्वारिका प्रसाद सोनी, मंडल महामंत्री गौरेला घनश्याम राठौर, जिला पंचायत की सहकारिता समिति के सभापति भवंर सिंह गोवास, सरपंच तरईगांव राहुल सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को अतिथियों द्वारा सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सीसीबी शाखा प्रबंधक पेंड्रारोड शिवकुमार मिश्रा एवं आभार समिति प्रबंधक गौरेला हेमराज साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर रामखिलावन गुर्जर, पूर्व सरपंच श्रीपाल सिंह, मिलन सिंह राठौर, लालकुमार मांझी, शुभम साहू, अरविंद उर्मिलिया आरएइओ तथा क्षेत्र के कृषक उपस्थित रहे।

खनिजों के अवैध उत्खनन-परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम में लगातार विभागीय कार्यवाही जारी :- 02 वाहन जप्त

समाज जागरण

उमरिया ।जिले में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुवेर्दी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में 01 ट्रैक्टर ट्राली जप्त किया गया । वाहन स्वामी विपुल पटेल पिता अशोक पटेल पता- ग्राम सलैया तहसील मानपुर जिला उमरिया (म.प्र.) ट्रेक्टर वाहन क्रमांक MP54ZC4773 मय ट्राली जिसे पुलिस चौकी अमरपुर में शासकीय सुरक्षा में रखवाया गया है । वाहन इसी प्रकार खनिज मुरूम मिट्टी के अवैध परिवहन में 01 ट्रैक्टर ट्राली रजिस्ट्रेशन क्रमांक MP54ZC9557 वाहन स्वामी रामप्रताप काछी पिता सुखाडी काछी ग्राम भरौला तहसील बांधवगढ़ जिला उमरिया (म.प्र.) को जप्त किया गया है, जिसे पुलिस थाना कोतवाली उमरिया में शासकीय सुरक्षा में रखवाया गया है। उक्त वाहनो पर पर म.प्र. खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है तथा संयुक्त अमले द्वारा कलेक्टर के निर्देशन में लगातार सघन जॉच की जा रही है।

पुलिस की जुआ पर कार्यवाही, 5 हजार से अधिक नगदी एवं वाहन जप्त

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

शहडोल। गुरूवार को थाना सोहागपुर पुलिस द्वारा अवैध जुआ खेलने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। सोहागपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मैकी में नाला किनारे एक खेत में कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों से रुपए पैसों की हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची एवं घेराबंदी कर 04 आरोपियों को मौके से पकड़ लिया, जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया था जिसे भी मौके से पकड लिया गया है उक्त कार्यवाही के दौरान पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से कुल 5,180/- रुपये नगद एवं जुआ खेलने में प्रयुक्त सामग्री जप्त की गई। साथ ही मौके पर खड़ी 03 मोटरसायकल एवं एक स्कूटी (कुल अनुमानित कीमत लगभग 1,25,000/- रुपये) को भी जप्त किया गया। सभी आरोपी 1. जोगेन्द्र बैगा निवासी मैकी, 2. सद्दाम अली निवासी शहडोल, 3. दिग्विजय उर्फ लाला चौहान निवासी जमुई, 4. उमेश नापित निवासी कोटमा, 5.मुनेश बैगा निवासी मैकी थाना सोहागपुर जिला शहडोल के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। चूंकि अपराध जमानती प्रकृति का है, अतः आरोपियों को विधिवत नोटिस देकर न्यायालय में उपस्थित होने हेतु पाबंद किया गया है।

पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता

पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के बीच, भारत सरकार नियमित सूचनाओं के माध्यम से नागरिकों को सूचित रखने के अपने प्रयास जारी रखे हुए है। इसी क्रम में, आज राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में एक मीडिया प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने ईंधन की उपलब्धता, समुद्री संचालन, क्षेत्र में भारतीय नागरिकों को दी जा रही सहायता और समग्र स्थिरता बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे उपायों के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान की। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, होर्मुज जलडमरूमध्य से संबंधित मौजूदा स्थिति के मद्देनजर, देश भर में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है।

संकुल स्तरीय संगठन बटौंधा में राशि में धांधली के आरोप

नोडल सहित अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष को नोटिस जारी, एफआईआर की चेतावनी

समाज जागरण

डिंडौरी / प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोरी जिले में संचालित मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एक बार फिर विवादों में घिर गया है। संकुल स्तरीय संगठन सीएलएफ बटौंधा में वित्तीय अनियमितताओं एवं महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायतों के बाद जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। मामले को लेकर प्रशासन ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संबंधितों से जवाब तलब किया है। सूत्र बताते हैं कि यह मामला ओमप्रकाश धुर्वे, विधायक शहपुरा एवं पूर्व मंत्री, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्राप्त शिकायत के बाद प्रकाश में आया। शिकायत के आधार पर जांच समिति गठित कर विस्तृत जांच करवाई गई। जांच प्रतिवेदन के अनुसार संकुल स्तरीय संगठन बटौंधा से 24,56,000 रुपये की राशि अवैधानिक रूप से आहरित कर अनुचित लाभ प्राप्त किया गया। रिपोर्ट में उल्लेख है कि यह कृत्य शासन के नियमों के विपरीत है और गबन की श्रेणी में आता है। जांच में यह भी पाया गया कि सीएलएफ की अध्यक्ष ललिता धुर्वे एवं कोषाध्यक्ष चम्मनबाई द्वारा उक्त राशि का आहरण टीके दास ब्लाक प्रबंधक सीएलएफ नोडल, आजीविका मिषन डिंडौरी के संज्ञान में रहते किया गया। साथ ही महिलाओं को नियमों के विपरीत राशि निकालने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित किए जाने की बात भी सामने आई है। प्रशासन ने अपने नोटिस में स्पष्ट किया है कि शासकीय राशि का अनुचित आहरण मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन है। इस मामले को गंभीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी है। नोडल अधिकारी टीके दास द्वारा राशि आहरण संज्ञान में होने के बावजूद अप्रत्यक्ष रूप से सीएलएफ की महिलाओं को फायदा पहुंचाया गया है।

ब्लैकलिस्ट करने व वसूली की कार्रवाई की दी गई चेतावनी

नोटिस में संबंधित पक्षों से पूछा गया है कि क्यों न सीएलएफ को ब्लैकलिस्ट करते हुए गबन की गई राशि की वसूली की जाए। समाधानकारक उत्तर प्रस्तुत न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। प्रशासन ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की भी चेतावनी दी है। संबंधित व्यक्तियों को निर्देश दिया गया है कि वे 08 अप्रैल 2026 को शाम 4.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करें। समय-सीमा में संतोषजनक उत्तर न मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार का भी आरोप

वित्तीय अनियमितताओं के साथ-साथ सीएलएफ बटौंधा से जुड़ी महिलाओं ने अभद्र व्यवहार की शिकायत भी दर्ज कराई है। इस पहलू को भी जांच में शामिल किया गया है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

अनुराधा ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

समाज जागरण

बरगवां। ओरिएंट पेपर मिल्स शिक्षण केंद्र की कक्षा दसवीं की छात्रा कुमारी अनुराधा मिश्रा ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 82 प्रतिशत अंक अर्जित करते हुए विद्यालय एवं परिवार का नाम गौरवान्वित करते हुए क्षेत्र का नाम बढ़ाया है। छात्रा ने टोटल 6 विषयों में पांच विषयों में विशेष योग्यता अर्जित की है। विदित हो कि कुमारी अनुराधा सीमित संसाधनों के बीच अपने लग्न एवं परिश्रम के अलावा परिवार एवं शिक्षक शिक्षकों के आशीर्वाद से सफलता हासिल की है उनके पिता आनंद स्वरूप मिश्रा साधारण कर्मचारी हैं और माता वर्षा मिश्रा ग्रहणी है। छात्र ने अपने विद्यालय में सर्वाधिक अंक अर्जित किया है और उनकी सफलता पर प्राचार्य सीमा चतुवेर्दी एवं समस्त स्टाफ ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित की है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को देगा नई दिशा

समाज जागरण

सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026: कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम (संविधान संशोधन अधिनियम, 2023) को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने इसे भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

महिला आरक्षण, प्रावधान और क्रियान्वयन प्रक्रिया पर चर्चा

डॉ. गीता जायसवाल एवं डॉ. दीप्ति सिंह ने कहा कि इस अधिनियम के तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं तथा दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। वर्तमान में संसद में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत है, जो इसके पूर्ण क्रियान्वयन के बाद बढ़कर लगभग 33 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है।

वक्ताओं ने बताया कि यह आरक्षण तत्काल प्रभाव से लागू नहीं होगा, बल्कि इसके लिए जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया आवश्यक है। इसके बाद ही इसे लागू किया जाएगा। यह व्यवस्था प्रारंभ में 15 वर्षों के लिए होगी, जिसे आगे बढ़ाया भी जा सकता है। साथ ही आरक्षित सीटों का रोटेशन प्रत्येक परिसीमन के बाद किया जाएगा तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उप-आरक्षण का प्रावधान भी किया गया है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कफ सिरप तस्करी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, आरोपी के पिता पिट एनडीपीएस एक्ट में निरुद्ध

समाज जागरण / विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026: जनपद में कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कुख्यात तस्कर शुभम जायसवाल के आपराधिक नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए उसके पिता भोला प्रसाद को पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत एक वर्ष के लिए निरुद्ध किया गया है। इस संबंध में 15 अप्रैल 2026 से प्रभावी निरोध आदेश जारी किया गया है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट सोनभद्र के माध्यम से निरोधक प्राधिकारी ने यह कार्रवाई की है। जांच में सामने आया कि भोला प्रसाद अवैध कफ सिरप के डायवर्जन और काले बाजार में बिक्री में सक्रिय रूप से शामिल था।

फर्जी फर्म के जरिए बांग्लादेश तक पहुंच रहा था अवैध कारोबार

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह पूरा नेटवर्क संगठित तरीके से संचालित हो रहा था। इसमें शैली ट्रेडर्स नामक फर्जी फर्म के माध्यम से दवा कंपनी से भारी मात्रा में कोडीन युक्त फेन्साडिल कफ सिरप प्राप्त कर अवैध रूप से विभिन्न स्थानों पर सप्लाई किया जा रहा था, जिसमें बांग्लादेश तक की सप्लाई भी शामिल थी।

अधिकारियों के अनुसार इस अवैध कारोबार से आरोपियों द्वारा भारी आर्थिक लाभ अर्जित किया जा रहा था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सोन नदी में डूबे ट्रक चालक का शव बरामद, परिजनों में कोहराम

समाज जागरण / आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026 गुरुवार को छठ घाट के समीप सोन नदी में नहाने के दौरान डूबे ट्रक चालक का शव काफी खोजबीन के बाद बरामद कर लिया गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय जितेंद्र कुमार पुत्र रामेश्वर, निवासी चाचीबार, फतेहपुर सीकर (राजस्थान), ट्रक चालक था। गुरुवार को उसकी ट्रक मारकुंडी क्षेत्र में खराब हो गई थी.

हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा, मुख्य आरोपी अभय पाल गिरफ्तार

समाज जागरण / विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026: जनपद में वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत घोरावल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत की गई हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी अभय पाल को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में की गई।

पुरानी रंजिश में रची गई हत्या की साजिश

पुलिस के अनुसार, यह मामला 8 दिसंबर 2025 का है, जब घोरावल-खुटहा बाईपास पर एक ट्रक की टक्कर से कार चालक राजेश यादव की मौत हो गई थी। प्रारंभ में यह एक सड़क दुर्घटना प्रतीत हुआ, लेकिन बाद में जांच में यह सुनियोजित हत्या निकली।

जांच में सामने आया कि वर्ष 2023 में मंगल पाल के 9 वर्षीय पुत्र अनुराग पाल के अपहरण एवं हत्या मामले में राजेश यादव मुख्य आरोपी था। इसी रंजिश के चलते बदला लेने की साजिश रची गई।

योजना बनाकर दिया गया घटना को अंजाम

पुलिस पूछताछ में आरोपी अभय पाल ने बताया कि योजना के तहत एक पुराना ट्रक खरीदा गया और घटना वाले दिन खुटहा बाईपास पर घात लगाकर इंतजार किया गया। जैसे ही राजेश यादव वहां पहुंचा, ट्रक से जोरदार टक्कर मारकर उसकी हत्या कर दी गई और आरोपी मौके से फरार हो गए।

17 अप्रैल को गुरेठ मोड़ के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने आरोपी अभय पाल, निवासी रॉबर्ट्सगंज (ट्रक चालक), को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

वैष्णो मंदिर के पास कोयला लोड ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलटा, चालक केबिन में फंसकर घायल

समाज जागरण / अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026: चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत डाला पुलिस चौकी के बाड़ी स्थित वैष्णो मंदिर के समीप शुक्रवार तड़के वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर कोयला लोड ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

तेज रफ्तार और डायवर्सन बना हादसे का कारण

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना लगभग सुबह 3 बजे की है। ट्रेलर हाथीनाला की ओर से आ रहा था और वैष्णो मंदिर के पास बने डायवर्सन पर मोड़ते समय तेज गति के कारण अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराते हुए एसएसएस होटल के सामने पलट गया। हादसे में चालक केबिन में फंस गया।

सूचना मिलते ही डायल 112 पीआरवी टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकालकर एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन भेजा गया।

स्थानीय लोगों ने उठाए सवाल, स्थायी समाधान की मांग

हादसे के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे ओवरब्रिज क्षतिग्रस्त होने के बाद बनाया गया यह डायवर्सन लंबे समय से दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से वैष्णो मंदिर क्षेत्र में सड़क एवं ओवरब्रिज की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि श्रद्धालुओं और आम यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 प्रचार अभियान के तहत विधेयक का सजीव प्रसारण आयोजित

समाज जागरण / आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026: राजकीय महाविद्यालय ओबरा में ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023ह्न प्रचार अभियान के अंतर्गत आज नारी शक्ति वंदन विधेयक के सजीव प्रसारण एवं प्रदर्शन का आयोजन उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में बड़ी स्क्रीन पर संसद का लाइव प्रसारण दिखाया गया, जिसमें महिला आरक्षण और सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर चर्चा को छात्र-छात्राओं ने देखा।

महिला सशक्तिकरण और प्रेरणादायक संदेशों पर जोर

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को राजनीति और नेतृत्व में आगे बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने बताया कि हाल ही में इस कानून की अधिसूचना जारी की गई है, जिससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

हिंदी विभाग की डॉ. बीना यादव ने कविताओं के माध्यम से छात्राओं को प्रेरित किया और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. विभा पांडेय ने महिलाओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किए।

महिला उपलब्धियों पर विशेष चर्चा

डॉ. विभा पांडेय ने कहा कि महिलाएं आज शिक्षा, विज्ञान, खेल, राजनीति, सेना, व्यापार और कला जैसे सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कल्पना चावला, टेसी थॉमस और किरण बेदी जैसी महान महिलाओं के योगदान का उल्लेख करते हुए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. संघमित्रा, डॉ. अंजली, डॉ. सचिन सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की मनमानी, प्राइवेट शिक्षकों के भरोसे चल रही पढ़ाई

समाज जागरण / आदिवासी सुनील त्रिपाठी

कोन/सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026: कोन विकासखंड क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि कुछ विद्यालयों में सरकारी शिक्षकों की अनियमित उपस्थिति के चलते पढ़ाई का जिम्मा प्राइवेट शिक्षकों के भरोसे चल रहा है, जो नियमों के विपरीत माना जा रहा है।

विद्यालय व्यवस्था और मिड-डे मील पर उठे सवाल

ताजा मामला प्राथमिक विद्यालय डोमा द्वितीय, मिश्री गांव का बताया जा रहा है, जहां एक शिक्षामित्र और एक सरकारी शिक्षक तैनात हैं। ग्रामीणों के अनुसार, सरकारी शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय नहीं पहुंचते और केवल औपचारिक उपस्थिति दर्ज कर लौट जाते हैं, जबकि बच्चों की पढ़ाई का अधिकांश भार निजी शिक्षक पर है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मिड-डे मील व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। कई बार रसोई का ताला न खुलने से बच्चों को भोजन नहीं मिल पाता। विद्यालय की दीवारों पर भोजन एवं फल वितरण की जानकारी प्रदर्शित है, लेकिन जमीनी स्थिति अलग बताई जा रही है।

ग्रामीणों की शिकायत पर जांच का आश्वासन

ग्रामीणों द्वारा मामले की जानकारी खंड शिक्षा अधिकारी को दिए जाने पर जांच कराने की बात कही गई। हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्रवाई के बजाय मामले को टालने का प्रयास किया गया।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने भी स्वीकार किया कि विद्यालय संचालन को लेकर पहले भी शिकायतें प्राप्त हुई थीं और निगरानी की जा रही है।

विद्यालय समय और संचालन पर भी आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिनों में विद्यालय समय से पहले बंद कर दिया जाता है। साथ ही, पूर्व में की गई शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

जिम्मेदारों की चुप्पी से बढ़ा असंतोष

मामले में स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई न होने से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ओर सरकार शिक्षा सुधार के बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर लापरवाही इन दावों पर प्रश्नचिन्ह लगा रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

एबीआईसी रेनुसागर की टीम बनी विजेता, इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट सम्पन्न

समाज जागरण

अनपरा/सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026 हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेनुपावर डिवीजन के यूनिट हेड आर.पी. सिंह के मार्गदर्शन में हिंडालको रेनुसागर के तत्वावधान में आयोजित आदित्य बिड़ला इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में एबीआईसी रेनुसागर की टीम ने एबीपीएस रेनुसागर को 60 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में एबीआईसी का दबदबा

स्थानीय आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज के खेल मैदान में खेले गए फाइनल में एबीआईसी रेनुसागर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 8 विकेट पर 125 रन बनाए। अमन ने 47 रन और प्रीत ने 22 रन का योगदान दिया।

जवाब में एबीपीएस रेनुसागर की टीम 13 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट हो गई। एबीआईसी की ओर से आदित्य ठाकुर ने 4 विकेट और अंशु ने 2 विकेट हासिल किए। इस प्रकार एबीआईसी ने 60 रनों से शानदार जीत दर्ज की।

मुख्य अतिथि ने खेल भावना पर दिया संदेश

मुख्य अतिथि एवं हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी समिक बसु ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त मंच है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं।

समापन एवं आयोजन सहयोग

मैच में अंपायर की भूमिका ए.के. राय एवं बी.एल. पाठक ने निभाई, जबकि कमेंट्री सदानंद पांडेय एवं अनुराग तोमर द्वारा की गई। आयोजन में रोहित सक्सेना, रमेश वर्मा और देवेंद्र त्रिपाठी का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर आईटी हेड ललित खुराना, ईआर हेड मृदुल भारद्वाज, मानव संसाधन विभागाध्यक्ष बृजेश कुमार वर्मा, एबीआईसी प्रधानाचार्य बृजेश कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

दुष्कर्म व वीडियो वायरल मामले का फरार आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण / अनिल कुमार अग्रहरी

ओबरा/सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026 दुष्कर्म एवं निजी फोटो-वीडियो वायरल करने के गंभीर मामले में फरार चल रहे अभियुक्त राज जायसवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को 16 अप्रैल 2026 की रात लगभग 11:10 बजे कौशांबी जिले में सैनी थाना क्षेत्र के सामने ओवरब्रिज हाईवे (कानपुर रोड) से उस समय पकड़ा गया जब वह दिल्ली की ओर भागने का प्रयास कर रहा था।

सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो वायरल करने का आरोप

पीड़िता की शिकायत के अनुसार, आरोपी राज जायसवाल (उम्र लगभग 31 वर्ष), निवासी महुआ कोठी सिरसा, थाना मेजा, प्रयागराज ने उसके निजी फोटो एवं वीडियो अपने पास रखकर उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप एवं फेसबुक) के माध्यम से पीड़िता और उसके परिजनों को भेजकर वायरल कर दिया था। विरोध करने पर आरोपी द्वारा लगातार वीडियो दोबारा वायरल करने की धमकी दी जा रही थी, जिससे पीड़िता मानसिक रूप से परेशान थी।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, बरामद हुआ मोबाइल फोन

इस मामले में ओबरा थाने में मुकदमा संख्या 290/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 69, 351(3) तथा आईटी एक्ट की धारा 67 में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी के पास से एक वीवो मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

पुलिस टीम की कार्रवाई

यह गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) अनिल कुमार के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के पर्यवेक्षण में की गई। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

खेल महाकुंभ में महुली के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन, दूसरे दिन दिखी प्रतिभा की चमक

खेल समाचार

दुद्धी/सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026 दुद्धी विकास खंड के अंतर्गत महुली-पोलवा स्थित राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे चार दिवसीय अंतर विद्यालयी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन मैदान में जोश, जुनून और प्रतिस्पर्धा का शानदार संगम देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

खो-खो, कबड्डी और दौड़ में दिखा रोमांच

खो-खो सीनियर बालिका वर्ग में आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल पोलवा द्वितीय स्थान पर रहा।

जूनियर बालिका कबड्डी में पोलवा ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि महुली को द्वितीय स्थान मिला।

सीनियर बालक वर्ग की 400 मीटर दौड़ में आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज के देव पुरोहित ने तेज रफ्तार के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जूडो, शतरंज और कैरम में भी दिखा कौशल

जूडो जूनियर बालक वर्ग में आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

लूडो जूनियर बालिका वर्ग में पोलवा प्रथम रहा।

शतरंज जूनियर बालक वर्ग में पोलवा ने जीत दर्ज की।

कैरम प्रतियोगिता में आदर्श इंटर कॉलेज ने प्रथम स्थान हासिल किया।

निर्णायक मंडल एवं आयोजन की सराहना

प्रतियोगिता के सफल संचालन में निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें राकेश कुमार कन्नौजिया, मेराज अंसारी, कृष्ण विश्वकर्मा एवं रवींद्र कुमार शामिल रहे। कार्यक्रम में कमलेश कुमार पासवान, विकास कुमार कन्नौजिया, तामरस पुरी, कृष्ण, शिरीन सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

18 अप्रैल को होंगे और रोमांचक मुकाबले

आयोजन समिति के अनुसार 18 अप्रैल को सुबह 7 बजे से 9 बजे तक बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट एवं खो-खो की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिससे खेल महाकुंभ का रोमांच और बढ़ेगा।

तालाब में डूबने से अधेड़ की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

समाज जागरण / विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026 राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के चुर्क चौकी अंतर्गत एक दर्दनाक हादसे में अधेड़ व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 50 वर्षीय रजिन्दर यादव पुत्र स्वर्गीय चन्दन यादव, निवासी रौप, शुक्रवार सुबह अपनी भैंस को लेकर गांव के पास स्थित तालाब की ओर गया था। इसी दौरान भैंस तालाब में चली गई, जिसे निकालने के प्रयास में वह स्वयं भी पानी में उतर गया। बताया जा रहा है कि तालाब गहरा होने के कारण वह असंतुलित होकर गहरे पानी में डूब गया।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कुछ युवकों ने तालाब में उतरकर उसे बाहर निकाला। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातम छा गया। सूचना पर चुर्क चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तालाबों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

नधिरा गांव में बाउली में डूबने से युवक की मौत, परिवार में कोहराम

समाज जागरण /

सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026: बभनी थाना क्षेत्र के नधिरा गांव में बाउली में डूबने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय आदित्य पुत्र नन्दलाल निवासी नधिरा शुक्रवार दोपहर लगभग 2 बजे घर से करीब 150 मीटर दूर बाउली में नहाने गया था। नहाते समय पैर फिसल जाने से वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

पास में खड़े पांच वर्षीय शेर सिंह ने घटना देखी और शोर मचाकर परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने काफी देर तक खोजबीन कर युवक को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पूर्व प्रधान राजाराम ने भी पुलिस को सूचना दी थी।

मृतक की पत्नी मानमती का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की एक वर्ष की पुत्री भी है, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

प्रभारी निरीक्षक दीन्नू प्रसाद यादव ने बताया कि चचेरे भाई अच्छे लाल की तहरीर पर मामला दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। (स्थानीय संवाददाता)

दैनिक समाज जागरण नेशनल अखबार मे विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

भगवान परशुराम की जयंती के पूर्व संध्या पर दीपोत्सव की तैयारी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। अखिल भारतीय मनीषी परिषद के तत्वावधान में,भगवान परशुराम की जयंती की पूर्व संध्या पर 18 अप्रैल दिन शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वरूणा तट, रामेश्वर में भव्य दीपोत्सव एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

जिलाध्यक्ष वाराणसी, अखिल भारतीय मनीषी परिषद कपिलनारायन पांडेय नीरज चौबे 'सोनू' महानगर अध्यक्ष वाराणसी के अनुसार भगवान परशुराम की जयंती के पूर्व संध्या पर सर्व धर्म मुश्लिम,ईसाई ,सिख ,दलित व ब्राह्मण धर्मगुरु एक साथ दीप जलाकर दीपोत्सव का शुभारम्भ करेंगे। इसके बाद संगोष्ठी में सर्व धर्म समभाव ,भगवान परशुराम के आदर्श पर चर्चा होगी। माँ आदिगंगा वरुणा नदी को बचाने का एक साथ संकल्प लेंगे। जिसमें हर जाति ,धर्म ,सम्प्रदाय व वर्ग के लोग मिलकर दीप जलाएंगे।

उक्त की जानकारी कोइरीपुर स्थित चिक्कन पहलवान के पुत्र कपिलनारायन पांडेय के आवास पर पीठाधीश्वर आचार्य अन्नू तिवारी,दिनेश दुबे व द्वय नेताओ ने दिया।

सत्यदेव डिग्री कॉलेज गाजीपुर में चंद्रशेखर जी की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री जननायक श्री चंद्रशेखर जी का जन्म शताब्दी सत्यदेव ग्रुप्स आफ कालेजेज गाधिपुरम बोरसिया गाजीपुर के सत्यदेव डिग्री कालेज मे उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाई गई। महाविद्यालय निदेशक अमित

रघुवंशी द्वारा पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम आरंभ किया गया। अपने संबोधन में निदेशक अमित कुमार सिंह रघुवंशी ने चंद्रशेखर जी के बारे में कहा कि वो सिद्धांतों के सौदागर नहीं मूल्यों के पुरोधा थे,

सत्ता से बड़े उसूलों को मानने वाले युवा तुर्क चंद्रशेखर जी थे।"

भारत के 8वें प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी को उनकी जयंती पर नमन।

उन्हें 'युवा तुर्क' इसलिए कहा गया क्योंकि उन्होंने हमेशा सत्ता के खिलाफ बेबाकी से आवाज उठाई और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। 1975 की इमरजेंसी का विरोध, पैदल 'भारत यात्रा' और गरीब-किसान की राजनीति - ये उनकी पहचान थी।

उनके दो शब्द जो आज भी प्रासंगिक हैं

सत्ता का चरित्र नहीं होता, चरित्र व्यक्ति का होता है

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुनील सिंह द्वारा प्रधानमंत्री जी के कार्यो और उनकी उपलब्धि तथा देशहित उनकी कर्मठता व देश हित मे किए गए कार्यो पर चर्चा की।

इस अवसर पर नवनीत वर्मा . डॉ अरविंद राय. डॉ मनीष पांडे, रविंद्र जी, शैलेंद्र जी तथा महा विद्यालय समस्त शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंगई का पानी बना किसानों के लिए अभिशाप

सूनी फसलें, परती खेत और किसानों की टूटती उम्मीदें

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद में मंगई नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में इस वर्ष किसानों की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। गाजीपुर और बलिया जनपद के कई गांवों में जलजमांव और देर से हुई बुवाई ने किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में खड़ी फसलें आज उम्मीद नहीं, बल्कि खुद बेबसी की कहानी कह रही हैं। किसानों के अनुसार शारदा सहायक नहर का पानी मंगई

नदी में छोड़े जाने से खेतों में लंबे समय तक जलभराव बना रहा। परिणाम यह हुआ कि अक्टूबर में होने वाली बुवाई लगभग तीन महीने विलंब से, जनवरी में हो सकी। इससे फसलों को पकने के लिए आवश्यक 120झ 130 दिनों का समय नहीं मिल पाया। बाद में अचानक बढ़ते तापमान और चलती गर्म हवाओं ने पौधों के फूल ही मुरझा दिए, जिससे फलियों में दाने तक नहीं बन सके।

स्थिति इतनी विकट है कि कई खेतों में खड़ी फसल होने के बावजूद मजदूर कटाई के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि पैदावार इतनी कम है कि मजदूरी भी निकालना मुश्किल हो रहा है। जहां कहीं कटाई हो भी रही है, वहां किसानों को भारी समझौता करना पड़ रहा है। कई खेत ऐसे भी हैं जिन्हें बुवाई के समय जलभराव के कारण बोया ही नहीं जा सका और वे आज भी परती पड़े हैं। जिन खेतों में गेहूं बोया गया, वहां भी उत्पादन बेहद कम हुआ है—कई किसानों को प्रति बीघा केवल 2 से 3 कुंतल गेहूं ही मिल पा रहा है, जिससे लागत निकलना भी कठिन हो गया है।

सबसे अधिक प्रभावित ग्राम राजापुर के किसानों-मृत्युंजय राय उर्फ बुल्लू राय, सतीश चंद्र राय, कृपा शंकर राय, कैलाश राय, कृष्ण गोपाल राय, रणजीत राय, प्रेमनाथ राय, रामजतन राय, सरोज राय आदि का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि पिछले लगभग 35 वर्षों से चली आ रही है। हाटा, सोनवानी, दौलतपुर, टुटुवारी और बघौना जैसे गांवों की हजारों हेक्टेयर उपजाऊ भूमि हर वर्ष जलजमाव की मार झेलती है।

किसानों का कहना है कि पहले नदी का पानी आसानी से निकल जाता था, लेकिन पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण के बाद पानी के प्राकृतिक बहाव में अवरोध बढ़ गया है, जिससे जलनिकासी की समस्या और गंभीर हो गई है। उनका कहना है कि यदि नहर का पानी नदी में छोड़ा जाता है, तो सरकार को नदी की नियमित सफाई, चौड़ीकरण और गहराई बढ़ाकर उसकी क्षमता भी बढ़ानी चाहिए।

किसान अब इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि विशेषज्ञों की समिति बनाकर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए, साथ ही प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा और कृषि ऋण माफी दी जाए। लगातार नुकसान और अनिश्चित भविष्य के कारण यहां के किसान और कृषि मजदूर खेती से मोहभंग होकर शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

मंगई के किनारे बसे इन गांवों में आज केवल खेत ही सूने नहीं हैं—किसानों की उम्मीदें भी सूखती जा रही हैं।

नारी शक्ति पदयात्रा निकालकर समाज को सशक्त करने के लिए किया गया जागरूक

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।सरस्वती उच्च शिक्षा एवं तकनीकी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गहनी, आयर में शुक्रवार "नारी शक्ति पदयात्रा" का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की लगभग 300 छात्राओं और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की।

इस अवसर पर डॉ. ज्ञान्ती सिंह, डॉ. कुसुमलता सिंह, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. तृप्ति सिंह, रानी पाण्डेय, डॉ. रूबी, डॉ. श्वेता प्रसन्ना संत और सुश्री अदिति सिंह सहित समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को समाज में अपनी भूमिका समझने और सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

पदयात्रा के दौरान छात्राओं ने जागरूकता संदेश वाले बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए। उन्होंने मानव श्रृंखला बनाकर एकजुटता और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कक्षाओ में प्रोजेक्टर के माध्यम से

महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई।

ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता फैलाने के लिए बैनरों का उपयोग किया गया, ताकि लोगों को महिलाओं के अधिकारों और उनके महत्व से अवगत कराया जा सके। इसके अतिरिक्त, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों और महिलाओं के प्रति भेदभाव पर प्रकाश डाला गया, जिसकी सराहना की गई।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश यह था कि आज की नारी किसी भी क्षेत्र मे पीछे नही है। वह समाज के हर क्षेत्र मे पुरुषो के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है और हर चुनौती का सामना करने में सक्षम है। यह भी बताया गया कि नारी शक्ति देश के विकास की आधारशिला है और भारत के निर्माण में उसकी सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

अंत में, महाविद्यालय परिवार ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

क्षेत्र के विकास के साथ रोजगार के नए अवसर मिलेंगे आजीविका संवर्धन केंद्र से बी0डी0 वर्मा

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ विकास खंड के ग्राम पंचायत मुर्दहा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आजीविका संवर्धन केंद्र का उद्घाटन बीडीओ हरहुआ बद्री प्रसाद वर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया।

आजीविका संवर्धन केंद्र के उद्घाटन पश्चात श्री वर्मा ने उपस्थित समूह की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में आजीविका संवर्धन केंद्र खुलने से क्षेत्र के विकास एवं रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगी। उन्होंने इस आजीविका संवर्धन केंद्र के खुलने से लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति एक ही स्थान से हो जाएगी इसके भविष्य की कामना की।

ब्लॉक मिशन प्रबंधक श्रीमती पूजा तिवारी एवं ज्ञानेंद्र शुक्ला ने अपने संबोधन में बताया कि इस आजीविका संवर्धन केंद्र का उद्देश्य एक ही छत के नीचे सिलाई,कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर एवं परचून की दुकान आदि की सुविधा उपलब्ध कराना है, जिससे स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से एडीओ पंचायत हरहुआ रवि सिंह, ग्राम विकास अधिकारी संजय सोनकर ,ब्लॉक मिशन प्रबंधक पूजा तिवारी, ज्ञानेंद्र शुक्ला, आजीविका सखी सीमा देवी,समूह सखी सावित्री देवी एवं समूह की महिलाएं व स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

किसान से फार्मर आईडी तथा खसरा प्राप्त करने के उपरांत गेंहू खरीद करें सुनिश्चित : अवधेश सिंह

समाज जागरण

वाराणसी। सहायक आयुक्त एवं सहायकनिबंधक सोनभद्र देवेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर एडीसीओ ओबरा अवधेशसिंह ने शुक्रवार को चोपन ब्लाक अंतर्गत चोपन धान क्रय केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बशीर अहमद पुत्र गुलशन के सत्तर कुंटल गेंहू की तौल होती पाई गई।

केन्द्र पर बैनर , इलेक्ट्रॉनिक काँटा,व संबंधित स्टेशनरी उपलब्ध पाई गई।

केंद्र प्रभारी रामअनंत द्वारा बताया गया कि किसानो का गेहू अब केन्द्र पर आ रहा है और तीन चार दिन मे खरीद एक हजार कुंतल से अधिक हो जाएगी।

एडीसीओ अवधेश सिंह ने निर्देशित किया कि फार्मर आईडी और खसरा प्राप्त करने के बाद किसान से नियमानुसार खरीद करना सुनिश्चित करें।

खरीद के समय विपणन निरीक्षक विजय वशिष्ठ, शाखाप्रबंधक चोपन शशिकांत सिंह, सचिव रामअनंत ,जितेन्द्र इत्यादि उपस्थित रहे।

सहायक आयुक्त सोनभद्र देवेंद्र कुमार सिंह ने सभी केन्द्र प्रभारियो को आगाह किया है कि जहाँ बोरो की उपलब्धता नही है ,वे प्रभारी क्रय एजेंसी से संपर्क करके तत्काल बोरा प्राप्त करें तथा क्रय नीति का अनुसरण करते हुए नियमानुसार मानक के अनुरूप गेंहू क्रय सुनिश्चित करें।

शास्त्री घाट वरुणा पुल पर आयोजित कार्यक्रम में संत-महात्माओं व गणमान्य अतिथियों का होगा आगमन

समाज जागरण शिव तिवारी,

वाराणसी। दिनांक 18 अप्रैल 2026 को शास्त्री घाट, वरुणा पुल पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में देशभर के संत-महात्माओं एवं विशिष्ट अतिथियों का आगमन सुनिश्चित हुआ है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से शंकराचार्य नरेंद्रानंद जी महाराज, महामंडलेश्वर कृपाचार्य जी महाराज, सतुआ बाबा आश्रम के पीठाधीश्वर संतोष जी महाराज, स्वामी रूपेश्वरानंद जी महाराज, महामंडलेश्वर मुक्तेश्वरी गिरी सुरेंद्र जी महाराज, अरुण योगी जी (कबीर मठ), लक्ष्मण दास जी, रजनी संत जी (डॉलर बाबा), रामदास गुरु जी (कबीर पंथ) तथा कोठारी गुरु जी सहित अनेक संत-महापुरुषों की उपस्थिति रहेगी।

इसके साथ ही कार्यक्रम में राज्य मंत्री राम प्रकाश दुबे, राजेश दीक्षित, वाराणसी व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा, नगर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष संजीव सिंह बिल्लू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार गौरव पांडे ह्यगोलूह्र, राज्य मंत्री आरपी कुशवाहा, पूर्व राज्य मंत्री मीना चौबे, प्रदेश मंत्री श्रीमती मीना चौबे सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के भी शामिल होने की पुष्टि हुई है।

आयोजन को लेकर क्षेत्र में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं और आयोजकों द्वारा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

चन्द्रशेखर जैसा कोई दिखाई नहीं देता जो पद और राजनीति की चिंता छोड कर सच कह सके-डा०सानन्द

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

पूरे देश ने जननायक पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्र शेखर जी को उनके 99 वे जन्म जयंती पर बहुत ही श्रद्धा पूर्वक याद किया।दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य नीरज शेखर की उपस्थिति में बलियां. गाजीपुर समेत यूपी के अन्य जनपद से भी लोग पहुंचे।उनके समर्थक पूरे देश में आज के दिन कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करते हैं।बलियां वाराणसी. गाजीपुर. आजमगढ समेत अन्य जनपद एवम पूरे देश के कोने कोनें में भी श्रद्धांजलि सभा एवम अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जननायक की 99 वीं जयंती पर वरिष्ठ भाजपा नेता डा० सानन्द सिंह प्रबन्ध निदेशक सत्यदेव ग्रूप्स आफ कालेजेज गाधिपुरम्-बोरसिया गाजीपुर ने दिल्ली में स्व0 चन्द्र शेखर की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुवे पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्र शेखर जी के बारे में कहा की 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991 के बीच 11वें प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने वाले स्व० चंद्रशेखर जी की बचपन से ही राजनीति में गहरी रुचि थी। चंद्रशेखर जी से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जिन्हें आज भी सुनाया जाता है। कहा जाता है कि वो पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने राज्य मंत्री या केंद्र में मंत्री बने बिना ही सीधे प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

चंद्रशेखर के तीखे तेवर

चंद्रशेखर सिंह एक प्रखर वक्ता, लोकप्रिय राजनेता, विद्वान लेखक और बेबाक समीक्षक थे। वे अपने तीखे तेवरों और खुलकर बात करने के लिए जाने जाते थे। इस वजह से ज्यादातर लोगों की उनसे पटती नहीं थी। कॉलेज समय से ही वे सामाजिक आंदोलन में शामिल होते थे और बाद में 1951 में सोशलिस्ट पार्टी के फुल टाइम वर्कर बन गए। सोशलिस्ट पार्टी में टूट पड़ी तो चंद्रशेखर कांग्रेस में चले गए।

जब चंद्रशेखर ने मंत्री बनने से किया इंकार-डा सानन्द

1975 में जब इमरजेंसी लागू हुई तो चंद्रशेखर उन कांग्रेसी नेताओं में से एक थे, जिन्हें विपक्षी दल के नेताओं के साथ जेल में ठूंस दिया गया। इमरजेंसी के बाद वे वापस आए और विपक्षी दलों की बनाई गई जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। अपनी पार्टी की जब सरकार बनी तो चंद्रशेखर ने मंत्री बनने से इनकार कर दिया।

चंद्रशेखर की पद यात्रा-डा सानन्द

इमरजेंसी के बाद चंद्रशेखर ने सुदूर दक्षिण स्थित कन्याकुमारी से दिल्ली स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि राजघाट तक पदयात्रा की। इस दौरान उन्होंने 06 जनवरी 1983 से 25 जून 1983 के बीच 4260 किमी की पैदल यात्रा की। यात्रा का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को करीब से जानना और उन्हें सामने लाना था।

विरोधी भी चंद्रशेखर का करते थे सम्मान-डा सानन्द

चंद्रशेखर ऐसे व्यक्ति थे जिनका अपने तो अपने विरोधी भी सम्मान करते थे। एक समय था जब मधु दंडवते, मोहन धारिया और चंद्रशेखर भारतीय राजनीति में छाए हुए थे। चंद्रशेखर हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते रहे। वे शोषित और कमजोर लोगों की आवाज थे। उनका किसी बात को कहने का अंदाज भी अलग होता था। कहते हैं कि जब वह संसद में बोलते थे तब सभी उनकी बात सुनते थे। सदन में जब भी बोलते थे धारा प्रवाह बोलते थे। उन्हें हर विषय पर बहुत अच्छा ज्ञान था।

जब चंद्रशेखर ने इंदिरा से कहा था पूरे करें वादे

बलिया के मामूली परिवार से निकले चंद्रशेखर देश की राजनीति में जब तक रहे निर्णायक रूप से उन्होंने अपनी जगह बनाई। इंदिरा गांधी की इच्छा के खिलाफ 1972 में शिमला में उन्होंने कांग्रेस वर्किंग कमेटी का चुनाव जीता। फिर इंदिरा गांधी को उनकी लोकप्रियता देखकर उन्हें कांग्रेस वर्किंग कमेटी में रखना पड़ा। उन्होंने इंदिरा गांधी को चेताया था कि हमने जो वायदे किए 71 के चुनाव में, जीतने के बाद पहले हमें उनको पूरा करना चाहिए।

सात महीनों तक बने प्रधानमंत्री

साल 1990 में चंद्रशेखर को प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला। जब उनकी ही पार्टी के विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार भाजपा के सपोर्ट वापस लेने के चलते अल्पमत में आ गई। चंद्रशेखर के नेतृत्व में जनता दल में टूट हो गई। 64 सांसदों का धड़ा अलग हुआ और उसने सरकार बनाने का दावा ठोंक दिया। उस वक्त राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने उन्हें समर्थन दिया।

चौधरी चरण के साथ चंद्रशेखर

पीएम बनने के बाद चंद्रशेखर ने कांग्रेस के हिसाब से चलने से इंकार कर दिया। जिसका नतीजा यह हुआ कि सात महीने में ही राजीव गांधी ने समर्थन वापस ले लिया। अपने कार्यकाल में उन्होंने डिफेन्स और होम अफेयर्स की जिम्मेदारियों को भी संभाला था। 8 जुलाई 2007 को पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का नई दिल्ली में निधन हो गया था। वे आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन राजनीति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। वो व्यक्तिगत राग द्वेष से दूर रहने वाले राजनेता थे। देश के बारे में सोचा करते थे। इसलिए लोग उन्हें सुनते भी थे। चंद्रशेखर का जाना इस देश की राजनीति से साहस की विदाई है। वैसा कोई नेता अभी दिखाई नहीं देता जो पद और राजनीति की चिंता छोड़कर सच कह सके।

चंद्रशेखर जी किसानों को भारत की संरचना की रीढ़ मानते थे-जमा खान

राष्ट्र निर्माण में किसानो की भूमिका" विषय पर संगोष्ठी सम्पन्न

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

वाराणसी के लंका- नरिया स्थित रामनाथ चौधरी शोध संस्थान के सभागार में भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी तथा बनारस के पहले विधान परिषद सदस्य बाबू प्रसिद्ध नारायण सिंह की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई ।इस अवसर पर "राष्ट्र निर्माण में किसानो की भूमिका" विषय पर संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आरंभ चंद्रशेखर जी एवं बाबू प्रसिद्ध नारायण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन से हुआ ।इस अवसर पर उपस्थित सभी ने चंद्रशेखर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके 99 वे जयंती पर अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया। चंद्रशेखर फाउंडेशन तथा बाबू प्रसिद्ध नारायण सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाले 51 व्यक्तियों को सामाजिक उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया ।इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुए बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री जमा खान ने कहा कि चंद्रशेखर जी उस राष्ट्रीय दृष्टिकोण के व्यक्ति थे जिन्होंने राजनीतिक पटल पर उत्तर प्रदेश तथा बिहार दोनों के राजनीतिक भावनाओं

का कई दशकों तक प्रतिनिधित्व किया। उनके दौर का हर राजनैतिक कार्यकर्ता किसी न किसी रूप में चंद्रशेखर के आचरण का अनुयायी था ।उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में गैर कांग्रेसी दलों की सरकार के जितने भी नेता हुए उन सभी ने किसी न किसी कालखंड में भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पीछे खड़े रहकर राजनैतिक प्रशिक्षण प्राप्त किया । उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर जी किसानों को भारत की संरचना की रीढ़ मानते थे। उन्होने बाबू प्रसिद्ध नारायण सिंह को याद करते हुए कहा कि बनारस का उदय प्रताप महाविद्यालय उनके प्रयासों तथा व्यापक सोच का प्रत्यक्ष प्रमाण बनारस के पहले विधान परिषद सदस्य के रूप में उनकी भूमिका युगों युगों तक याद की जाएगी इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर जी संसदीय राजनीति को दलीय निष्ठा से ऊपर ले जाकर

राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के साधन के रूप में देखते थे। उन्होंने सत्ता को ठोकर मार कर संघर्ष का रास्ता चुना। जिसके कारण आपातकाल के बाद संपूर्ण क्रांति के दौर में जयप्रकाश नारायण के बाद वह सबसे आकर्षक नेता के रूप में प्रतिष्ठित हुए। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में जब चंद्रशेखर जी ने शपथ ग्रहण किया तब पूरा भारत युवा आंदोलन और हिंसा की आग में जल रहा था किंतु चंद्रशेखर जी के समन्वयकारी व्यक्तित्व और भेदभाव रहित राजनीति के प्रभाव में तत्काल शांति स्थापित हो गया। उनका सारा जीवन गांव और किस के विकास के लिए संघर्ष करने में बीता। इस अवसर पर मुख्य वक्ता संकट मोचन मंदिर के महंत प्रोफेसर विशंभर नाथ मिश्रा ने कहा कि वाणी और कर्म की एकरूपता चंद्रशेखर जी की राजनीति का मुख्य गुण था उनके लिए आचरण और सिद्धांत एक दूसरे के पूरक थे । वे किसानों के हक के प्रखर प्रवक्ता थे आम आदमी के भावनाओं की समझ तथा उसके अनुरूप नीतियों का समर्थन चंद्रशेखर जी की राजनीतिक जीवन

का मूल तत्व था। उनके विचारों और क्रियाकलापों में आचार्य नरेंद्र देव और महात्मा गांधी के व्यक्तित्व की स्पष्ट छाप दिखाई देती है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सुशील सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर जी ने कभी अपने जीवन में वोट बैंक की राजनीति नहीं की। वे लोकप्रिय राजनीति के बजाय लोककल्याण की राजनीति के साधक थे। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अशोक पांडे ने कहा कि देश में संपूर्ण क्रांति मुलतः जयप्रकाश नारायण और चंद्रशेखर क्रांतिकारी कदमों का परिणाम था। चंद्रशेखर जी ने जयप्रकाश और श्रीमती गांधी के बीच मध्यस्थ ता करते हुए समझौते का भी प्रयास किया था।

अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान चंद्रशेखर फाउंडेशन के अध्यक्ष हिमांशु सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन काशी हिंदू विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार शुक्ला ने किया। समारोह का संचालन काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र नेता अभिषेक सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मोहन सिंह, प्रोफेसर आनंद दीपायम, भुनेश्वर द्विवेदी,रत्नाकर त्रिपाठी, चौधरी राजेंद्र, अजीत सिंह, भूपेंद्र प्रताप सिंह, पंकज पाठक, महेंद्र सिंह, अजय सिंह, मनीष उपाध्याय, सुभाष चंद्र सिंह गुड्डू, कान्हा पांडे,करण, हृदयानंद यादव ,धर्मेंद्र सिंह, अजीत सिंह संयोजक किनाराम मठ, पंकज पाठक, ब्रह्मानंद पाठक, अन्नपूणार्नंद पांडे, संजय राय, नागेंद्र तिवारी,अभय सिंह मिक्कू, विनय शंकर सिंह पिंटू, मुकेश तिवारी ,आयुष मिश्रा समेत ढेर सारे लोग उपस्थित रहे।

बिना तारीख - बिना डिस्पैच के आदेश ! सिस्टम में लापरवाही का बड़ा मामला उजागर

खाद्य विभाग के आदेश पर उठे गंभीर सवाल, नियमों की अनदेखी से प्रशासनिक प्रक्रिया पर गहराया संदेह

उदय सिंह लोधी
समाज जागरण ब्यूरो चीफ दमोह

दमोह। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के दौरान किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए जारी किया गया नियंत्रण कक्ष गठन का आदेश अब खुद सवालों के घेरे में है। जिस आदेश से व्यवस्था सुधारने की उम्मीद थी, वही आदेश अपनी अधूरी प्रक्रिया के कारण प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहा है।

आदेश के अनुसार, कलेक्टर कार्यालय (खाद्य शाखा) में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर ऑपरेटर एवं सर्वेयर स्तर के कर्मचारियों की टीम तैनात की गई है, जो प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक किसानों की समस्याओं का निराकरण करेगी। सहायक आपूर्ति अधिकारी राकेश कुमार कन्हौआ को नोडल अधिकारी बनाकर शिकायतों के समयबद्ध समाधान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतना महत्वपूर्ण आदेश बिना स्पष्ट तारीख और बिना डिस्पैच नंबर के ही जारी कर दिया गया। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि क्या प्रशासनिक नियम अब केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं? बिना विधिवत दस्तावेजी प्रक्रिया के जारी आदेश न सिर्फ अवैधानिकता की ओर इशारा करते हैं, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी चोट करते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, जिला आपूर्ति अधिकारी के प्रभार में कार्यरत डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति द्वारा आदेश जारी करने में जल्दबाजी इस कदर हावी है कि मूलभूत औपचारिकताओं तक की अनदेखी की जा रही है। नतीजा–अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच भ्रम की स्थिति, और जवाबदेही तय करने में संभावित मुश्किलें।

प्रशासनिक जानकार इसे गंभीर लापरवाही मान रहे हैं। उनका कहना है कि यदि आदेशों में ही प्रक्रिया का पालन नहीं होगा, तो जमीनी स्तर पर पारदर्शिता और जिम्मेदारी की उम्मीद कैसे की जा सकती है? यह स्थिति न केवल सिस्टम की कमजोरियों को उजागर करती है, बल्कि भविष्य में बड़े प्रशासनिक विवादों को भी जन्म दे सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उक्त आदेश अपर कलेक्टर द्वारा जारी किया गया है, जिससे अब यह मामला और संवेदनशील हो गया है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या इतने वरिष्ठ स्तर पर भी दस्तावेजी प्रक्रिया की अनदेखी हो रही है या फिर यह महज लापरवाही का मामला है?

फिलहाल, जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं–क्या इस स्पष्ट चूक पर कार्रवाई होगी या फिर मामला यूं ही फाइलों में दबा दिया जाएगा?

तेज हुई गर्मी की मार: तापमान 38 डिग्री पार, लू के खतरे के बीच स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी जारी

सीएमएचओ की अपील–दोपहर में घर से निकलने से बचें, पानी व तरल पदार्थों का सेवन बढ़ाएं

उदय सिंह लोधी
समाज जागरण ब्यूरो चीफ दमोह

दमोह। जिले भर में गर्मी ने अचानक तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार को तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जबकि दोपहर में चल रही गर्म हवाओं ने हालात और अधिक गंभीर बना दिए। सड़कों पर आवाजाही कम हो गई है और बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में सन्नाटा नजर आने लगा है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आगामी चार दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है, जिससे लू और हीट स्ट्रोक का खतरा और बढ़ जाएगा।

इसी को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. अठया ने आमजन से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी, चक्कर, उल्टी, सिरदर्द या तेज बुखार जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।

उन्होंने सलाह दी कि दिनभर में 8 से 10 गिलास पानी पिएं तथा ओआरएस, नींबू पानी, छाछ और नारियल पानी का सेवन करें। साथ ही तरबूज, खरबूज, खीरा जैसे मौसमी फलों को आहार में शामिल करें और तला-भुना, मसालेदार व खुले खाद्य पदार्थों से परहेज करें।

गर्मी से बचाव के लिए हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, धूप में निकलते समय सिर को ढकें और चश्मा या छाते का उपयोग करें। दोपहर 12 से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें तथा बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें।

स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि बढ़ती गर्मी में थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है, इसलिए सतर्कता और सावधानी ही सबसे प्रभावी बचाव है।

सैटेलाइट सिस्टम बना सिरदर्द ! असत्यापित मैसेज से अटकी गेहूं खरीदी, किसान परेशान

ई-उपार्जन पोर्टल की तकनीकी खामियों से बढ़ी मुश्किलें, स्लॉट बुकिंग और भुगतान प्रक्रिया में आ रही दिक्कतें

उदय सिंह लोधी समाज जागरण ब्यूरो चीफ दमोह

दमोह। खेतों में कड़ी मेहनत कर फसल तैयार करने वाले किसानों के लिए इस बार समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचना आसान नहीं दिख रहा है। खरीदी शुरू

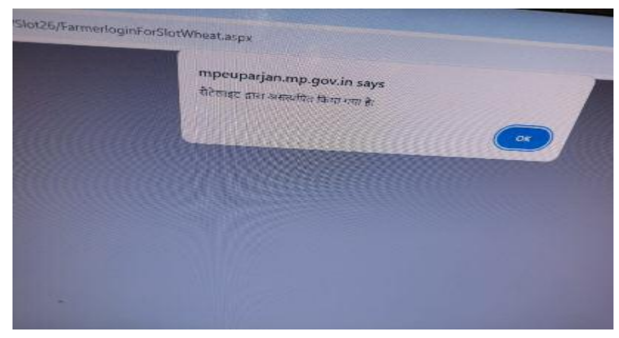

हुए कुछ दिन बीत चुके हैं, लेकिन ई-उपार्जन पोर्टल की तकनीकी खामियों ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। सैटेलाइट द्वारा असत्यापित किया गया, जैसे मैसेज किसानों के लिए चिंता का कारण बन गए हैं।

किसानों का कहना है कि ओटीपी दर्ज करने के बाद भी पोर्टल पर फसल सत्यापन नहीं हो पा रहा है और असत्यापित का संदेश दिख रहा है। इससे खरीदी प्रक्रिया अटक गई है और किसान असमंजस की स्थिति में हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आखिर सैटेलाइट के आधार पर फसल का सत्यापन किस तरह किया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर खेतों में फसल मौजूद है।

स्लॉट बुकिंग में देरी, भुगतान पर भी संकट

पोर्टल की खामियों के चलते किसानों को स्लॉट बुकिंग में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई किसानों को समय पर स्लॉट नहीं मिल पा रहा, वहीं ट्रायल पेमेंट फेल जैसे मैसेज ने उनकी चिंता और बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि यदि समय पर भुगतान नहीं हुआ, तो अगली फसल की तैयारी प्रभावित होगी।

किसानों की बढ़ी परेशानी

इस पूरी अव्यवस्था से किसान काफी परेशान नजर आ रहे हैं। बार-बार पोर्टल पर प्रयास करने और संबंधित केंद्रों के चक्कर लगाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। सत्यापन में देरी के कारण किसानों की उपज मंडी तक पहुंचने में भी बाधा आ रही है।

हटा ब्लॉक में भी हालात खराब

हटा ब्लॉक के कई गांवों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। किसानों का आरोप है कि खेतों में गेहूं की फसल खड़ी होने के बावजूद सैटेलाइट सर्वे में फसल दर्ज नहीं हो रही है, जिससे पंजीयन और स्लॉट बुकिंग में परेशानी आ रही है।

समाधान की मांग

किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि ई-उपार्जन पोर्टल की तकनीकी खामियों को जल्द दूर किया जाए और वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जमीनी सत्यापन को प्राथमिकता दी जाए, ताकि खरीदी प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। फिलहाल, तकनीकी अव्यवस्थाओं के बीच किसान अपनी उपज बेचने के लिए परेशान हैं और समाधान की आस में प्रशासन की ओर टकटकी लगाए हुए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में पुआल के ढेर में लगी आग पुआल जलकर खाक

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के हथेड़ा गांव में गुरुवार की रात्रि में संदिग्ध परिस्थितियों में पुआल के ढेर में आग लग गई पुआल की ढेर की आग की तरफ से आग की लपट देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए पुलिस को सूचना दिया और बाल्टी डब्बा में पानी लेकर आग को बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग पर काबू नहीं पा सके सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड के कर्मियों ने पुआल के ढेर में लगी आग पर काबू पाया लेकिन तब तक आग से पुआल जलकर राख हो गया था थाना क्षेत्र के हथेड़ा गांव निवासी जहुरुद्दीन सिवान ने मवेशियों को खिलाने के लिए पुआल के ढेर को रखा हुआ था की पुआल के ढेर में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई पुआल की ओर से धुआं और आग की लपट देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए आग पर काबू पाने के लिए बाल्टी डब्बा में पानी लेकर दौड़े लेकिन तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दिया मौके पर पहुँचे एसआई चरण सिंह ने पुआल में आग लगने की सूचना फायर बिग्रेड को दिया मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड वाहन के कर्मियों ने पुआल में लगी आग पर काबू पाया समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आग बस्ती में भी पहुंच सकती थी इस संबंध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि काशी प्रसाद मिश्रा ने बताया की पुआल के ढेर में आग लगी थी फायर बिग्रेड वाहन के कर्मियों द्वारा आग पर काबू पाया गया है

छत से गिरने से वृद्धा की हुई मौत परिजनों में मचा कोहराम

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के हलिया कोल पहड़ी बस्ती में गुरुवार की रात्रि में छत से गिरने से 70 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई मौके पर पहुँचे वृद्धा के परिजनों द्वारा उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए जंहा पर चिकित्सक द्वारा वृद्धा को मृत घोषित कर दिया वृद्धा के मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया है परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिए अंतिम संस्कार कर दिया है थाना क्षेत्र के हलिया कोल पहड़ी बस्ती निवासी 70 वर्षीय धनराजी अपने पक्के मकान के छत पर सो रही थी की देर रात्रि में अचानक छत से नीचे गिर गई जिससे वृद्धा के सिर में गंभीर चोट लगने से वृद्धा की मौत हो गई मकान की तरफ गए वृद्धा के परिजनों

द्वारा तत्काल वृद्धा को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक ने वृद्धा को मृत घोषित कर दिया मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान शिवबाबू सेठ ने वृद्धा के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त किया है बीते दिनों वृद्धा महिला के मडहे में आग लगने से गृहस्थी व खाद्यान सामग्री जलकर राख हो गया था मृत वृद्धा को एक पुत्र है वृद्धा की मौत होने पर परिजनों में कोहराम मच गया है परिजनों द्वारा पुलिस को बिना सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया है

टाटानगर में ट्रेनों की लेटलतीफी पर आंदोलन होगा तेज, डीआरएम से जवाब मांगेगी समिति

समाज जागरण 17.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर के टाटानगर रेलवे जंक्शन पर लगातार हो रही ट्रेनों की लेटलतीफी के खिलाफ आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के बिष्टुपुर स्थित कार्यालय में आयोजित रेल यात्री संघर्ष समिति की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के संयोजक शिवशंकर सिंह ने की, जबकि विधायक सरयू राय की विशेष उपस्थिति रही।

बैठक में ट्रेनों की देरी को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि चक्रधरपुर रेल मंडल में यात्री ट्रेनों को रोककर मालगाड़ियों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर समिति ने स्पष्ट रूप से निर्णय लिया कि चक्रधरपुर मंडल के डीआरएम से यह पूछा जाएगा कि आखिर यह व्यवस्था किसके निर्देश पर लागू की गई है। यदि यह निर्णय डीआरएम स्तर पर लिया गया है तो उन्हें इसका कारण बताना होगा, और यदि यह रेलवे के महाप्रबंधक के निर्देश पर है तो इसकी जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

बैठक में यह भी कहा गया कि यात्री ट्रेनों की समय सारणी निर्धारित होती है, जबकि मालगाड़ियों के लिए कोई तय समय नहीं होता। ऐसे में सवाल उठता है कि सीमित रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के बावजूद मालगाड़ियों की अधिकता क्यों बढ़ाई जा रही है। समिति ने इसे यात्रियों के साथ अन्याय करार दिया और कहा कि इस संबंध में जल्द ही एक शिष्टमंडल डीआरएम को ज्ञापन सौंपेगा। इसके साथ ही ज्ञापन की प्रतिलिपि रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और संबंधित महाप्रबंधक को भी भेजी जाएगी।

रेल यात्री संघर्ष समिति ने आंदोलन को व्यापक रूप देने के लिए एक विशेष अभियान चलाने का भी निर्णय लिया है। इसके तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों–टाटानगर, आदित्यपुर, गोविंदपुर, सलगाजुड़ी, कांड्रा और गम्हरिया–पर यात्रियों से हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। समिति के कार्यकर्ता स्टेशनों पर मौजूद रहकर यात्रियों से ट्रेनों की लेटलतीफी के संबंध में फीडबैक लेंगे। इसके अलावा ट्रेन के अंदर जाकर भी यात्रियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को दर्ज किया जाएगा।

बैठक में यह भी मुद्दा उठा कि एक ओर रेलमंत्री यात्रियों की सुविधाओं की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर यात्रियों को असुविधा झेलनी पड़ रही है। ट्रेनों का घंटों लेट चलना यात्रियों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। समिति ने सवाल उठाया कि क्या यह स्थिति यात्रियों के हित में है और क्या संबंधित अधिकारी रेलमंत्री के निदेशों का पालन कर रहे हैं।

समिति के सदस्यों ने बताया कि पिछले 10 दिनों से जारी धरना के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। यात्रियों द्वारा लगातार फोन, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के माध्यम से ट्रेनों के देरी से चलने की शिकायतें मिल रही हैं, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

बैठक में मुकेश मित्तल, सुबोध श्रीवास्तव, मुकुल मिश्रा, अजय कुमार, सतीश कुमार सिंह, नीरज सिंह, कुलविंदर सिंह, अमित शर्मा, अमृता मिश्रा, उषा यादव, अजय गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, जीतेंद्र सिंह, आफताब अहमद सिद्दिकी, रवींद्र कुमार सिंह और अनिल प्रकाश सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर रोजगार सेवकों का प्रदर्शन, बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया ब्लाक मुख्यालय पर को ग्राम रोजगार सेवकों ने मानदेय व बजट संबंधी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा और मांगें न पूरी होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। ग्राम रोजगार संघर्ष समिति के प्रांतीय आह्वान पर शुक्रवार को ग्राम रोजगार सेवक संघर्ष समिति हलिया के अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी की अध्यक्षता में ब्लाक मुख्यालय पर रोजगार सेवकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी को मांगपत्र सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा की गई घोषणाओं को लागू करने की मांग उठाई गई। रोजगार सेवकों ने कंटीजेंसी व्यवस्था समाप्त कर पृथक बजट से मानदेय दिए जाने की प्रमुख मांग रखी। समिति की ओर से बताया गया कि 16 अप्रैल से 25 अप्रैल तक सांकेतिक कलम बंद हड़ताल की जाएगी। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि मांगें पूरी नहीं की गईं तो पांच मई को रोजगार सेवक संघ विधानसभा का घेराव करने को बाध्य होगा।ज्ञापन की प्रतिलिपि जिलाधिकारी,मुख्य विकास अधिकारी,उपायुक्त श्रम रोजगार मीरजापुर को भेजा है इस दौरान मुनेश कुमार पांडेय,अनोज अग्रहरी, पवन कुमार मिश्रा, महेंद्र कुमार, राजेंद्र प्रसाद, मुद्रिका प्रसाद, चंद्रमोहन, सुनीता देवी, उर्मिला देवी, रामभवन, अहमद रजा सहित दर्जनों रोजगार सेवक मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल रेफर

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के महुगढ़ सुखड़ा नहर पर गुरुवार की शाम ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने दोनों घायलों को एम्बुलेंस सेवा वाहन 108 से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया जंहा पर प्रभारी चिकित्साधिकारी ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है थाना क्षेत्र के महुगढ़ गांव निवासी 25 वर्षीय पंकज बाइक से गाँव निवासी 21 वर्षीय आशीष के साथ गड़बड़ा पुल की तरफ जा रहा था की जैसे ही महुगढ़ सुखड़ा नहर पर पहुंचा की विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घटना की सूचना एम्बुलेंस सेवा 108 पर दिया मौके पर पहुँचे एम्बुलेंस चालक प्रवीण पाल व ईएमटी आशीष यादव ने दोनों घायलों को वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए जंहा पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार व फार्मासिस्ट दशरथ पटेल द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद आशीष के दाहिने पैर में गंभीर चोट व पंकज के दोनों पैर में गंभीर चोट देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है दोनों घायलों के स्वजनों द्वारा दोनों को उपचार के लिए मंडलीय चिकित्सालय लेकर चले गए घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को मौके पर छोड़कर भाग निकला है ट्रैक्टर गांव का बताया जा रहा है

चंद्रशेखर की सादगी, बेबाकी और संबंधों की राजनीति आज भी प्रासंगिक: सरयू राय

समाज जागरण 17.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के शताब्दी वर्ष जयंती समारोह के अवसर पर जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा मिलानी हॉल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं एवं समर्थकों की भागीदारी रही।

अपने संबोधन में सरयू राय ने चंद्रशेखर को एक अद्वितीय व्यक्तित्व वाला नेता बताते हुए कहा कि वह आलोचनाओं को कभी व्यक्तिगत रूप से नहीं लेते थे। उनके लिए संबंधों का महत्व सर्वोपरि था और मतभेदों के बावजूद रिश्तों में कभी दरार नहीं आने देते थे। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर जैसा नेता आज के दौर में मिलना कठिन है।

सरयू राय ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके चंद्रशेखर के साथ मधुर और कटु दोनों तरह के संबंध रहे, लेकिन उनके बीच स्नेह कभी कम नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि जब जयप्रकाश नारायण ने आंदोलन की शुरूआत की, तब चंद्रशेखर उसमें शामिल हुए और जेल भी गए। वर्ष 1980 में चंद्रशेखर ने सरयू राय को जनता पार्टी का बिहार प्रदेश महासचिव बनाया, जिसके बाद वह लंबे समय तक पार्टी से जुड़े रहे।

उन्होंने चंद्रशेखर की ऐतिहासिक ह्यभारत यात्राह्न का उल्लेख करते हुए कहा कि कन्याकुमारी से राजघाट तक लगभग 4600 किलोमीटर की यात्रा ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। यात्रा के दौरान वे विभिन्न राज्यों में भारत यात्रा ट्रस्ट का गठन करते रहे। इस निर्णय पर सरयू राय ने असहमति जताई थी, जिस पर उनके करीबी लोगों ने नाराजगी भी जाहिर की, लेकिन चंद्रशेखर ने इसे व्यक्तिगत रूप से नहीं लिया और उनके प्रति स्नेह बनाए रखा।

सरयू राय ने कहा कि चंद्रशेखर की एक बड़ी विशेषता यह थी कि वह अपने संबंधों को कभी छिपाते नहीं थे। समाज या राजनीति की परवाह किए बिना वह अपने रिश्तों को खुले तौर पर स्वीकार करते थे। इसी संदर्भ में उन्होंने सूर्यदेव सिंह से जुड़े एक प्रसंग का उल्लेख किया, जब वे जेल में उनसे मिलने पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर धार्मिक प्रवृत्ति के थे, लेकिन कभी दिखावा नहीं करते थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने देश की आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए विदेशों में रखे सोने को गिरवी रखकर डॉलर जुटाने का कठिन निर्णय लिया। सरयू राय ने कहा कि चंद्रशेखर अपने चार माह के प्रधानमंत्रित्व काल को बेहद प्रभावी मानते थे और अक्सर चार माह बनाम चालीस साल की तुलना करते थे।

राजनीतिक प्रसंगों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि चंद्रशेखर और विश्वनाथ प्रताप सिंह के बीच मतभेद थे, यहां तक कि उनके खिलाफ कविताएं भी लिखवाई जाती थीं। वहीं, अटल बिहारी वाजपेयी के साथ उनके संबंध बेहद आत्मीय थे। दोनों के बीच मतभिन्नता के बावजूद गहरी मित्रता थी और वे एक-दूसरे को अलग-अलग उपनामों से संबोधित करते थे।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चंद्रशेखर ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी का चुनाव उस समय जीता, जब इंदिरा गांधी उनके चुनाव लड़ने के पक्ष में नहीं थीं। इससे उनकी राजनीतिक दृढ़ता और स्वतंत्र सोच का परिचय मिलता है।

कार्यक्रम में समाजसेवी शिवशंकर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चंद्रशेखर अत्यंत सरल और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके दिल्ली स्थित आवास पर हर किसी के लिए भोजन और ठहरने की व्यवस्था रहती थी, विशेषकर बलिया से आने वाले लोगों के लिए। कार्यक्रम का संचालन जदयू के महासचिव कुलविंदर सिंह पन्नू ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन महानगर अध्यक्ष अजय कुमार ने दिया। समारोह में चंद्रशेखर के विचारों और व्यक्तित्व को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया गया।

जन शिकायत निवारण दिवस में उपायुक्त ने सुनीं आमजन की समस्याएं, कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान

दैनिक समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जन शिकायत निवारण दिवस के अवसर पर उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग अपनी-अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन लेकर पहुंचे थे। उपायुक्त ने सभी मामलों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित संज्ञान लेते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया, जबकि अन्य मामलों को समयबद्ध निष्पादन के लिए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया।

जन शिकायत निवारण दिवस के दौरान नागरिकों ने विभिन्न प्रकार की समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। इनमें दुकान आवंटन, गैस वितरण में अनियमितता, जमीन से जुड़े विवाद, जब्त वाहनों की समस्या, निजी विद्यालयों में बीपीएल श्रेणी के बच्चों का नामांकन, संपत्ति विवाद एवं धमकी, अधूरे आवास निर्माण, झारखंड मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना का लाभ नहीं मिलना, स्कूल फीस माफी, म्यूटेशन, दुकान से संबंधित विवाद, आर्म्स लाइसेंस, पेंशन, राशन कार्ड जैसी जनहित से जुड़ी अनेक समस्याएं शामिल थीं।

उपायुक्त ने प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जन शिकायत निवारण दिवस में प्राप्त आवेदनों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रगति की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी मामलों का निष्पादन तय समय सीमा के भीतर हो। उन्होंने यह भी कहा कि लंबित मामलों को अनावश्यक रूप से टालने के बजाय त्वरित कार्रवाई कर लोगों को राहत पहुंचाई जाए। इस दौरान उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को सीधे प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद करने का अवसर मिला, जिससे उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल देखने को मिली। जन शिकायत निवारण दिवस प्रशासन और आमजन के बीच संवाद का एक प्रभावी मंच बनता जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही को भी मजबूती मिल रही है।

बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति को लेकर विधायक संजीव सरदार में मंत्री से की मुलाकात, बोले - जल्द शुरू होगी जलापूर्ति

समाज जागरण 17.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुरः शहर से सटे बागबेड़ा क्षेत्र में पेयजल संकट को लेकर पोटका विधायक संजीव सरदार ने पहल तेज कर दी है। इसी कड़ी में विधायक ने राज्य सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मंत्री योगेंद्र प्रसाद से रांची में मुलाकात कर बागबेड़ा वृहद ग्रामीण जलापूर्ति योजना को शीघ्र धरातल पर उतारने और क्षेत्र में नियमित पानी आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग रखी।

विधायक ने मंत्री को अवगत कराया कि भीषण गर्मी के कारण क्षेत्र के लोगों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में जल्द से जल्द जलापूर्ति बहाल करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह योजना लंबे समय से लंबित है, जिससे आम जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से तत्काल बातचीत की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विधायक को आश्वस्त किया कि बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत बहुत जल्द पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू कर दी जाएगी।

इधर, विधायक संजीव सरदार ने कहा कि क्षेत्र की जनता को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि विभागीय समन्वय से जून माह तक इस योजना को पूरी तरह धरातल पर उतार दिया जाएगा, जिससे लोगों को राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि बागबेड़ा वृहद जलापूर्ति योजना को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आने की उम्मीद है।

एक्शन मोड में सीएम सम्राट चौधरी

पदभार संभालते ही अधिकारियों को दी चेतावनी— 'नतीजे चाहिए, लापरवाही नहीं'

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पदभार ग्रहण करते ही शासन व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रशासनिक सक्रियता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री बनने के दूसरे ही दिन उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की और स्पष्ट लहजे में कहा कि अब केवल योजनाएं बनाना काफी नहीं है, बल्कि जमीन पर उनके ठोस परिणाम दिखने चाहिए।मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित बैठक में सीएम ने मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत सहित तमाम आला अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता को त्वरित सेवाएं

उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और विभागों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने विशेष रूप से थानों में आने वाले नागरिकों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने का निर्देश दिया ताकि पुलिस और प्रशासन पर आम जन का विश्वास मजबूत हो। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने सचिवालय के विभिन्न विभागों का स्वयं निरीक्षण किया और कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और वरिष्ठ मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव भी मौजूद रहे। सीएम ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की सुस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर अधिकारी की जवाबदेही तय होगी। जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के महिला आरक्षण बिल (33%) का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाएगा और बिहार इस निर्णय के साथ मजबूती से खड़ा है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि यह जिम्मेदारी जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने की है। हमारा लक्ष्य विकास की गति को तेज करना और योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। मुख्य उपस्थिति बैठक में प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव अनुपम कुमार, कुमार रवि और गृह विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी संजय कुमार सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विवाहिता हत्याकांड से दहला पोठिया, पीड़ित परिवार से मिले विधायक; सख्त कार्रवाई की मांग

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

पोठिया प्रखंड में हुई दिल दहला देने वाली घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। शुक्रवार को गोपाल अग्रवाल पीड़ित परिवार से मिलने उनके गांव पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने हर हाल में न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

ज्ञात हो कि बीते बुधवार की रात एक विवाहिता का शव मक्का के खेत से अर्धनग्न अवस्था में बरामद किया गया था। प्रारंभिक आशंका के अनुसार, महिला के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है।

घटना की कड़ी निंदा करते हुए विधायक ने प्रशासन से मांग की कि दोषियों को कठोरतम सजा दी जाए, ताकि यह समाज के लिए एक

मिसाल बने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित परिवार को अविलंब सरकारी मुआवजा दिया जाए तथा मुकदमे का पूरा खर्च प्रशासन द्वारा वहन किया जाए।

विधायक ने कहा कि वे इस मामले की लगातार निगरानी कर रहे हैं और हर अपडेट ले रहे हैं। परिजनों से मुलाकात के बाद उन्होंने अवैध घुसपैठ के मुद्दे को भी उठाया और कहा कि जहां-जहां अवैध कब्जा है, उसे हर हाल में खाली कराया जाएगा।

उन्होंने कहा, इस मुहिम के कारण मेरे ऊपर हमला होने की आशंका है, लेकिन मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं।

अंतर्राज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का सरगना गिरफ्तार, तीन बाइक बरामद

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज जिले में मोटरसाइकिल चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह के मुख्य सरगना सहित दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें और चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर 16 अप्रैल 2026 को जिला आसूचना इकाई (डीआईयू)

को सूचना मिली कि कुख्यात अपराधी शाह इंतजार आलम अपने सहयोगी के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में एमजीएम अस्पताल के आसपास देखा गया है। सूचना के आधार पर डीआईयू टीम एवं थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मौके से शाह इंतजार आलम (25 वर्ष, निवासी रूइया, थाना कोचाधामन) एवं कुन्दन सहनी (19 वर्ष, निवासी डेरामारी, थाना कोचाधामन) को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से एक ग्लैमर, एक राइडर और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के साथ दो मास्टर चाभी, एक मोबाइल फोन तथा चोरी में प्रयुक्त औजार (हथौड़ा, पेचकस, कटर ब्लेड) बरामद किए गए। पुलिस की पूछताछ में उनकी निशानदेही पर डेरामारी स्थित कब्रिस्तान के पीछे मक्का के खेत से एक चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई।

बरामद स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (निबंधन संख्या BR37AH1269) 4 अप्रैल 2026 को दर्ज एक मामले में चोरी हुई थी, जिसका सफल उद्भेदन कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी दर्जनों मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं। चोरी की गई मोटरसाइकिलों को पश्चिम बंगाल के अंतर्राज्यीय गिरोह के तस्करों को बेच दिया जाता था। मुख्य आरोपी शाह इंतजार आलम के विरुद्ध पूर्व में मोटरसाइकिल चोरी, एनडीपीएस तथा मारपीट के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर अन्य मामलों में उनकी संलिप्तता तथा गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही बिहार और पश्चिम बंगाल में चोरी की अन्य मोटरसाइकिलों की बरामदगी के लिए छापेमारी जारी है।

पुलिस पर हमला और हत्या के प्रयास के तीन आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

कुटुंबा(बिहार)औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्तों में पुलिस पर हमला और हत्या के प्रयास के आरोपी शामिल हैं। कुटुंबा थाना कांड संख्या 182/23 - पुलिस पर हमला मामले में फरार चल रहे दो अप्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार अभियुक्त मो. इकबाल पिता- मो. इस्लाम और मो. सगीर पिता- मो. शफीक अंसारी है।वहीं थाना कांड संख्या 97/25 - हत्या

का प्रयास मामले में एक प्राथमिकी अभियुक्त निजाम पवारिया पिता- मो. शफीक पवारिया, ग्राम- पिपरा बगाही को पकड़ा गया है

तीनों अभियुक्त कुटुंबा थाना क्षेत्र, जिला औरंगाबाद के रहने वाले हैं।कुटुंबा थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि तीनों अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर इन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम आरोपियों से पूछताछ कर तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने कहा है कि फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

पटना में वारंटी छुड़ाने में पुलिस पर हमला तीन गिरफ्तार, कई नामजद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के गौरीचक थाना क्षेत्र में वारंटी की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस टीम पर हमला करने और आरोपी को छुड़ाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पचरुखिया थाना के थानाध्यक्ष विक्रम कुमार पुलिस बल के साथ गौरीचक पहुंचे और बताया कि ग्राम अलावलपुर निवासी राकेश सिंह के खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी हुआ है। गिरफ्तारी में सहयोग के लिए गौरीचक थाना की गश्ती टीम को अलावलपुर भेजा गया। गांव में वारंटी राकेश सिंह को पकड़ने के दौरान उसके परिवार और ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की गई और महिला सिपाही के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उपद्रवियों ने ईंट-पत्थर से पुलिस वाहन को

क्षतिग्रस्त कर दिया और वारंटी को छुड़ा लिया।

घटना के बाद पचरुखिया थानाध्यक्ष द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर गौरीचक थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया। इसके बाद 16 अप्रैल 2026 को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 पटना के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर नामजद और अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बबलू कुमार, गौरीशंकर उर्फ बमबम कुमार और राजीव कुमार, सभी निवासी अलावलपुर, थाना गौरीचक, जिला पटना को गिरफ्तार किया. पुलिस अन्य नामजद और अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंजन कुमार, थानाध्यक्ष सुषमा सागर, थानाध्यक्ष गोपालपुर अमित कुमार सिंह, पचरुखिया थानाध्यक्ष विक्रम कुमार सहित गौरीचक थाना के कई पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल शामिल रहे। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

पटना में बीमारी और अवसाद से तंग आकर वृद्ध ने खुद को मारी गोली, मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के रकसिया गांव में शुक्रवार की शाम एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने लंबी बीमारी और मानसिक तनाव से तंग आकर अपनी ही लाइसेंसी हथियार से खुद को गोली मारकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान रकसिया गांव निवासी रामाशीष सिंह के पुत्र बिरेन्द्र कुमार सिंह (60 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बिरेन्द्र सिंह पिछले कुछ समय से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। बीमारी के कारण वे गहरे अवसाद (डिप्रेशन) में चले गए थे। शुक्रवार की देर शाम उन्होंने मानसिक तनाव में आकर अपने पास मौजूद लाइसेंसी हथियार से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। ग्रामीणों के मुताबिक, बिरेन्द्र सिंह अविवाहित थे। घर में अकेलेपन और स्वास्थ्य की गिरती स्थिति ने उन्हें मानसिक रूप से काफी कमजोर कर दिया था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इसी हताशा के कारण उन्होंने इतना खौफनाक कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही दुल्हिन बाजार पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। मामले की पुष्टि करते हुए दुल्हिन बाजार थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या का प्रतीत होता है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन की जा रही है।

मुखिया के घर पर फायरिंग मामले में एक गिरफ्तार

जमीन विवाद में दहशत फैलाने की थी साजिश

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के पंसारी गांव में गुरुवार की रात वर्तमान मुखिया सुनैना देवी के आवास पर हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी पंसारी गांव निवासी राजेश्वर यादव (पिता- छोटन यादव) बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, भरतपुरा राजस्व ग्राम के अंतर्गत पंसारी गांव में सड़क किनारे बिहार सरकार की जमीन चिह्नित है। इस जमीन पर पंचायत सरकार भवन के निर्माण के लिए वर्ष 2024 में एनओसी (NOC) मिली थी, जिसके बाद 2025 में अधिकारियों की मौजूदगी में इसका शिलान्यास किया गया। जनवरी 2026 में बजट आवंटित होने के बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ। इसी बीच, गांव के ही राजेश्वर यादव ने उक्त जमीन पर अपना दावा ठोकते हुए न्यायालय में मामला दर्ज कराया। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिए छह महीने बाद की तिथि निर्धारित की है। फिलहाल निर्माण कार्य जारी था, जिससे नाराज होकर और मुखिया के मन में भय पैदा करने के उद्देश्य से गुरुवार रात उनके घर पर फायरिंग की गई। घटना के बाद शुक्रवार को मुखिया सुनैना देवी ने थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने छापेमारी कर मुख्य आरोपी राजेश्वर यादव को धर दबोचा। थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि मुखिया के घर पर हुई गोलीबारी मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

पटना के दनियावां में रफ्तार का कहर

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, परिवार में कोहराम

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ दनियावां थाना क्षेत्र के बिहार शरीफ-दनियावां मार्ग पर फरीदपुर स्थित शंकर स्थान के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में 30 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार होने में सफल रहा। मृतक की पहचान नालंदा जिले के नगरनौसा (वार्ड संख्या-3) निवासी उपेंद्र शर्मा के रूप में हुई है। वे स्वर्गीय कृष्ण ठाकुर के पुत्र थे। परिजनों ने बताया कि उपेंद्र नगरनौसा में सैलून चलाकर अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। घटना के समय वे अपनी बाइक से नगरनौसा से दनियावां बाजार की ओर जा रहे थे, तभी जोधन बिगहा मोड़ के पास काल बनकर आए अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया।सूचना मिलते ही दनियावां थानाध्यक्ष अनिल प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (NMCH) भेज दिया है। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी वाहन का सुराग मिल सके। थानाध्यक्ष अनिल प्रसाद ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए जांच जारी है। दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क पर बढ़ती रफ्तार पर चिंता जताते हुए प्रशासन से पीड़ित परिवार के लिए उचित मुआवजे और क्षेत्र में यातायात नियमों की सख्ती से पालना कराने की मांग की है।

पटना के बेऊर स्थित सिपारा में छापेमारी

86.400 लीटर विदेशी शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के सिपारा थाना के बेऊर इलाके में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी शराब की खेप बरामद की है। यह

कार्रवाई सुबह करीब 9.00 बजे ही की गई जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सहायक आयुक्त उत्पाद एवं मध निषेध विभाग प्रेम प्रकाश ने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही सहायक उप निरीक्षक राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान इफ्ब्2ळ 0836 नंबर की टाटा एरिया वाहन से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने कुल 480 टेट्रापैक ऑफिसर चॉइस शराब, जिसकी कुल मात्रा 86.400 लीटर बताई जा रही है, जब्त की है। जब्त शराब का अनुमानित मूल्य करीब एक लाख रुपये आंका गया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान अंकित कुमार, रिशु कुमार और रोहित कुमार, सभी निवासी हनुमान नगर, पटना के रूप में हुई है। छापेमारी टीम में एएसआई राकेश कुमार सिंह के साथ राकेश कुमार सिंह, मनीष कुमार, विवेक, पुरुषोत्तम, अमरेश और लालचंद (सिपाही) शामिल रहे। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

तिरुलडीह थाना क्षेत्र में अवैध बालू परिवहन पर कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता, बिकाश

तिरुलडीह थाना क्षेत्र में अवैध बालू उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। चलाए गए विशेष छापामारी अभियान के दौरान ग्राम कारकीडीह से दो ट्रैक्टरों को जब्त किया गया।

इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी कौशल कुमार ने अपने दल-बल के साथ किया। छापामारी के दौरान दोनों ट्रैक्टरों में करीब 200 CFT अवैध बालू लदा हुआ पाया गया, जिसे

पुलिस ने जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षित रखा है।

इस मामले में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

युवा कल्याण, सांस्कृतिक एवं पर्यटन विकास समिति की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता

झारखंड विधानसभा स्थित युवा कल्याण, सांस्कृतिक एवं पर्यटन विकास समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक रांची में समिति की सभापति सविता महतो की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य समिति द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं आगामी कार्ययोजनाओं की समीक्षा करना तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था। बैठक के दौरान

सभापति सविता महतो ने समिति के सदस्यों एवं संबंधित पदाधिकारियों से अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने युवा कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को अधिक सक्रिय और परिणामोन्मुखी बनाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर समिति के सदस्य विधायक रागिनी सिंह, विधायक निशात आलम आदि उपस्थित थे।

ईचागढ़ में अवैध बालू खनन पर प्रशासन की सख्ती, गिट्टी लदा ट्रैक्टर जब्त

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता

ईचागढ़ थाना क्षेत्र में अवैध बालू उठाव के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए छापेमारी अभियान चलाया। स्वर्णरेखा नदी स्थित बालू घाट पर अवैध खनन की सूचना मिलने पर अंचल अधिकारी दीपक कुमार एवं थाना प्रभारी ने पुलिस बल के साथ संयुक्त निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ईचागढ़-तिरुलडीह पुलिया के नीचे अवैध रूप से बनाए गए रास्ते को चिन्हित किया गया, जिसका उपयोग बालू के अवैध परिवहन के लिए किया जा रहा था। प्रशासन ने जेसीबी की मदद से उक्त रास्ते को खुदाई कर अवरुद्ध कर दिया, ताकि इस मार्ग से हो रही अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। इसके अलावा अवैध रूप से जमा

किए गए बालू के डंप पर भी छापेमारी की गई। कार्रवाई के क्रम में एक अवैध गिट्टी लदा ट्रैक्टर को जब्त कर इचागढ़ थाना में सुरक्षित रखा गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टाटानगर रेल सिविल डिफेंस ने अग्नि सेवा सप्ताह पर किया प्रशिक्षण, शहीद अग्निशामकों को दी श्रद्धांजलि

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर स्थित टाटानगर रेल सिविल डिफेंस द्वारा राष्ट्रीय अग्नि सेवा सप्ताह के अवसर पर शहीद अग्निशामक कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रेलकर्मियों को आग से बचाव एवं सुरक्षा उपायों का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान, सीनी के सभागार में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय रेल के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यक्रम में ऑपरेटिंग, कमर्शियल विभाग के स्टेशन मैनेजर, ट्रेन मैनेजर तथा प्रो सहायक लोको पायलट सहित कुल 196 रेलकर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुंबई के विक्टोरिया डॉक पर हुए ऐतिहासिक जहाज विस्फोट की घटना में शहीद हुए 66 अग्निशामक कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने उनके बलिदान को स्मरण करते हुए दो मिनट का मौन रखा।

सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर एवं राष्ट्रपति सम्मानित सदस्य संतोष कुमार ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए बताया कि आग लगने की लगभग 90 प्रतिशत घटनाएं मानव जनित होती हैं। इनमें से 30 प्रतिशत घटनाएं जानबूझकर की गई गतिविधियों के कारण होती हैं, जबकि 70 प्रतिशत घटनाएं मानवीय लापरवाही का परिणाम होती हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता के माध्यम से इन घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान आग लगने के विभिन्न कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा आग बुझाने की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के फायर उपकरणों के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही स्टॉप, ड्रॉप और रोल विधि का अभ्यास कराया गया, जो आग लगने की स्थिति में स्वयं को सुरक्षित रखने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। विशेष रूप से बहुमंजिला इमारतों में आग लगने की स्थिति में सुरक्षा उपायों पर जोर दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि ऐसी स्थिति में लिफ्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए, बल्कि सीढ़ियों का प्रयोग करते हुए सुरक्षित रूप से नीचे उतरना चाहिए। इससे जीवन की रक्षा संभव हो सकती है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डेमोंस्ट्रेटर शंकर कुमार प्रसाद द्वारा जीवंत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें फायर उपकरणों के उपयोग,पास रूल (PASS Rule) के तहत अग्निशामक यंत्र के संचालन तथा आपातकालीन रेस्क्यू कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने स्वयं अभ्यास कर तकनीकों को समझा।